मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.1	26.2
जमशेदपुर	35.1	24.6
डालटनगंज	32.8	25.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, मंगलवार 20 अगस्त 2024 | भाद्रपद कृष्ण प्रतिपदा, संवत 2081 | पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ | वर्ष : 2, अंक : 132 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पाकिस्तान में मंकी पॉक्स का मरीज मिलने के बाद भारत में सतर्कता बढ़ाई गई, एयरपोर्ट व अस्पतालों को अलर्ट किया

महामारी पर वैश्विक चिंता : मंकी पॉक्स से सहमी दुनिया, देशभर में अलर्ट

लगातार न्यूज नेटवर्क

मंकी पॉक्स से पूरी दुनिया सहम सी गई है. पांच साल के भीतर यह दूसरा मौका है जब किसी महामारी की वजह से दुनिया भर में चिंता जतायी जा रही है. दक्षिण अफ्रीका से शुरू होकर यह बीमारी जैसे-जैसे दुनिया भर के दूसरे देशों में फैल रहा है, सरकारों के माथे पर बल पड़ता जा रहा है. रविवार को पाकिस्तान में मंकी पॉक्स का एक मरीज मिलने के बाद भारत में सतर्कता बढ़ा दी गई है. एयरपोर्ट समेत तमाम वैसे जगहों को अलर्ट कर दिया गया है, जहां से लोग विदेश आना-जाना करते हैं. विदेश से आने वाले लोगों पर नजर रखी जाने लगी है. मंकी पॉक्स को लेकर भारत सरकार की स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को राज्यों की सरकारों के साथ बैठक की है. इसके साथ ही एयरपोर्ट और अस्पतालों को अलर्ट कर दिया गया है.

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्य सरकारों के साथ बैठक की

कहां से आया वायरस

जानकारी के मुताबिक मध्य व पूर्वी अफ्रीका से मंकी पॉक्स के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. वहीं से दुनिया के दूसरे हिस्से में भी यह फैल रहा है. डब्ल्यूएचओ ने इसके फैलने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस बार का मंकी पॉक्स पिछली बार से ज्यादा चिंताजनक है. क्योंकि नया वैरियंट ज्यादा घातक है. इस साल अफ्रीका में 14,500 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं. इनमें 450 लोगों की मौत हो चुकी है.

वायरस के तीन स्ट्रेन : मंकी पॉक्स के तीन स्ट्रेन फैल रहे हैं. क्लेड-वन, क्लेड-वन बी और क्लेड-टू. क्लेड वन बी नया और अधिक तेजी से फैलने वाला वायरस है, जबकि क्लेड-टू कम हानिकारक.

तेजी से फैल रहा वायरस : मंकी पॉक्स संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से यह वायरस फैल रहा है. संक्रमित व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल में लाए गए तौलिया, बिस्तर, रूमाल आदि के इस्तेमाल से भी यह संक्रमण फैलता है.

क्या होता है पीड़ित व्यक्ति को

विशेषज्ञों के मुताबिक मंकी पॉक्स एक संक्रामक वायरल रोग है. यह वायरल जानवरों से मनुष्यों को होता था. लेकिन इस बार मनुष्यों से भी मनुष्यों में फैल रहा है. इस वायरल से पीड़ित व्यक्ति को बुखार होता है. साथ ही शरीर पर दाने निकलने लगते हैं, जो बाद में फूट जाते हैं. इसके ठीक होने में 21 दिनों तक का वक्त लगता है. इस दौरान पीड़ित व्यक्ति को बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, कंपकपी, शरीर पर फफोलेदार दाने आते हैं. 21 दिनों बाद यह अपने आप ठीक हो जाता है.

सावधानी जरुरी

डब्ल्यूएचओ ने अपने एडवाईजरी में कहा है कि मंकी पॉक्स से संक्रमित किसी व्यक्ति के संपर्क में न आए. अगर आस-पास में किसी के संक्रमित होने की जानकारी है, तो सावधानी बरतें. बार-बार साबुन से हाथ धोते रहें. संक्रमित व्यक्ति को अलग-थलग कर देना चाहिए.

क्या है मंकी पॉक्स?

मंकी पॉक्स एक वायरस बीमारी है, जिसका वायरस ऑर्थोपॉक्स वायरस जीनस की एक प्रजाति है. इस वायरस की पहचान पहली बार 1958 में की गई थी. उस समय शोध के लिए रखे गए बंदरों की कॉलोनियों में चेचक जैसी बीमारी के प्रकोप के रूप में इस बीमारी के वायरस की पहचान हुई थी. मंकीपॉक्स वायरस का संबंध चेचक, काउपॉक्स, वैक्सीनिया जैसी बीमारियों से है. यह वायरस उसी ऑर्थोपॉक्स वायरस के परिवार से है, जिसमें बाकी सभी पॉक्स वायरस हैं. मंकी पॉक्स का पहला संक्रमित इंसान 1970 में कांगो में पाया गया था. वहीं, वर्ष 2022 में यह वायरस दुनिया भर में फैलना शुरू था.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,500
चांदी (किलो)	87,000

ब्रीफ खबरें

पीएम मोदी ने रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं. मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि यह पावन पर्व आप सभी के रिश्तों में नयी मिठास और जीवन में सुख, समृद्धि एवं सौभाग्य लेकर आए. हर साल श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व भाई-बहन के प्यार एवं पवित्र रिश्ते को और गहरा करता है. इस पर्व पर भाई अपनी बहनों की हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा करने का संकल्प लेते हैं.

आरक्षण छीनना चाहती है भाजपा : राहुल गांधी

नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'लेटरल एंट्री' के जरिये लोक सेवकों की भर्ती को लेकर सोमवार को एक फिर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा संविधान नष्ट करना और बहुजनों से आरक्षण छीनना चाहती है. राहुल ने सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया कि लेटरल एंट्री दलितों, ओबीसी और आदिवासियों पर हमला है. भाजपा के राम राज्य का विकृत संस्करण संविधान को नष्ट करना चाहता है.

सीआरपीएफ इंस्पेक्टर आतंकी हमले में शहीद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सोमवार को गश्ती दल पर आतंकवादियों की गोलीबारी में सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर शहीद हो गए. अधिकारियों ने बताया कि बसंतगढ़ के डुडू इलाके में अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे आतंकवादियों ने सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एसओजी पर गोलीबारी की. हमले में सीआरपीएफ की 187वीं बटालियन के एक इंस्पेक्टर को गोली लगी और बाद में अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई.

पूर्व सेना प्रमुख जनरल पद्मनाभन का निधन

चेन्नई। पूर्व सेना प्रमुख जनरल सुंदरराजन पद्मनाभन का चेन्नई में 83 साल की उम्र में निधन हो गया. जनरल पद्मनाभन को सैन्य हलकों में 'पैडी' के नाम से जाना जाता था. उन्होंने 30 सितंबर 2000 से 31 दिसंबर 2002 तक थल सेनाध्यक्ष के रूप में सेवाएं दी थीं. पांच दिसंबर 1940 को तिरुवनंतपुरम में जन्मे जनरल पद्मनाभन देहरादून स्थित राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज और पुणे के खडकवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के पूर्व छात्र थे.

सिद्धारमैया ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर कर उनके खिलाफ मुकदमे को मंजूरी देने से संबंधित राज्यपाल के आदेश को चुनौती दी. मुख्यमंत्री ने कहा कि मंजूरी आदेश वैधानिक आदेशों का उल्लंघन करते हुए और भारत के संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत बाध्यकारी संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत जारी किया गया है.

दर्द बयां कर झामुमो पर ही सवाल उठाये, अब जाएं तो जाएं कहां?

विकल्पों की तलाश में जुटे चंपाई सोरेन ने चुप्पी साधी

संजय सिंह। रांची

भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच रविवार की देर शाम पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने सोशल मीडिया पर दर्द बयां कर अपनी ही पार्टी झामुमो और उसके नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठाने के बाद चुप्पी साध ली है. भाजपा में शामिल होने के मुद्दे पर साफ-साफ तो कुछ कहते नहीं, लेकिन अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर इतना तो स्पष्ट कर दिया है कि अब झामुमो से उनकी राहें जुदा-जुदा ही हैं. रविवार को सोशल मीडिया पर खबरें वायरल होती रहीं कि चंपाई भाजपा में शामिल होनेवाले हैं. कभी दिन के तीन बजे, तो कभी शाम सात बजे भाजपा में शामिल होने की खबरें लगातार वायरल होती रहीं. लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं. रविवार दोपहर 12.15 बजे दिल्ली पहुंचे चंपाई की गतिविधियों के बारे में सोमवार को कोई भी खबर सामने नहीं आयी. हां, भाजपा के नेता यह जरूर कहते रहे कि चंपाई सोरेन झारखंड आंदोलन से निकले नेता हैं और उनके पांच महीने का कार्यकाल भी शानदार रहा है. लेकिन पार्टी में शामिल होने के सवाल पर सभी ने यही कहा कि उनसे कोई बातचीत नहीं हुई है. -शेष पेज 07 पर

भाजपा कोल्हान में खोयी जमीन तलाशने को बेचैन

भाजपा कोल्हान में अपनी खोयी जमीन तलाशने में जुटी है, लेकिन शीर्ष नेतृत्व को पार्टी में कोई ऐसा करिश्माई नेता नजर नहीं आ रहा, जो आनेवाले विधानसभा चुनाव में कोल्हान में भाजपा की चुनावी वैतरणी पार लगा सके. भाजपा की नजरों में कोल्हान में कांग्रेस में दम नहीं है. लगभग सभी आरक्षित सीटों पर झामुमो का ही कब्जा है. एक सीट कांग्रेस के पास जरूर है, लेकिन वह भी गीता-मधु की बदौलत ही है. ऐसे में भाजपा झामुमो विधायकों पर ही डोरे डाल रही है. झारखंड में भाजपा सबसे ज्यादा समय तक सत्ता में रही, लेकिन पार्टी नेतृत्व अपनी सरकार की तारीफ न कर चंपाई सोरने के पांच महीने के कार्यकाल की तारीफ कर रहा है, तो यह कहीं न कहीं इस बात का संकेत हैं कि चंपाई के साथ कुछ न कुछ खिचड़ी जरूर पक रही है.

बन्ना ने सीएम की तरफदारी में चंपाई को सत्तालोलुप बता दिया

इस बीच सरकार में शामिल कांग्रेस के मंत्री बन्ना गुप्ता ने चंपाई सोरेन को न सिर्फ ढेर सारी नसीहत दी है, बल्कि उन्हें सत्तालोलुप तक करार दिया है. बन्ना ने चंपाई के पार्टी के प्रति वफादारी पर सवाल खड़े कर दिए हैं. हालांकि बन्ना गुप्ता की नसीहत पर चंपाई सोरेन की ओर से कोई सफाई तो नहीं आयी है, लेकिन प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने चंपाई को मंझा हुआ राजनेता करार देते हुए कहा कि है कि वे अपनी राह चुनने में सक्षम हैं.

चंपाई व चंचल की चंचलता

सुरजीत सिंह

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन अभी तक भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं, पर झामुमो में वे रहेंगे, इसकी गुंजाइश नहीं दिखती. उन्होंने अपने सोशल मीडिया के बायो से झामुमो की पहचान हटा दी है. सरकार में मंत्री हैं, यह भी नहीं बताया है. वे दिल्ली पहुंचे हुए हैं. उनके साथ झामुमो के जिन विधायकों के नाम चर्चा में थी, उन्होंने खुल कर खुद को झामुमो के साथ रहने का ऐलान कर दिया है. कुल मिलाकर अब चंपाई सोरेन अकेले नजर आ रहे हैं. भाजपा में जाएंगे भी, तो शायद अकेले हीं. और अगर वह ऐसा करते हैं, तो उनकी वहां क्या हैसियत होगी, यह समझने और देखने वाला है.

झारखंड और कोल्हान में झामुमो की सांगठनिक पैठ और तीर कमान सिंबल की अहमियत के बारे में झामुमो के तमाम नेता जानते हैं. इसी साल हुए लोकसभा चुनाव में सीता सोरेन पाला बदलते हुए भाजपा में गयीं थी. भाजपा में शामिल होने से पहले सीता सोरेन ने परिवार और दल पर अपनी अनदेखी का आरोप भी लगाया. भाजपा ने सीता सोरेन को दुमका संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ाया, लेकिन वे हार गयीं. हारने के बाद सीता सोरेन ने भाजपा नेताओं पर ही असहयोग का आरोप लगाया. उधर सिंहभूम में कांग्रेस से भाजपा में शामिल होकर गीता कोड़ा भी चुनाव हार गयीं. झामुमो की जोबा मांझी से उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा. वोटरों ने दोनों को नकार दिया. वह भी तब, जब वोटरों के सामने भाजपा के सबसे बड़े ब्रांड नरेंद्र मोदी का चेहरा था.

टिप्पणी

यह सही है कि चंपाई सोरेन कोल्हान में सरायकेला से छह बार चुनाव जीते हैं, लेकिन इससे भी बड़ा सच यह है कि कोल्हान में उनके विधानसभा चुनाव से बाहर उनकी बिसात कमजोर है. ऊपर से उनके बेटों के कारनामे हैं, सो अलग. इनमें सबसे खास- चंचल और उसकी चंचलता चंपाई सोरेन के लिए सबसे घातक है. तह में झांकने का प्रयास करें, तो 'चंचल की चंचलता' ने ही चंपाई सोरेन को आज इन हालात तक पहुंचा दिया है. गौर कीजिए, हेमंत सोरेन जब जेल जा रहे थे, तब उन्होंने चंपाई सोरेन के नाम को आगे किया.

जाहिर है, हेमंत ने उन पर सबसे अधिक भरोसा जताया. बाद में हुआ क्या ? भरोसा टूटा कैसे? इन सबके पीछे 'चंचल की चंचलता' खासी चर्चा में हैं. झामुमो के लोग बताते हैं, चंपाई सोरेन के कार्यकाल में चंचल ने एक नयी लॉबी तैयार की.. इसमें किसी को दिक्कत नहीं थी. दिक्कत तब हुई, जब चंचलता बढ़ती चली गयी. -शेष पेज 07 पर

कोलकाता : ट्रेनी महिला डॉक्टर हत्याकांड

संजय रॉय का पॉलीग्राफी टेस्ट होगा, कोर्ट ने इजाजत दी

लगातार न्यूज नेटवर्क

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में देश भर के मेडिकल छात्रों और जूनियर डॉक्टरों में उबाल है. देश भर के अस्पतालों में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल और विरोध प्रदर्शन जारी है. इस बीच मामले में सीबीआई को आरोपी संजय रॉय का पॉलीग्राफी टेस्ट कराने की सीबीआई को इजाजत मिल गई है. इसको लेकर जांच एजेंसी ने सियालदह कोर्ट में याचिका दाखिल की थी.

सीबीआई ने आरोपी के पॉलीग्राफी टेस्ट के लिए कोर्ट में मांगी थी अनुमति

चौथे दिन भी डॉ संदीप घोष से सीबीआई के अफसरों ने पूछताछ की

कोर्ट ने अर्जी स्वीकार करते हुए आरोपी के पॉलीग्राफी टेस्ट की अनुमति दे दी. इससे पहले सीबीआई, एफएसएल टीम से आरोपी का मनोवैज्ञानिक टेस्ट करा चुकी है. इस जांच के जरिए आरोपी के दिमाग, उसके व्यवहार को समझने की कोशिश की गयी है. आरोपी से भी सीबीआई के अफसरों की पूछताछ जारी है. वहीं, अब पॉलीग्राफी टेस्ट से पता चल सकेगा कि आखिरी आरोपी कितना झूठ और कितना सच बोल रहा है. इधर, सोमवार को लगातार चौथे दिन सीबीआई के अफसरों ने मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ संदीप घोष से पूछताछ की. सीबीआई की जांच कई बिंदुओं पर चल रही है.

10 लाख के इनामी नक्सली रामदयाल ने सरेंडर किया

बेटे के कहने पर सरेंडर किया आधिकारिक पुष्टि नहीं, पीरटांड़ थाना के पीपराडीह का रहने वाला है नक्सली रामदयाल उर्फ बच्चन

संवाददाता। रांची/गिरिडीह

झारखंड के 10 लाख के इनामी नक्सली रामदयाल महतो ने आत्मसमर्पण कर दिया है. जानकारी के मुताबिक रामदयाल ने गिरिडीह पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है. हालांकि इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हो पायी है. रामदयाल महतो का आत्मसमर्पण कराने में उसके बेटे बैजनाथ महतो की खास भूमिका बतायी जा रही है.

चर्चा इस बात को लेकर भी है कि रामदयाल महतो ने मधुबन थाना इलाके में रविवार को ही आत्मसमर्पण किया है. इनामी और कुख्यात नक्सली रामदयाल महतो उर्फ बच्चन दा पीरटांड़ थाना क्षेत्र के पीपराडीह का रहने वाला है.

वह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहा था. रामदयाल नक्सली संगठन में जोनल कमेटी मेंबर है और पिछले कई वर्षों से वह पारसनाथ से लेकर टुंडी तक कई नक्सली घटनाओं को अंजाम दे चुका है.

रामदयाल पर 75 से अधिक मामले दर्ज हैं : पुलिस सूत्रों की मानें, तो रामदयाल महतो उर्फ बच्चन दा कई वर्षों से भाकपा माओवादी संगठन के लिए काम रह रहा है. उसका दस्ता पीरटांड़, निमियाघाट, मधुबन, डुमरी, टुंडी समेत कई इलाकों में कई बड़े नक्सल वारदातों को अंजाम दे चुका है. उसके खिलाफ विभिन्न थानों में करीब 75 से अधिक मामले दर्ज हैं. पुलिस लगातार उसकी गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग इलाकों में छापेमारी कर रही थी. लेकिन, पारसनाथ की भौगोलिक बनावट का फायदा उठा कर वह हमेशा पुलिस की नजरों से बचते आ रहा था.

कई बड़े नक्सलियों के साथ काम कर चुका है

रामदयाल महतो संगठन में शामिल कई बड़े नक्सलियों के साथ काम कर चुका है. इसमें प्रमुख रूप से एक करोड़ का इनामी नक्सली मिसिर बेसरा, प्रयाग मांझी, अनल दा उर्फ पतिराम मांझी, अजय महतो उर्फ टाइगर, कृष्णा हांसदा आदि शामिल है. कुछ माह पूर्व 25 लाख के इनामी नक्सली कृष्णा हांसदा की गिरफ्तारी के बाद पारसनाथ इलाके में संगठन की देखरेख वही कर रहा था और संगठन को मजबूत करने में जुटा था.

एनएमसी सर्वे मेडिकल छात्रों में असफलता का डर अहम मुद्दा, मन में आते हैं आत्महत्या के विचार

28% यूजी व 15% पीजी छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के एक कार्य बल के ऑनलाइन सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि मेडिकल के लगभग 28 प्रतिशत स्नातक (यूजी) और 15.3 प्रतिशत स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रों ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझते हैं. सर्वेक्षण में 25,590 स्नातक छात्र, 5,337 स्नातकोत्तर छात्र और 7,035 संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया. इसमें सलाह दी गई है कि रेजिडेंट डॉक्टर प्रति सप्ताह 74 घंटे से अधिक काम न करें, सप्ताह में एक दिन की छुट्टी लें और रोजाना सात से आठ घंटे की नींद लें. मेडिकल छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर राष्ट्रीय कार्य बल की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 12 महीनों में 16.2% एमबीबीएस छात्रों ने मन में स्वयं को नुकसान पहुंचाने या आत्महत्या करने के विचार आने की बात कही, जबकि एमडी/ एमएस छात्रों के मामले में यह संख्या 31% दर्ज की गई. कार्य बल ने इस सर्वे रिपोर्ट को जून में अंतिम रूप दिया. रिपोर्ट के मुताबिक, छात्रों में अकेलेपन या सामाजिक अलगाव की भावना आम है. 8,962 (35%) छात्र हमेशा या अक्सर इसका अनुभव करते हैं और 9,995 (39.1%) ने कभी-कभी इन भावनाओं से दो-चार होने की बात कही. सामाजिक संपर्क कई लोगों के लिए एक मुद्दा है, क्योंकि 8,265 (32.3%) को सामाजिक संबंध बनाने या बनाए रखने में मुश्किल होती है और 6,089 (23.8%) को यह कुछ हद तक कठिन लगता है.

तनाव भी एक बड़ी समस्या, शैक्षणिक भार का भी असर

सर्वे में शामिल लोगों में से 36.4% ने बताया कि उन्हें तनाव से निपटने के लिए ज्ञान और कौशल की कमी महसूस होती है. 18.2% लोगों ने फैकल्टी या परामर्शदाताओं से बहुत कम सहयोग मिलने की बात कही. इस सर्वेक्षण के अनुसार, 56.6% छात्रों ने अपने शैक्षणिक भार को संभालने योग्य, लेकिन अत्यधिक बताया. 20.7% छात्रों के मुताबिक, उन पर शैक्षणिक भार बहुत ज्यादा है. केवल 1.5 फीसदी छात्रों ने इसे हल्का बताया. सर्वेक्षण में पाया गया कि असफलता का डर यूजी छात्रों के बीच एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, जिसमें 51.6% सहमत या दृढ़ता से सहमत हैं कि यह उनके प्रदर्शन पर नकारात्मक असर डालता है. इसके अलावा, 10,383 छात्र यानी 40.6% लगातार शीर्ष ग्रेड प्राप्त करने का दबाव महसूस करते हैं.

व्यक्तिगत जीवन और शैक्षणिक कार्य के बीच संतुलन चुनौती

सर्वे के मुताबिक, 56.3% यूजी छात्र व्यक्तिगत जीवन और शैक्षणिक कार्य के बीच संतुलन बैठाने में संघर्ष महसूस करते हैं. मेडिकल पाठ्यक्रम से उत्पन्न तनाव एक महत्वपूर्ण कारक है, जिसमें 11,186 (43.7%) छात्रों ने इसे अत्यधिक, जबकि 9,664 (37.8%) छात्रों ने मध्यम रूप से तनावपूर्ण बताया. बार-बार परीक्षा लिए जाने को 35.9% छात्रों ने अत्यधिक तनावपूर्ण बताया और 37.6% के लिए यह मध्यम तनावपूर्ण है. वहीं, पीजी के 20% छात्रों ने माना कि उन्हें वर्तमान शैक्षणिक भार अक्सर चुनौतीपूर्ण लगता है. 9.5 प्रतिशत ने इसे बहुत ज्यादा तनाव पैदा करने वाला बताया, जबकि 32 प्रतिशत ने कहा कि वे इसे झेलने में सक्षम हैं. 45% पीजी छात्रों ने बताया कि वे सप्ताह में 60 घंटे से अधिक काम करते हैं.

76,293 करोड़ बकाया की वसूली कठिन : सेबी

एजेंसी। नयी दिल्ली

- पिछले साल की तुलना में 4% अधिक है बकाया राशि

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने 76,293 करोड़ रुपये बकाया राशि की वसूली को 'मुश्किल' की श्रेणी में रखा है. यह पिछले साल की तुलना में चार प्रतिशत अधिक है. इसमें से एक बड़ा हिस्सा अदालत के आदेश से नियुक्त समितियों के समक्ष लंबित मामलों के कारण है. बकाया राशि की वसूली कठिन है. यह ऐसी राशि है, जिनकी वसूली पुनरुद्धार के सभी उपायों को लागू करने के बाद भी नहीं हो पाई है.

सेबी ने 2023 की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा, वसूली में मुश्किल (डीटीआर) बकाया को अलग करना पूरी तरह से एक प्रशासनिक कार्य है. यह अधिकारियों को डीटीआर के रूप में अलग की गई राशि की वसूलने से नहीं रोकेगा. रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च, 2024 तक सेबी ने डीटीआर के रूप में 807 मामलों की पहचान की. इनपर कुल बकाया 76,293 करोड़ रुपये था. वहीं पिछले साल 73,287 करोड़ रुपये के 692 मामले थे. इन 807 मामलों में से 36 मामले राज्य की अदालतों, राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी), राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) में चल रही कार्यवाही के कारण लंबित हैं. इन मामलों में 12,199 करोड़ रुपये की राशि हैं. इसके अलावा 60 मामले अदालत द्वारा गठित समितियों के समक्ष हैं, जिनमें 59,970 करोड़ शामिल हैं.

झारखंड में एक करोड़ और 25 लाख के इनामी नक्सलियों में बचे हैं सिर्फ 10

संवाददाता। रांची

झारखंड में एक-एक कर इनामी नक्सलियों की संख्या कम होती जा रही है. वर्तमान में एक करोड़ और 25 लाख रुपये के इनामी सिर्फ 10 नक्सली बचे हैं. पूरे इनामी नक्सलियों की संख्या की बात की जाये, तो यह संख्या अब सिर्फ 66 रह गयी है. सुरक्षाबलों के द्वारा लगातार चलाये जा रहे अभियान से यह संभव हो पाया है.

पश्चिमी सिंहभूम अति माओवाद प्रभावित जिले की सूची में : केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक, झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह, गुमला, लातेहार, लोहरदगा माओवाद प्रभावित जिले हैं. इनमें पश्चिमी सिंहभूम को अति माओवाद प्रभावित जिले की सूची में रखा गया है. जबकि शेष चार नक्सल प्रभाव वाले जिलों गिरिडीह, गुमला.

सात जिलों के 18 थाना क्षेत्रों में अभी भी नक्सलियों का प्रभाव

पलामू : मोहम्मदगंज, हरिहरगंज, पांकी.
चतरा : लावालौंग.
लातेहार : चंदवा, नेतरहाट.
लोहरदगा : कैरो, जोबांग.
हजारीबाग : कटकमसांडी, केरेडारी.
गिरिडीह : डुमरी, पीरटांड़
चाईबासा : टोंटो, छोटानागरा, जाराईकेला, गोईलकेरा, टेबो, कराईकेला

लातेहार व लोहरदगा को डिस्ट्रिक्ट आफ कंर्सन (डीओसी) की सूची में रखा गया है.

झारखंड में बचे सिर्फ 66 इनामी नक्सली

एक करोड़ के इनामी नक्सली: मिसिर बेसरा, असीम मंडल, अनल दा और प्रयाग मांझी.
25 लाख के इनामी नक्सली: करमचंद हांसदा, लालचंद्र हेंब्रम, रघुनाथ हेंब्रम, अजय महतो, ब्रजेश गंझू, सहदेव सोरेन.
15 लाख के इनामी नक्सली: मेहनत, संजय महतो, छोटू खेरवार, मार्टिन केरकेट्टा, आक्रमण गंझू, नितेश यादव, रविंद्र गंझू, अमित मुंडा, बेला सरकार, रणविजय महतो, मदन महतो.
दस लाख के इनामी नक्सली: आरिफ जी, मृत्युंजय जी, पप्पू लोहरा, मनोहर गंझू, साहेबराम मांझी, विवेक यादव, गोदराय यादव, कुंदन खेरवार.
पांच लाख के इनामी नक्सली: बिरसेन गंझू, रंथु उरांव, गुलशन मुंडा, सहदेव महतो, रविंद्र यादव, लवलेश गंझू, जयंती, प्रभात मुंडा, मनीष यादव, अनिल तुरी, शिवराज सिंह, शिव सिंह
दो लाख के इनामी नक्सली: पंकज कोरवा, कुंवर मांझी, वीरेन सिंह, बलराम लोहरा, सागेन अंगरिया, करीम जी, जितेंद्र सिंह, कृष्णा यादव, राजू भुइया,
एक लाख के इनामी नक्सली: राहुल चंपिया, सुलेमान हांसदा, फिरोज अंसारी, वीरेंद्र गंझू, सैमुएल बुड, पांचा उरांव, मीता, सहेंद्र यादव, लक्षण राय, अमोज मोदक, गुलशन उरांव, बबलू, राजू यादव, बाबूलालजी.

आत्मसम्मान को गिरवी रख कर सरकार को तोड़ने का कर रहे थे काम

चंपाई अपनी करनी पर पछतावा कर छिपा रहे हैं मुंह : बन्ना गुप्ता

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के पोस्ट पर कई सवाल खड़े किए हैं. चंपाई के पत्र के जवाब में मंत्री बन्ना गुप्ता ने भी एक पत्र जारी किया है. पत्र में लिखा है- झारखंड का इतिहास जब भी लिखा जाएगा, चंपाई सोरेन का नाम विभीषण के रूप में दर्ज होगा. जिस पार्टी और माटी ने उनको सबकुछ दिया, उसको ठुकरा कर, अपने आत्मसम्मान को गिरवी रख कर वे सरकार को तोड़ने का काम कर रहे थे. लेकिन समय रहते जब चीजें सामने आ गईं, तो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं, जबकि हकीकत ये है कि वे अपनी करनी पर पछतावा कर रहे हैं और मुंह छिपा रहे हैं.

चंपाई दा ने राज्य को मौकापरस्ती के दलदल में झोंकना चाहा : बन्ना ने पत्र में कहा है कि आदरणीय गुरुजी ने एक साधारण व्यक्ति को जमशेदपुर से निकाल कर पहचान दी. उनको मान सम्मान दिया, हर संभव मदद की. पार्टी में अपने बाद का ओहदा दिया. जब-जब जेएमएम की सरकार बनी, उसमें मंत्री बनाया. सांसद का टिकट दिया. हर निर्णय का सम्मान किया.लेकिन उसके बदले चंपाई दा ने राज्य को मौकापरस्ती के दलदल में झोंकना चाहा.हेमंत सोरेन जब जेल जाने लगे, तो उन्होंने सभी सत्ता पक्ष के विधायकों से चंपाई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाने की बात कही, तो हम सभी ने उनकी बात मान ली. जब खुद के मुख्यमंत्री बनने की बात थी, तो यह निर्णय चंपाई दा को बुरा नहीं लगा. प्रोटोकॉल के विरुद्ध नहीं लगा, तानाशाही नहीं लगी?

हर विभाग में चंपाई सोरेन का हस्तक्षेप था, हर मंत्रालय में वे खुद लेने लगे थे निर्णय : जब हेमंत जेल से बाहर आ रहे थे, तो चंपाई सोरेन कैबिनेट की बैठक में व्यस्त थे.चंपाई दा तो अकेले निर्णय लेने में व्यस्त थे. उस समय तो कांग्रेस समेत झामुमो के मंत्रिमंडल के साथियों ने भी कैबिनेट में बात उठाई थी.हर विभाग में उनका हस्तक्षेप था, हर मंत्रालय में वे खुद निर्णय लेने लगे थे.तब उनको नेतृत्व में तानाशाही महसूस नहीं हुआ. बन्ना ने आरोप लगाया कि जब पार्टी और गठबंधन बुरे दौर से गुजर रहे थे, तो वे भाजपा नेताओं से अपनी सेटिंग बैठा रहे थे. जब हमारे नेता जेल में थे, तो केंद्र सरकार की कानून बदलने वाली योजना को हर अखबार के प्रमुख पन्नों में अपनी फोटो के साथ छपवा कर कौन सा गठबंधन धर्म निभा रहे थे? जबकि इंडिया गठबंधन देश में इसका विरोध कर रहा था. लेकिन चंपाई दा भाजपा और इसके नेताओं से अपना पीआर बढ़ाने में लगे थे. भाजपा नेतृत्व को खुश करने में लगे हुए थे.

जिस दिन हेमंत जेल से बाहर आये, उसी दिन दे देना चाहिए था इस्तीफा : सच तो ये ही कि जिस दिन हेमंत सोरेन जेल से बाहर आये थे, आपको नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए था. जब हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तो एक मुख्यमंत्री बनने के बाद भी आप मंत्री पद मांगने की जिद करने लगे.जबकि आपको कुर्सी का मोह नहीं होता, तो कई सीनियर नेता थे. कोल्हान में रामदास सोरेन थे, दशरथ गगराई थे, कई लोग थे, जिन्हें आप अपना मंत्री का पद दे सकते थे. लेकिन आप तो मंत्री बनने के लिए नाराज तक हो गए थे. यदि किसी ने कुर्बानी दी तो वे है बसंत सोरेन.

मीडिया मैनेजमेंट के बहाने झामुमो के समर्पित विधायकों का नाम उछलवा दिया : आज जब भाजपा में आपकी दाल नहीं गली, बाबूलाल मरांडी आपके भाजपा में ज्वाइनिंग का विरोध कर रहे हैं, तो आप ऑप्शन चुनने लगे. आपके पास एक ही ऑप्शन था, जो आपने गंवा दिया. वो था मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गद्दी सौंपना और झामुमो को मजबूत करना. लेकिन अफसोस की आपने रातों-रात अपने घर और गांव से झामुमो का झंडा उतार कर गायब करवा दिया. लोबिन दादा को मनाने के बजाय उकसा कर गलत बयान दिलवा दिया. मीडिया मैंनेजमेंट के बहाने झामुमो के मजबूत और समर्पित विधायकों का नाम उछलवा दिया कि वे आपके साथ हैं?

आप संन्यास नहीं लेंगे, क्योंकि आप सत्ता लोभी हैं : हद तो तब हो गई जब कोलकाता होते हुए दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे और आप कहने लगे हम जहां हैं, वही हैं. मतलब जेएमएम में हैं, सरकार के साथ हैं. लेकिन जब भाजपा नेतृत्व ने आपको ठुकरा दिया तो सोशल मीडिया पर इमोशनल कार्ड वाला बयान दिया. सच बोलूं तो ये आपका और झामुमो का मामला है. लेकिन ये सरकार का भी मामला है. गठबंधन का मामला भी है. नैतिकता का मामला भी है. झारखंड की जनता से भी जुड़ा मामला है. इसलिए मैं आपको कहना चाहता हूं कि भ्रम में मत रहिए. झारखंड की जनता आपको समझ चुकी है, जान चुकी है. आप संन्यास नहीं लेंगे, क्योंकि आप सत्तालोभी हैं. पार्टी या सरकार के विधायक नहीं तोड़ सकते, क्योंकि सभी मजबूती से गुरुजी और हेमंत बाबू के साथ खडे हैं. तीसरा ऑप्शन नए साथी की तलाश. तो यदि भाजपा आपको साथ लेती भी है, तो बहुत उदाहरण हैं, जिसने पार्टी या सरकार के साथ गद्दारी की उसका क्या हुआ?

झारखंड का सम्मान भाजपा के हाथों गिरवी रखने का काम किया : जब विधायक दल की बैठक में गठबंधन के विधायकों का समर्थन ब्लैंक पेपर पर लेकर आपका नाम लिख दिया गया, तब आपको नहीं लगा था के ये तानाशाही है. हां, एक बात और हेमंत सोरेन के पास बसंत सोरेन और कल्पना सोरेन का ऑप्शन था. पर आप पर भरोसा जताया था. लेकिन आपने सिर्फ अपने स्वार्थ, सत्ता की भूख और ईगो के कारण झारखंड का सम्मान भाजपा के हाथों गिरवी रखने का काम किया है. बन्ना ने कहा- एक बात और है, कोल्हान एवं झारखंड की जनता, हर एक विधायक, मंत्री और इंडिया गठबंधन का हर कार्यकर्ता गुरुजी शिबू सोरेन, हेमंत सोरेन, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे एवं गुलाम अहमद मीर के साथ खड़ा है.

अनुकंपा के आधार पर मिली कुर्सी को अधिकार समझने लगे

चंपाई दादा, 2019 का चुनाव आपके चेहरे पर नहीं बल्कि हेमंत बाबू के चेहरे पर लड़ा गया था और ये जनादेश हेमंत बाबू और गुरुजी को मिला था. लेकिन अनुकंपा के आधार पर मिली कुर्सी को आप अधिकार समझने लगे. सच तो ये है कि आप सत्ता के लोभी हैं. तभी तो जब जब झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार बनी, तो आपने मंत्री का पद मांगा. आपको मिला भी. आपने सांसद का टिकट मांगा. आपको मिला. पार्टी में भी बड़ा सम्मान मिला. लेकिन आपको सम्मान पचा ही नहीं.

कोई न कभी आपके साथ था और न कभी रहेगा...

हमलोग झारखंडी हैं. जब रिश्ता बनाते हैं, तो दिल से. स्वार्थ से नहीं. आपने सिर्फ पार्टी को नहीं बल्कि झारखंड की माटी को भी धोखा दिया है. झारखंड के शहीदों का अपमान किया है. झारखंड की माटी को बेचने का काम किया है. इसलिए आज आप अकेले हैं. कोई न कभी आपके साथ था और न कभी रहेगा...

हेमंत सोरेन ने बड़ा दिल दिखाया और चंपाई पर भरोसा जताया : डॉ इरफान

रांची। राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने चंपाई सोरेन प्रकरण पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा है कि सीएम हेमंत सोरेन ने बड़ा दिल दिखाया और चंपाई सोरेन पर भरोसा जताया.चंपाई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाने का काम किया. जब वे जेल गए, तब भी चंपाई सोरेन पर विश्वास किया. वे चाहते तो बसंत सोरेन, कल्पना सोरेन या किसी और को सीएम बना सकते थे.इरफान ने यह भी कहा कि जब हेमंत सोरेन जेल से बाहर आए तो चंपाई सोरेन को चाहिए था कि वे उनके पैर पर इस्तीफा रख देते. यह भी कहा कि भाजपा के बहकावे में चंपाई सोरेन नहीं आने वाले. वे अपनी पार्टी के साथ गद्दारी नहीं कर सकते हैं. सरकार की सेहत पर कोई खतरा नहीं है. गठबंधन दल में टूट की भी कोई संभावना नहीं है.

चाटुकारिता में बन्ना गुप्ता शब्दों की मर्यादा भी भूल गए: शाहदेव

- बन्ना गुप्ता ने हेमंत सरकार को बताया रावण राज
- कांग्रेस बताए कब तक कुंभकर्ण बनी रहेगी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा ने मंत्री बन्ना गुप्ता द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को विभीषण कहने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है. प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा कि बन्ना गुप्ता अगर पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को विभीषण बता रहे हैं तो यह स्पष्ट हो गया कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल रावण राज के समान है. जाने अंजाने बन्ना गुप्ता ने सच्चाई बताते हुए वर्तमान हेमंत सोरेन सरकार की तुलना रावण राज से कर दी है. चाटुकारिता में बन्ना गुप्ता शब्दों की मर्यादा को भूल गए और कोल्हान के एक जमीन से जुड़े कद्दावर आदिवासी नेता का अपमान कर रहे हैं. प्रतुल ने कहा कि इसके पहले भी बन्ना गुप्ता अपनी विवादास्पद कार्यों और टिप्पणियों के कारण जाने जाते रहे हैं.

वर्तमान में रावण राज जैसे हालात : वर्तमान में राज्य में रावण राज जैसे हालात हैं. पिछले पौने 5 वर्षों में 7000 से ज्यादा बेटियों की इज्जत लूटी गई. 7000 से ज्यादा हत्याएं हुई। हजारों लूट और अपहरण की घटनाएं हुईं. विधि व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई. ग्रामीण क्षेत्रों में नक्सलियों का तांडव हो रहा है.शहरी क्षेत्र में संगठित आपराधिक गिरोह वकील, नेता, पुलिसकर्मी और आम जनों की हत्याएं कर रहे हैं. प्रतुल ने कहा कि इस रावण राज के खात्मे के लिए और धर्म की रक्षा करने के लिए अगर कोई सिस्टम पर प्रश्न खड़ा करता है, जैसा चंपई सोरेन ने किया तो उनको बन्ना गुप्ता जैसे लोगों के द्वारा टारगेट करवाया जाता है.

पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल : पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है, लेकिन कांग्रेस सिर्फ मंत्री पद और ब्रीफकेस के लालच में सत्ता में लगातार बने रहने के लिए सरकार को समर्थन जारी रख रही है. कांग्रेस को बताना चाहिए कि वह कब तक इस रावण राज में कुंभकर्ण बन कर सोई रहेगी? सिर्फ सत्ता और पैसे के लालच में कांग्रेस वर्तमान में कुंभकर्णी निंद्रा में सोई हुई है. वैसे भी बन्ना गुप्ता तो वैसे मंत्री रहे हैं जिन्होंने अपनी कलम से खुद को कोरोना वॉरियर के रूप में पुरस्कृत किया था. कोल्हान के आदिवासी बेटे का अपमान का फल तो इस पूरे सरकार और सत्ताधारी विधायकों को आगामी विधानसभा चुनाव में चुकाना होगा. सोरेन डायनेस्टी के बाहर का कोई भी आदिवासी नेता फैमिली को पचता ही नहीं है. उस पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आक्रमण शुरू हो जाता है. चंपाई सोरेन प्रकरण में झामुमो के भीतर की घटिया राजनीति पूरे तरीके से जनता के सामने एक्सपोज हो गई है.

राज्य के छोटे और सीमांत किसानों को 90% सब्सिडी पर मिलेगा जोड़ा बैल

- कृषि-पशुपालन विभाग ने बैलों की खरीद के जारी किया रिक्वेस्ट ऑफ प्रपोजल
- प्रति बैल की खरीदारी 20 हजार रुपये की दर से की जाएगी

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य सरकार छोटे और सीमांत किसानों को 90 फीसदी अनुदान पर जोड़ा बैल देगी. वित्तीय वर्ष 2024-25 में बैलों की खरीद के लिए कृषि-पशुपालन विभाग ने रिक्वेस्ट ऑफ प्रपोजल जारी कर दिया है. इसके तहत आपूर्तिकर्ता एजेंसी को पांच सितंबर को अपराह्न तीन बजे तक दस्तावेज जमा करना होगा. छह सितंबर को अपराह्न तीन बजे टेंडर खोला जाएगा. विभाग के अनुसार, छोटे किसानों को खेती करने के लिए बैल की आवश्यकता और कृषि कार्य में उन्नति लाने के उद्देश्य से यह योजना लायी गई है. जिससे कि किसानों को कम लागत में खेती कार्य में सहयोग व अधिक मुनाफा हो सके.

क्षेत्रीय उपयोजना के तहत किस जिले में कितने लाभुकों को जोड़ा बैल वितरण का है लक्ष्य

जिला	लाभुक की संख्या
गढ़वा	41
पलामू	51
चतरा	38
हजारीबाग	50
कोडरमा	27
गिरिडीह	80
देवघर	98
धनबाद	48
बोकारो	51
रामगढ़	31
गोड्डा	40

जनजातीय उपयोजना के तहत कितने लाभुकों को जोड़ा बैल वितरण का है लक्ष्य

जिला	लाभुक की संख्या
लोहरदगा	29
साहिबगंज	35
पाकुड़	32
दुमका	95
जामताड़ा	30
लोहरदगा	20
गुमला	40
खूंटी	28
रांची	77
सिमडेगा	24
चाईबासा	55
सरायकेला	39
जमशेदपुर	51

आपूर्तिकर्ता को इन शर्तों का करना होगा पालन

बैल की उम्र 2 से 3 वर्ष होनी चाहिए.
बैल रोग मुक्त, एचएस एंड बीओ, एफएमडी रोग से बचाव के लिए टीकाकृत होना चाहिए.
जोड़ा बैल वितरण से पूर्व स्वास्थ्य संबंधित जिला के पशु चिकित्सक द्वारा जांच की जाएगी.
योजना 90% अनुदान पर संचालित होगी.
लाभुक को 10% राशि अपने स्तर से देनी होगी.
जोड़ा बैल (प्रति बैल अधिकतम 20,000 रुपये की दर से) 40,000 रुपए में खरीदी जाएगी.

पूर्वजों के सपनों को साकार कर रहा है झामुमो : कल्पना

रांची । गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने कहा है कि झामुमो सभी को उसका हक अधिकार दिलाने के पूर्वजों के सपनों को साकार करने के माग्र पर बढ़ रही है. वह सोमवार को रक्षाबंधन के अवसर पर बोल रही थीं. उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य बनने के आंदोलन में न जाने कितने आंदोलनकारियों ने अपने सपनों की आहुति दी है. उन सपनों का एक बड़ा उद्देश्य यह था कि हर व्यक्ति को वह सम्मान और अधिकार मिले जिसके वे हकदार हैं, इसी सोच के साथ झामुमो ने राजनीति में अपने कदम जमाये. ताकि राज्य की हर महिला और बेटी को वह हक और इज्जत मिले.

बिजली वितरण निगम की पहल...उपभोक्ताओं से किया मोबाइल अपडेट करने का आग्रह

व्हाट्सऐप नं. 9431135503 पर मिलेगी बिल की जानकारी

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम ने बिजली उपभोक्ताओं को एक अहम सुविधा उपलब्ध कराई है. निगम ने एक व्हाट्सएप नंबर 9431135503 जारी किया है, जिससे बिजली बिल की अद्यतन जानकारी मिलेगी.साथ ही किसी भी तरह की समस्या होने पर टॉल फ्री नंबर 1912 के अलावा 18003456570 और 0651-2710002 पर संपर्क किया जा सकता है. बताते चलें कि

वितरण निगम सितंबर से नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है.इसके तहत स्मार्ट मीटर प्रीपेड हो जाएंगे.

उपभोक्ताओं से मोबाइल अपडेट करने का अग्राह : बिजली वितरण निगम ने राज्यभर के बिजली उपभोक्ताओं से अपने मोबाइल को अपडेट करने का आग्रह किया है. अगर किसी तरह की समस्या हो, तो उपभोक्ता अपने नजदीक के बिजली ऑफिस में अपना मोबाइल नंबर अपडेट करवा सकते हैं, जिससे उपभोक्ताओं को एसएमएस और व्हाट्सएप के जरिे बिजली से जुड़ी समस्याओं की जानकारी मिल सकेगी.

क्या चल रहा है वितरण निगम का प्रोजेक्ट : रांची और धनबाद में स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है.
रांची में अब तक लगभग 2.61 लाख प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं.
धनबाद में लगभग 27 हजार प्रीपेड स्मार्ट मीटर लग चुके हैं.
अब नई बिलिंग प्रक्रिया के माध्यम से प्रीपेड मोड में काम करेगा.
वितरण निगम की तरफ से उपभोक्ताओं को बिजली कनेक्शन कटने से पहले एसएमएस के माध्यम से उपलब्ध बैलेंस की जानकारी मिलेगी.

रवि मुंडा बने भाजपा एसटी मोर्चा के रांची महानगर अध्यक्ष

रांची। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा का रांची महानगर अध्यक्ष रवि मुंडा को बनाया गया है. अध्यक्ष बनाये जाने पर चडरी सरना समिति ने उन्हें बधाई देते हुए उम्मीद जतायी कि मुंडा के जिम्मेवारी संभालने से भाजपा और मजबूत होगी. रवि मुंडा ने भी कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए जो भी कार्य मुझे सौंपा जाएगा, उसे मैं अच्छी तरह से करने का प्रयास करूंगा.

क्लासिफाइड

उठाये सवाल | रांची में प्रतिमाह हो रही हैं 20 दुष्कर्म की घटनाएं

रांची दुष्कर्म के मामले में अव्वल : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि रांची में दुष्कर्म की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं. रांची सहित पूरे प्रदेश में महिलाएं डर के साए में रहने को विवश हैं. ट्वीट में आगे लिखा है कि सोचिए ये हाल अगर राजधानी रांची का है, तो अन्य जिलों और शहरों का हाल और कितना भयावह होगा. राजधानी रांची में 2022 में 190 महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं घटी, जो 22% की वृद्धि के साथ 2023 में 232 तक जा पहुंची. इस साल में जून तक ही यानी महज 6 महीने में महिलाओं के साथ अपराध की संख्या 113 तक पहुंच गई है. दुष्कर्म की घटनाओं का औसत निकालें तो प्रतिमाह 20 दुष्कर्म की घटनाएं घटित हो रही हैं. लेकिन हेमंत सरकार को इसके बाद भी महिला सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है.

असंवेदनशील है हेमंत सरकार : हेमंत सरकार में महिलाओं के साथ जिस तरह से रेप और दुष्कर्म की घटनाओं में बाढ़ आई है, उससे यह साफ स्पष्ट हो जाता है कि खुद को संवेदनशील कहने वाली यह सरकार, महिला सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामले में कितनी असंवेदनशील है!

बांग्लादेशी मुसलमानों का घुसपैठ बड़ा खतरा

बाबूलाल ने दूसरे ट्वीट में कहा है कि आदिवासी समाज के लिए बांग्लादेशी मुसलमानों का घुसपैठ बड़ा खतरा बन चुका है. हालिया कुछ सालों में संथाल परगना के 6 जिलों की डेमोग्राफी में अस्वभाविक बदलाव देखने को मिला है. अचानक मुसलमानों की जनसंख्या में भारी वृद्धि आई है, घुसपैठियों के अनगिनत टोले बस चुके हैं. संथाल परगना में आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान और परंपराएं खतरे में आ चुकी हैं. बांग्लादेशी मुसलमान फर्जी कागजात बनाकर आदिवासियों की जमीनें हड़प रहे हैं. मुस्लिम वोट बैंक के लालच में झामुमो और कांग्रेस आदिवासी समाज को अल्पंख्यक बनाने की साजिश में लगे हुए हैं. झारखंड की नैसर्गिक पहचान और आदिवासी समाज की विरासत को बचाए रखने के लिए अब बांग्लादेशी मुसलमानों के साथ-साथ झामुमो और कांग्रेस को भी राज्य की सत्ता से उखाड़ फेंकना है.

ओडिशा के राज्यपाल पहुंचे रांची, बंधवाई बहनों से राखी

रांची। ओडिशा के राज्यपाल व झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास सोमवार को रक्षाबंधन के अवसर पर जमशेदपुर पहुंच कर अपनी बहनों से राखी बंधवा कर उनका आशीर्वाद लिया. इस अवसर पर ओडिशा के राज्यपाल के दोनों भाई भी मौजूद थे. उन्होंने समस्त देशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी. साथ ही अपनी बहनों की रक्षा का प्रण लेने का संकल्प दिलाया. राज्यपाल ने कहा कि रक्षाबंधन पवित्र धागों की एक ऐसी डोर है, जो भाई-बहन के प्यार को दर्शाती है. यह दिन अपनी बहनों की रक्षा का संकल्प लेने का दिन है. जो भाई-बहन के अटूट प्रेम को दर्शाता है. वहीं राज्य के बदलते सियासी घटनाक्रम के प्रश्न पर उन्होंने कुछ नहीं कहा.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, मंगलवार 20 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण प्रतिपदा, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 132 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

रक्षाबंधन

रांची के बरियातू रोड स्थित एक घर में भाई की कलाई में रक्षा सूत्र बांधती बहनें.

अंतिम सोमवारी

सावन की अंतिम सोमवारी पर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़.

ब्रीफ खबरें

लातेहार की युवती ने कर्नाटक में फांसी लगायी

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के परसही पंचायत के जलता ग्राम निवासी सरयू भुईयां की 16 वर्षीय पुत्री नीलम कुमारी ने कर्नाटक में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली. वह अपने माता पिता के साथ उपी नगड़ी में रह कर मजदूरी का काम करती थी. रविवार की रात करीब आठ बजे उसने फांसी लगा ली. पिता सरयू भुईयां ने बताया कि रविवार की शाम वह सामान की खरीदारी करने बाजार गये थे और पत्नी खाना बना रही थी. इसी दौरान उनकी बेटी ने दूसरे कमरे मे फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली. जब वह बाजार से लौटकर बेटी का कमरा खोला तो वह फांसी के फंदे से झूल रही थी.

निर्माण स्थल पर धमकानेवाला धराया

रांची। निर्माण कार्य में लगे कर्मी को हथियार दिखा कर धमकी देनेवाले अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया. पुलिस टीम ने बुंडू थाना क्षेत्र के पुराना बाजार टोली निवासी श्रवण कुमार दास को गिरफ्तार किया है. उसके पास से एक पिस्तौल और चाकू भी बरामद किया गया है. सोमवार को ग्रामीण एसपी ने बताया कि रविवार को गुप्त सूचना मिली थी कि बुंडू थाना क्षेत्र के पुराना बाजार टोली में बड़ा तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य में लगे कर्मचारी को अपराधी द्वारा पिस्टल और चाकू का भय दिखाया जा रहा है.

अनुमंडलीय अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ी, उल्टी दस्त की शिकायत

हुसैनाबाद के आधा दर्जन गांवों में डायरिया का प्रकोप बढ़ा

गांवों में कैंप कर रहा है चिकित्सक दल, हालात पर नजर

आंगनबाड़ी केंद्र व सहिया को भी उपलब्ध करायी है दवा

संवाददाता। हुसैनाबाद (पलामू)

अनुमंडल क्षेत्र के आधा दर्जन गांवों में डायरिया का प्रकोप बढ़ता जा रहा है. हुसैनाबाद अनुमंडल अस्पताल में भाई बीघा, बहेरा, हरिजन बीघा, कजरत नावाडीह सहित कई गांव के डायरिया ग्रसित मरीजों का इलाज किया जा रहा है. दर्जनों लोग उल्टी व दस्त से पीड़ित हैं. फिलहाल, अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में एक दर्जन लोगों का इलाज चल रहा है. वहीं, अस्पताल में इलाज के बाद कई मरीजों के स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज किया गया है.

डायरिया के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के संबंधित गांवों में मेडिकल टीम को रवाना कर दिया गया है. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विनेश कुमार ने बताया कि जिस गांव से शिकायत मिल रही है, वहां चिकित्सा दल भेजा जा रहा है. उन्होंने बताया कि कुछ दवा आंगनबाड़ी केंद्र व सहिया को भी उपलब्ध करायी गयी है. आपात स्थिति में ग्रामीण स्थानीय आंगनबाड़ी या स्वास्थ्य सहिया से मिल सकते हैं. उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त स्लाइन व संबंधित दवाएं उपलब्ध हैं. अलग अलग क्षेत्र के लिए अलग अलग चिकित्सा दल गठित किया गया है.

डॉ विनेश गांव से शिकायत मिलने पर दल वहां पहुंच कर ग्रामीणों को उपचार के साथ खाने पीने संबंधित सलाह देने का काम कर रहा है. किसी तरह की परेशानी आती है, तो नजदीक के अस्पताल, आंगनबाड़ी या स्वास्थ्य सहिया से संपर्क कर सकते हैं. अस्पताल में स्लाइन या दवा की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी. ग्रामीणों को आपात स्थिति के लिए कुछ जरूरी दवाएं भी दी गई हैं.

हुसैनाबाद अनुमंडल अस्पताल में इलाजरत डायरिया पीड़ित.

चिकित्सक दल से अपडेट ले रहे हैं : एसडीओ

हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी सह आईएएस पीयूष सिन्हा चिकित्सक दल से पलपल की अपडेट ले रहे हैं और उन्हें दिशा-निर्देश भी दे रहे हैं. उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि उमस भरी गर्मी में डायरिया पीड़ित की संख्या में इजाफा होती है. इसलिए, डायरिया से बचाव के मद्देनजर, गर्म भोजन के साथ उबाला हुआ पानी का सेवन करें. उन्होंने लोगों से कहा है किबासी खाना के साथ ठेला व होटलों में तरल पदार्थ का उपयोग नहीं करें.

राणाडीह गांव में एक दिन पूर्व बच्ची की हुई थी मौत

हुसैनाबाद अनुमंडल के हैदरनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत राणाडीह गांव में भी डायरिया का प्रकोप है. यहां दर्जन भर लोग आक्रांत है. हुसैनाबाद एसडीओ के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम रानाडीह गांव में भी कैंप कर रही है. बता दें कि डायरिया से ग्रसित इसी गांव की 10 साल की एक बच्ची की रविवार को मौत हो गई थी. इस गांव के डायरिया पीड़ित लोगों में पूनम कुमारी, राजकुमार राम, सोनी कुमारी, तिलेश्वरी देवी, सरस्वती देवी, विकास पासवान, सुषमा कुमारी, संजू देवी, उषा देवी, चनारिक राम समेत अन्य शामिल हैं. इनमें चार की हालत खराब देखते हुए रविवार को ही इन्हें एंबुलेंस से ही अस्पताल लाया गया था. यहां चारों को डॉक्टर उपचार कर रहे हैं और अब इनकी सेहत में सुधार बताया जा रहा है.

झारखंड के लाल शशि शेखर ने नाम रोशन किया

यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रुस पर फहराया तिरंगा झंडा

बसंत मुंडा। रांची

झारखंड के पर्वतारोही शशि शेखर ने 17 अगस्त को यूरोप की सबसे ऊंची चोटी, माउंट एल्ब्रुस (5,642 मीटर) पर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में तिरंगा फहराया. रूस के कॉकस पर्वत श्रृंखला में स्थित इस पर्वत पर चढ़ाई कर उन्होंने एक नई उपलब्धि हासिल की और झारखंड का नाम रोशन किया है. शशि शेखर झारखंड के गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो के पुत्र हैं.

उन्होंने अपना अभियान 13 अगस्त को रांची की एडवेंचर कंपनी लंबादा एडवेंचर्स के साथ शुरू किया. इसकी शुरुआत ट्रेक्सोल से हुई, जहां से आगे गारबशी (3,800 मीटर) में रुक कर उन्होंने अपनी एक्लिमेटाइजेशन पूरी की और फिर मारिया शेल्टर (4,200 मीटर) तक का सफर किया. वहां उन्होंने मौसम साफ होने का इंतजार किया और 17 अगस्त को समिट पुश के लिए निकल पड़े. हालांकि उस दिन भी तेज हवा चल रही थी. इसके बावजूद वे 17 अगस्त की सुबह करीब आठ बजे यूरोप की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंच गए.

शशि शेखर की पूर्व की उपलब्धियां : उनकी पूर्व की उपलब्धियों में विश्व के सबसे ऊंची छोटी माउंट एवरेस्ट के बालकनी (8,430 मीटर/ 27,657फीट) तक का सफर, नेपाल स्थित माउंट लोबुचे (6,199 मीटर/ 20,075 फीट) पर झंडा लहराना और माउंट मनिरंग (5,758 मीटर/ 19,000 फीट) के समिट कैंप तक की अभियान शामिल है. उन्होंने अपने पर्वतारोहण के सफर की शुरुआत बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स (बीएमसी) से की, जहां उन्हें एनआईएमएएस द्वारा अरुणाचल प्रदेश के 16,500 फीट गोरीचेन ग्लेशियर में माउंटेनियरिंग ट्रेनिंग प्राप्त हुई. इसके बाद, उन्होंने दार्जिलिंग में स्थित हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टिट्यूट से एडवांस माउंटेनियरिंग कोर्स (एएमसी) की ट्रेनिंग उत्तीर्ण की और 17,600 फीट स्थित कब्रू साउथ कैंप तक का सफर किया. इसके अतिरिक्त, उन्होंने एनआईएमएएस अरुणाचल प्रदेश से सर्च एंड रेस्क्यू कोर्स पूरा किया. जिसमे उन्होंने विषम परिस्थिति में खुद को और दूसरो को रेस्क्यू करने का प्रशिक्षण प्राप्त किया.

गोमिया के शशि शेखर ने पर्वतारोहण के प्रति समर्पण को साबित किया

शशि शेखर ने इस साहसिक यात्रा के दौरान अपनी शारीरिक और मानसिक ताकत को परखा और पर्वतारोहण के प्रति अपने समर्पण को साबित किया. माउंट एल्ब्रुस पर चढ़ाई के लिए उन्होंने चार-पांच दिनों की योजना बनाई, जिसमें प्रशिक्षण, राशन और मौसम की तैयारी शामिल थे. कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए उन्होंने अपनी यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की और स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में पर्वत शिखर पर तिरंगा फहराया. इस उपलब्धि ने न केवल शशि शेखर की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को पूरा किया, बल्कि झारखंड में पर्वतारोहण की दुनिया में एक नई मिसाल स्थापित की.

- गोमिया विधायक लंबोदर महतो के पुत्र हैं शशि शेखर
- 5,642 मीटर ऊंची चोटी पर स्थापित किया कीर्तिमान

विधायक पिता और गोमिया के लोगों को समर्पित की उपलब्धि

शशि शेखर की माउंटेनियरिंग की सफर प्रेरणादायक है. उनके इस साहसिक प्रयास ने यह भी दर्शाया कि सही तैयारी, समर्पण और दृढ़ निश्चय के साथ किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है. शशि शेखर ने इस उपलब्धि को अपने पिता डॉ. लंबोदर महतो व गोमिया विधानसभा क्षेत्र के लोगों को समर्पित किया है, जिनके समर्थन ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. शशि शेखर ने कहा कि मेरे पिता की अथक मेहनत और उनके काम से प्रेरित होकर मैंने यह उपलब्धि हासिल की है. उनका समर्थन और समर्पण मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत है.

बच्चों की लड़ाई में महिला ने बच्चे के सिर पर डंडा मारा, मौत

संवाददता। महुआडांड़ (लातेहार)

बच्चों की लड़ाई के बीच एक महिला ने एक बच्चे के सिर पर डंडे से लगातार तीन-चार वार किये. इसमें लड़का गंभीर रूप से घायल हो गया और रिम्स ले जाने के क्रम में उसकी मौत हो गयी. घटना थाना क्षेत्र के काठो गांव की है. जानकारी के मुताबिक, रविवार की दोपहर काठो गांव के जितेंद्र सिंह के सरकारी आवास में उनके आठ वर्षीय पुत्र रघुवीर सिंह के साथ पड़ोसी सुमित्रा देवी की बेटी और देव सिंह का बेटा खेल रहे थे. सभी बच्चों की उम्र सात से आठ वर्ष के बीच थी. जितेंद्र सिंह अपनी पत्नी के साथ खेत पर धान की रोपाई कराने गये थे.

बच्चे खेलते-खेलते बच्चे आपस में लड़ने लगे. आवाज सुनकर बच्ची की मां सुमित्रा देवी हाथ में एक मोटा डंडा लेकर वहां पहुंची और गुस्से में रघुवीर सिंह के सिर पर लगातार तीन-चार डंडा मार दिया. उसे जख्मी और खून से लतपथ देख कर देव सिंह का बेटा भागता हुआ घर आया और परिजनों को जानकारी दी. इसके बाद सुमित्रा देवी ने घर में आकर अपने पति किरण सिंह को घटना की जानकारी दी. किरण सिंह व ग्रामीण घटनास्थल पहुंचे, तो देखा कि बच्चे की सांस चल रही है. इसके बाद उसके पिता जितेंद्र सिंह को जानकारी दी गयी. घायल बच्चे को उसके पिता और कुछ गांव के लोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये. यहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने रिम्स रेफर कर दिया. लेकिन, रास्ते में ही उसकी मौत हो गई.

गुमला में शव का पोस्टमार्टम कराया गया : महुआडांड़ थाना प्रभारी अवनीश कुमार ने बताया बच्चे की मौत रिम्स ले जाते समय रास्ते में हो गई है. इस कारण पोस्टमार्टम गुमला में ही कराया गया. गुमला पुलिस ने परिजन का फर्द बयान लिया है.

2.40 लाख मुकदमों का हुआ निपटारा, वर्तमान में 78,094 मुकदमे लंबित

आठ महीने में 3.18 लाख मुकदमे दर्ज हुए

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य की अदालतों में पिछले आठ महीने में तीन लाख 18 हजार 336 मुकदमें दर्ज किए गए. इसमें से दो लाख 40 हजार 242 मुकदमों का निपटारा किया गया. वर्तमान में 78,094 मुकदमें चल रहे हैं. सिविल मामले के पिछले आठ महीने में 73,024 मामले दर्ज किए गए. इसमें 40,263 मामलों का निपटारा कर दिया गया और 32,761 मामले चल रहे हैं. वहीं आपराधिक मामलों के दो लाख 45 हजार 312 मामले दर्ज किए गए. इसमें से एक लाख 99 हजार 979 मामलों का निपटारा कर दिया गया. वर्तमान में 45,333 आपराधिक मामले चल रहे हैं.

पिछले चार महीने में कितने मामले दर्ज किए

महीना	सिविल मामले	आपराधिक मामले
मई	960	2382
जून	736	2315
जुलाई	1102	2693
अगस्त	638	1404

साल दर साल बढ़ी है अपराधिक मामलों की संख्या

राज्य में साल दर साल अपराधिक मामलों की संख्या बढ़ी है. 2021 में 31,495 अपराधिक मामले दर्ज किए गए. 2022 में यह संख्या बढ़ कर 33,901 हो गई. 2023 में 31,526 मामले दर्ज किए गए और इस साल अगस्त 2024 तक 18,755 अपराधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं. वहीं सिविल मामले में भी साल दर साल वृद्धि हुई है. साल 2021 में 7060 सिविल मामले दर्ज किए गए. 2022 में यह संख्या बढ़ कर 8556 हो गई. वहीं, 2023 में 10,423 हो गई. इस साल अगस्त 2024 तक 7084 सिविल मामले दर्ज किए जा चुके हैं. वहीं पिछले सात दिनों में 416 आपराधिक और 216 सिविल मामले दर्ज किए गए हैं.

रक्षाबंधन पर सीएम हेमंत सोरेन ने कहा

माता-बहनों के हक के लिए काम करते रहेंगे

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रक्षाबंधन पर सभी को बधाई संदेश देते हुए कहा कि राज्य की आधी आबादी को अधिकार व सम्मान देने के लिए वह एक भाई व बेटे की तरह काम कर रहे हैं. मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर महिलाओं के लिए शुरु हुए छह योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा है कि वह महिलाओं के हक-अधिकार व सम्मान के लिए काम करते रहेंगे.

पहलीः झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तबत राज्य की 48 लाख महिलाओं को प्रति माह एक हजार (सलाना 12 हजार) रुपया दिया जा रहा है. अगर एक परिवार में तीन या चार बहनें हैं, तो सभी को अलग-अलग राशि मिलता है.

दूसरीः झारखंड देश का ऐसा पहला राज्य है, जहां 50 वर्ष से अधिक उम्र की विधवा, परित्यक्त या एकल महिला को सरकार प्रति माह एक हजार रुपया पेंशन देती है.

तीसरीः राज्य की 10 लाख किशोरियों को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से जोड़ा गया है. सभी को 40 हजार देते हैं.

चौथीः सखी मंडल से जुड़ी महिलाओं को पहले की सरकारों से 12 गुणा अधिक राशि दी गई. 10 हजार करोड़ से अधिक रुपये आजीविका संवर्धन के लिए दिए गए.

पाचवींः 35 हजार महिलाओं को फूलो-झानो अभियान से जोड़ कर उन्हें 50 हजार रुपये तक दिए गए.

छठीः अबुआ आवास योजना, सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना, हरा राशन कार्ड योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, साईकिल वितरण योजना.

बहनों ने सीएम हेमंत को रक्षा सूत्र बांधा

रांची। सीएम हेमंत सोरेन की बड़ी बहन अंजली सोरेन ने सोमवार को रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर उन्हें रक्षा सूत्र बांध कर उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घयु जीवन की कामना की. इस दौरान सीएम की चचेरी बहन आशा सोरेन, संचला हेम्ब्रम एवं रेखा सोरेन ने भी मुख्यमंत्री की कलाई पर राखी बांधी. मुख्यमंत्री ने अपनी सभी बहनों को सहृदय स्नेह, आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी. मौके पर सभी बहनों ने विधायक भाई बसंत सोरेन की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा तथा उनके लंबी उम्र की कामना की.

ब्रीफ खबरें

पुलिस ने दो चोर को किया गिरफ्तार

धुरकी(गढ़वा)। धुरकी पुलिस ने थाना कांड संख्या 119/24 के प्राथमिकी अभियुक्त ग्राम शारदा निवासी मुकेश उरांव, और बुधन भुइयां को शारदा सरकारी स्कूल के पुराने बिल्डिंग के दरवाजा की चोरी करने आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. बता दें कि शारदा सरकारी स्कूल के बंद पड़े पुराना बिल्डिंग से उक्त चोरों ने स्कूल के दरवाजा को खोलकर टेंपू में लोड कर नगर की ओर बेचने के लिए ले जा रहे थे. जिसे स्थानीय लोगों ने देख लिया और पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया था. एक अन्य चोर शारदा निवासी दिवाकर पांडेय भागने में सफल रहा था. जिसकी तलाश पुलिस अभी कर रही है.

अग्रवाल परिवार ने कराया जरूरतमंदों को भोजन

गढ़वा। अग्रवाल परिवार के तत्वावधान में शहर के रंका मोड़ स्थित संकट मोचन के समीप लगातार 48वें सप्ताह जरुरतमंदों के बीच भोजन का वितरण किया गया. इस दौरान 200 लोगों के बीच प्रसाद रूपी भोजन का वितरण किया गया. मौके पर पुरुषोत्तम अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल परिवार सदैव जरुरतमंदों और दीन हिनों की सेवा करता रहता है. हर्ष अग्रवाल ने कहा कि इस तरह के आयोजन से खुद में बहुत तसल्ली मिलती है. मौके पर आशुतोष अग्रवाल, विनय कश्यप, तेजस्व अग्रवाल आदि लोग उपस्थित थे.

लातेहार के मजदूर की मनिका में मौत

लातेहार। मनिका थाना क्षेत्र के साधवाडीह गांव मे आई-टेक कंपनी के द्वारा लिफ्ट एरिगेशन का कार्य कराया जा रहा है. सोमवार की संध्या काम के दौरान मजदूर उदय सिंह (45) पिता स्व सुरेश सिंह की मौत हो गयी. वह लातेहार थाना क्षेत्र के होटवाग ग्राम का रहने वाला था. मजदूर के मौत के कारणो का पता नहीं चल सका है. बताया जाता है कि वह कार्य स्थल पर अचानक बेहोश हो गया. इसके बाद आनन फानन में उसके साथ काम कर रहे अन्य मजदूरो ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मनिका लाया. यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया.

दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन एक को

कांडी। प्रखंड के खुटहेरिया पंचायत अंतर्गत महंत रामचन्द्र पूरी जमा दो उच्च विद्यालय गरदाहा के खेल मैदान में एक सितम्बर दिन रविवार को दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है. जानकारी देते हुए आयोजन कमेटी के हेड अख्तर व मोहित ने बताया कि इस आयोजन के मुख्य अतिथि विश्रामपुर विधानसभा के भावी विधायक प्रत्याशी रजनीश रंजन दुबे उर्फ विकास दुबे हैं. उन्होंने बताया कि इस दौड़ प्रतियोगिता में 24 मिनट में 5 किलोमीटर दौड़ पूरा करना है. जिसके लिए निबंधन शुल्क 100 रुपया रखा गया है.

दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ-चंदवा मार्ग पर सुरांगी टोंगरी के पास कार और बाईक के बीच हुई भीषण टक्कर में घायल बाइक सवार की रांची रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई. मृत युवक बालूमाथ थाना क्षेत्र के गरैंजा ग्राम के हराफु टोला निवासी कामेश्वर उरांव का 23 वर्षीय पुत्र सुधीर उरांव था. वह शनिवार की दोपहर अपने घर से बालूमाथ आ रहा था. इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही कार से उसके बाइक की टक्कर हो गई. इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था और बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर किया गया था.

अमवाटीकर रोड के वाशिंदों ने उपायुक्त व कार्यपालक अभियंता को सौंपा ज्ञापन, कहा

जहां लग रहा है ट्रांसफॉर्मर, वहां बनना है आम रास्ता, होगी परेशानी

संवाददाता। लातेहार

शहर के अमवाटीकर रोड में बिजली का एक ट्रांसफार्मर लगाया जा रहा है. इसके प्लेटफार्म का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. इधर स्थानीय ग्रामीणों ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर ट्रांसफार्मर लगाने का विरोध शुरू कर दिया है. इसे लेकर उपायुक्त व विद्युत कार्यपालक अभियंता, लातेहार को एक ज्ञापन सौंपा गया है. ज्ञापन में कहा गया कि नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 12 के अमवाटीकर में एक स्मार्ट प्वाईंट नाम का एक मॉल खोला जा रहा है. इस मॉल में विद्युत आपूर्ति करने के लिए सरकारी व गैर मजरूआ जमीन का अतिक्रमण कर बिजली का ट्रांसफार्मर लगाया जा रहा है. ग्रामीणों ने कहा कि यह मॉल एक निजी भवन में खोला जा रहा है. भवन के मालिक के द्वारा निजी इस्तेमाल के लिए सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर ट्रांसफार्मर का बैठाने का कार्य किया जा रहा है. यह बिल्कुल गैर कानूनी है. ग्रामीणों ने कहा कि जिस स्थान पर ट्रांसफार्मर लगाया जा रहा है, उस स्थान से आम रास्ता निकलना है. ऐसे में यहां ट्रांसफार्मर लगाने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना होगा. ज्ञापन में कहा गया कि सरकारी जमीन का प्रयोग निजी कार्य में करना सरकारी नियमों के खिलाफ है. ग्रामीणों ने इस मामले को संज्ञान में लेते हुए सरकारी जमीन का अवैध रूप से कब्जा व अतिक्रमण को रोकने और ट्रांसफार्मर का अधिष्ठापन उक्त स्थल पर नहीं करने देने की मांग की है. ज्ञापन सौंपने वालों में आनंद, तयूम, तौफिक, मो अख्तर, फिरोज आदि का नाम शामिल है. हालांकि इस संबंध में पक्ष लेने के लिए जब विद्युत सहायक अभियंता, लातेहार को दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने मोबाइल रिसिव नहीं किया.

बनाया जा रहा ट्रांसफार्मर लगाने के लिए प्लेटफॉर्म.

खास बातें
- अमवाटीकर में स्मार्ट प्वाईंट नाम से मॉल खोला जा रहा है
- ट्रांसफार्मर लगाने से लोगों को होगी भारी परेशानी

लातेहार में धूमधाम से मनाया गया रक्षा बंधन

बहना ने भाई की कलाई से प्यार बांधा है, संसार बांधा है...

राखी बांधती बहनें.

संवाददाता। लातेहार

जिला मुख्यालय समेत अन्य प्रखंडों में भाई बहन के अटूट प्यार का पर्व रक्षा बंधन पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. रक्षा बंधन को लेकर शहर में सुबह से ही चहल पहल थी. रक्षा बंधन के अवसर पर बहनों के कलाई पर राखियां बांधी. मौके पर भाईयों ने भी बहनों की रक्षा करने का संकल्प लिया एवं उन्हें उपहार दिये. रक्षा बंधन को लेकर शहर के मिठाई दुकानों में खासी भीड़ देखी गयी. रक्षा बंधन के दिन भी राखियों के दुकानों में महिलाओं की भीड़ थी. छोटे बच्चों में रक्षा बंधन को लेकर काफी उत्साह देखा गया. बच्चे सुबह से ही नहा कर नये नये कपड़े पहन कर राखियां बंधवाने के लिए तैयार थे. हालांकि दोपहर डेढ़ बजे के बाद बहनों ने भाईयों को राखी बांधी. रक्षा बंधन व सावन माह का अंतिम सोमवार होने के कारण शिवालय समेत अन्य मंदिरों में काफी भीड़ देखी गयी.

विधायक को राखी बांधीप्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, बाइपास रोड शाखा के द्वारा रक्षा बंधन का पर्व मनाया गया. इस दौरान ब्रह्मकुमारी की बहनों ने मनिका विधायक रामचंद्र सिंह समेत सीआरपीएफ 11 वीं बटालियन के कमांडेंट यदुराम बुनकर समेत अन्य धिकारी व जवानों को राखियां बांधी. मौके पर बीके अमृता, आशा, राजमणि, नवीन, सुनीता, अनिता विनोद व अवधेश आदि मौजूद थे.

बालूमाथ में

बालूमाथ (लातेहार)। रक्षाबंधन का त्यौहार पूरे उमंग और उत्साह के साथ प्रखंड समेत आसपास के क्षेत्रों में मनाया गया.श्रावण माह की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला त्यौहार भारतीय धर्म संस्कृति के अनुसार भाई-बहन को स्नेह की डोर में बांधता है. बहनों ने अपने भाई के मस्तक पर टीका लगाकर राखियां बांधी और अपने भाई की सुख समृद्धि की कामना की. भाईयों ने भी बहनों की रक्षा करने का संकल्प लिया. रक्षाबंधन को लेकर बाज़ारों में रौनक देखी गई. राखी एवं मिठाई की दुकानों पर खरीदारी करते हुए लोग दिखाई पड़े.

बहनों के लिए सुरक्षा कवच है राखी: अविनाश देव

मेदिनीनगर। रक्षा बंधन का त्योहार सोमवार को पलामू जिले में हर्षोल्लास मनाया गया. इस अवसर पर बहनों ने भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधी. स्थानीय संत मरियम विद्यालय के आवासीय बच्चों ने प्रांगण में रक्षा बंधन का महफिल सजाया. हॉस्टल के भाइयों को हॉस्टल की बहनों ने उनकी कलाई पर राखी बांधा. जिन बच्चों के भाई व बहन नहीं है वे राखी बंधवाने या बढ़ने के बाद उत्साहित दिखे. मौके पर विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने सैकड़ो बहनों से अपने कलाई पर रक्षा सूत्र बंधवाते हुए रक्षाबंधन के ऐतिहासिक धार्मिक सांस्कृतिक महता को बताया. उन्होंने कहा कि भाईयों के सरपरस्ती में बहन महफूज रहे यही हमारी कामना है. उन्होंने कहा कि बड़े दुर्भाग्य की बात है कि जो बहन हर पल असुरक्षित महसूस करती है वही बहन अपने भाई को सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा कवच बांधती है. हम सभी भाइयों को संकल्प लेना होगा कि जिस तरह से बहनें हमारे कलाइयों में रक्षाबंधन बांधकर सुरक्षित रखने के लिए भगवान से दुआ मांगती है उसी प्रकार हम सभी भाइयों का यह कर्तव्य होगा कि देश के हर बहन सुरक्षित रहे.

विधायक ने किया पीसीसी पथ का शिलान्यास

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद के महुआरी पंचायत के टिकर पर भुईया टोला पर 250 फिट का पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास विधायक कमलेश सिंह ने किया. इस कार्य के लिए ग्रामीणों ने विधायक कमलेश कुमार सिंह का सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र में ऐसे ही जनप्रतिनिधि की आवश्यकता है. जो हर धर्म समुदाय जात पात से ऊपर उठकर विकास के लिए काम करे.

जानलेवा हमले के छह आरोपी को सात साल की सजा मिली

हुसैनाबाद(पलामू)। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के कांड संख्या 178/2017 के अंतर्गत दर्ज मामले में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-03, पलामू के माननीय न्यायालय ने छह अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है. 17 अगस्त को न्यायालय ने अभियुक्त गुलाम खवाजा, अयुब अंसारी, बसीर आलम, नजीय आलम, सदाम हुसैन और सलाउद्दीन अंसारी को धारा 307 भा.द.वि. के तहत सात वर्ष के कारावास की सजा दी. इसके साथ ही, प्रत्येक अभियुक्त पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है. जुर्माना नहीं भरने पर छह महीने का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा. घटना 4 सितंबर 2017 की रात 9:00 बजे की है. वादी रेजाजूद्दीन अंसारी, जो कि हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के मोहम्मदाबाद गांव के निवासी हैं, अपने परिवार के साथ घरेलू मामलों पर चर्चा कर रहे थे. इसी बीच, अभियुक्तों ने उनके घर के पास से गाली-गलौज शुरू कर दी. स्थिति तब और बिगड़ गई जब अभियुक्तों ने वादी के घर में घुसकर हमला किया. इस हिंसक घटना में वादी की पत्नी को गंभीर चोटें आईं और उनका सिर फट गया. अन्य बचाव करने वाले व्यक्तियों को भी चोटें पहुंची.

मानव तस्करी के आरोपी को सात वर्षों की सजा और जुर्माना

संवाददाता। लातेहार

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह की अदालत ने मानव तस्करी के एक मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी सोनिया बीवी उर्फ सोनिया प्रवीण को अधिकतम सात वर्षों की कारावास एवं पांच हजार रुपए का जुर्माना की सजा सुनाया है. प्रभारी जिला अभियोजन पदाधिकारी एके दास के अनुसार महुआडांड़ निवासी सज्जू घासी ने उसकी बेटी को बहला फुसलाकर दिल्ली ले जाने की एक प्राथमिकी महुआडांड़ थाना कांड संख्या 18/ 2015 विगत 20 अप्रैल 2015 को सोनिया बीवी उर्फ सोनिया परवीन के खिलाफ दर्ज कराया था. प्राथमिकी में सूचक ने बताया था कि उनकी बेटी को सोनिया परवीन राजौरी गार्डन दिल्ली ले गई थी. अभियोजन के द्वारा कुल छह गवाहों को पेश किया गया. पीड़िता सोनिया प्रवीण के घर से बरामद हुई इसलिए पुलिस द्वारा गृह स्वामी तैबून बीबी के खिलाफ भी आरोप पत्र दाखिल किया था. अदालत ने सुनवाई के उपरांत तैबुन बीबी को रिहा कर दिया. जबकि सोनिया बीवी को भादवि की धारा 367 के तहत सात वर्षों का कठोर कारावास व पांच हजार रुपए जुर्माना, भादवि की धारा 368 के तहत पांच वर्षों की कठोर कारावास व तीन हजार रुपए जुर्माना एवम् भादवि की धारा 372 के तहत सात वर्षों की कठोर कारावास व पांच हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाया है. जुर्माना नहीं देने की स्थिति में अधिकतम तीन माह की कारावास की सजा सुनाया है. अदालत ने सभी सजाए साथ साथ चलाये जाने का आदेश पारित किया है.

खास बातें
- पीडीजे की अदालत में हुई मामले की सुनवाई
- 20 अप्रैल 2015 को महुआडांड़ थाना में दर्ज हुआ था मामला

पड़वा प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को मिला एसएफसी का प्रभार

अनियमितता की शिकायत के बाद हटाए गए पड़वा एसएफसी के प्रबंधक

जैनेंद्र कुमार। मेदिनीनगर

पड़वा स्थित राज्य खाद्य निगम के गोदाम से लगभग 14000 क्विंटल अनाज गायब पाए जाने की शिकायत के बाद निगम के पलामू जिला प्रबंधक ने निगम के पंडवा गोदाम में कार्यरत जनसेवक-सह-प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधक प्रभु राम को उनके कार्य से हटा दिया है. सहायक गोदाम प्रबंधक का कार्यभार प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी सह प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को दिया गया है. राज्य खाद्य निगम के पलामू जिला प्रबंधक प्रीति किस्कू ने जारी आदेश में कहा है कि पंडवा स्थित राज्य खाद्य निगम गोदाम के संचालन को लेकर तत्कालिक व्यवस्था के तहत प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सखीचन्द दास को अगले आदेश तक अपने कार्यों के अतिरिक्त कार्य के लिए प्रतिनियुक्त किया जाता है. आदेश में यह भी कहा गया है कि खाद्यान्न में अनियमितता बरतने से संबंधित शिकायतें एवं सूचना के बाद मामले की जांच प्रक्रियाधीन है इसलिए प्रशासनिक दृष्टिकोण से प्रभु राम को प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधक के प्रभार से तत्काल प्रभाव से विमुक्त किया जाता है. वहीं, प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सखीचन्द दास को अगस्त 2024 माह के एनएफएसए के तहत आवंटित खाद्यान्न का निर्गमण का कार्य नये सिरे से पंजी संधारित करते हुए वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है.

पलामू जिला समहरणालय.

बदले गए प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी

मेदिनीनगर। पलामू जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने कई प्रखंडों में नए प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी की नियुक्ति की है. स्थानांतरित होकर आए प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रणधीर कुमार को विश्रामपुर प्रखंड व नगर परिषद क्षेत्र तथा मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र का प्रभार सौंपा गया है. वहीं पलामू उपायुक्त के आदेशानुसार जनसेवक सह नावाबाजार व ऊंटारी रोड के प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी आलोक कुमार पांडे को उनके पद से हटाते हुए प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी सखीचंद दास को नावाबाजार व पड़वा प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी का प्रभार दिया गया है.

न्यूज अपडेट

बानपुर रोड में छह माह से खराब है स्ट्रीट लाइट

खराब स्ट्रीट लाइट.

लातेहार। शहर के वार्ड नंबर दो के बानपुर रोड में सेवानिवृत शिक्षक रामजनम सिंह के घर के पास पिछले छह माह से स्ट्रीट लाइट खराब है. स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होने इसकी सूचना कई बार नगर पंचायत को दी है, लेकिन अभी तक स्ट्रीट लाइट को दुरूस्त नहीं किया गया. लोगों का कहना है कि अभी बारिश का मौसम है और रात में यहां सड़क अंधेरा रहने के कारण लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. खास कर सांप व अन्य विषैले जीव जंतुओं का भय हमेशा रहता है. लोगों ने कहा कि यह एक व्यस्त सड़क है और यहां से हो कर कई कूरा, बारियातू व डीही-मुरूप समेत दर्जनों गांव के ग्रामीण साइकिल व बाइक से आवागमन करते हैं. सड़क अंधेरा रहने के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है. स्थानीय लोगों ने स्ट्रीट लाइट को दुरूस्त करने की मांग की है. लोगों ने बताया कि यहां अन्य कई स्ट्रीट लाइट भी खराब हैं, जिसे दुरूस्त करना आवश्यक है.

वनरक्षियों ने वृक्ष रक्षाबंधन का उत्सव मनाया

बरवाडीह(लातेहार)। वन विभाग के वनरक्षी अपनी मांगों को लेकर 16 अगस्त से ही अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं. झारखंड सरकार द्वारा 2014 की वनरक्षी नियुक्ति नियमावली में संशोधन कर वनपाल पद को 100 प्रतिशत प्रमोशन से नियुक्ति की जगह 50 प्रतिशत सीधी बहाली के लिए संशोधित किया गया है. इसके साथ ही वनरक्षकों के पदों से ही 1315 पदों को प्रधान वनरक्षी के पद के लिए सृजित किया गया है. यह संशोधन सात अगस्त को कैबिनेट से पारित की गई है. यह संशोधन झारखंड राज्य अवर वन सेवा नियमावली 2024 के नाम से जानी जाएगी. इस संशोधन के विरोध में झारखंड राज्य के सभी वनरक्षी बेमियादी हड़ताल पर चले गए हैं. सोमवार को धरना के चौथे दिन वृक्ष रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया.लोगों ने वृक्षों को रक्षा सूत बांधा और उसकी रक्षा करने का संकल्प लिया.

सांसद ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की, शोक जताया

ग्रामीणों से मिलते सांसद.

बालूमाथ (लातेहार)। चतरा भाजपा सांसद कालीचरण सिंह बालूमाथ पहुंचे. यहां उन्होने प्रखंड के विभिन्न दुर्घटनाओं के शिकार लोगों के परिजनों से मिलकर कुशलक्षेम जाना. इससे पहले सांसद का बालूमाथ के मंडल भाजपा कार्यालय में मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया. प्रखंड के मारंगलोईया पंचायत के विशुनपुर के बलबल नदी में बाढ़ में बहने से हुए तीन लोगों की मौत पर मृतको के परिजनों से मिल कर शोक व्यक्त किया. उन्होने मुरपा में विगत दिनों हहारो नदी में डूब कर मर जाने वाले युवक मो शाहबाज़ एवं मो फरहान के परिवार वालों से मिलकर घटना पर दुख व्यक्त किया.

सड़क निर्माण में भूमि मुआवजा में एकरूपता हो: मुरली प्रसाद

लातेहार। एनएच-75 में उदयूपरा से डुंड़गी ग्राम तक बाइपास सड़क एवं डुडंगी से होटवाग ग्राम तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जाना है. इसके लिए एनएचएआई के द्वारा जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है. समाजसेवी मुरली प्रसाद गुप्ता ने कहा कि एनएचएआई के द्वारा भूमि का अधिग्रहण तो किया जा रहा है लेकिन भूमि मे मुआवजे में काफी विसंगतियां हैं. उन्होने बताया कि होटवाग में अधिग्रहण किये जाने वाले जमीन की मुआवजा की दर मात्र दस हजार रूपये प्रति डिसमिल है. वहीं यहां से मात्र आधा किलोमीटर दूर डुंड़गी में अधिग्रहण किये जाने वाले भूमि का मुआवजा तकरीबन सात गुणा है. डुंडगी में मुआवजा की दर 75 हजार रूपये प्रति डिसमिल दिया जा रहा है. इसे ले कर लोगों में आक्रोश है. श्री गुप्ता ने कहा कि मात्र आधा किलोमीटर की दूरी में मुआवजा की दर में इतना बड़ा अंतर कैसे हो सकता है. जबकि होटवाग एक घनी आबादी वाला क्षेत्र है.

राजकुमार चौरसिया के नेतृत्व में जताई आस्था

मेदिनीनगर। समाजसेवी सह डाल्टनगंज विस क्षेत्र से संभावित प्रत्याशी राजकुमार चौरसिया ने सोमवार को चैनपुर प्रखंड क्षेत्र के कई गांव का दौरा किया. उन्होंने चैनपुर के कोशियारा में बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की. बैठक की अध्यक्षता गिरीवर प्रसाद चौरसिया व संचालन धर्मेन्द्र कुमार चौरसिया ने किया. बैठक में कार्यकर्ताओं ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह क्षेत्र स्थानीय विधायक की हृदय-स्थली के बावजूद विगत 10 वर्षों से यहां का विकास शून्य रहा है. झुमरी महुआ से कोशियारा मुख्य बस्ती तक का सड़क विकास की पोल खोल रहा है. बैठक में उपस्थित लोगों ने राजकुमार चौरसिया के प्रति अटूट आस्था व्यक्त करते हुए बढ़-चढ़कर नेतृत्व का आवाहन किया. बैठक में भावी प्रत्याशी राजकुमार चौरसिया ने अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए कहा कि लंबित कुटकु डैम का निर्माण एवं कोयल नदी पर जगह-जगह बियर का निर्माण कर पानी की समस्या का स्थायी समाधान कराएंगे, डाल्टनगंज शहर को अतिक्रमण मुक्त, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र मे मूल-भूत संरचनाओं को सुदृढ़ कर उत्तम शिक्षा एवं स्वास्थ्य की व्यवस्था.बैठक में मुख्य रूप से गजेन्द्र चौरसिया, कृष्ण चौरसिया, ललन चौरसिया, गिरिवर चौरसिया, सुदामा चौरसिया, पृथ्वी चौरसिया, कमलेश चौरसिया, अशोक चौरसिया, विष्णुदेव चौरसिया, विष्णुदेव राम, राजमनी सिंह, अजय सिंह, लालमुनी चौरसिया, विनोद चौरसिया, अमरेश चौरसिया आदि उपस्थित थे.

चंदवा में फंदे से झूलता युवती का शव बरामद

चंदवा (लातेहार)। सोमवार को थाना क्षेत्र के चकला पंचायत के चकला मोड़ के समीप एक घर के बाहर दरवाजे के पास एक युवती के फंदे से झूलता शव बरामद किया गया है. उसकी पहचान गांव के ही राजेंद्र उरांव की पुत्री के रूप में की गई है. परिजनों ने बताया कि वह रविवार की शाम मुर्गा दुकान से मुर्गा का मांस लेकर घर आई उसे बनाया और घर के सभी परिवार वालों को खिलाया था. खाना खाने के बाद सभी परिजन अपने-अपने कमरे में सोने चले गए लेकिन वह कमरे में बेचैन हो कर टहलते रही. परिजनों ने बताया कि रात करीब 12 बजे वह घर से बाहर निकली. राजेंद्र जब रात में शौच के लिए बाहर निकला तो देखा कि उनकी बेटी फंदे से झूल रही है. उसे बचाने के ख्याल से जब उसे फंदे से उतारा तो देखा कि उसकी सांस बंद है. मालूम हो कि इस मृतक युवती का किसी लड़के के साथ प्रेम प्रसंग था और यह मामला चंदवा थाना पहुंचा था. जिसे बाद में आपसी सहमति से समझौता कर लिया गया था. क्षेत्र में यह चर्चा है कि युवती के साथ बलात्कार करने के बाद हत्या कर फंदे से लटका दिया गया है. परिजनों ने चंदवा पुलिस को सूचित किया. सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लातेहार भेज दिया गया.

रक्षाबंधन विशेष पटना के चर्चित शिक्षाविद खान सर का टूटा रिकॉर्ड, उनका रिकॉर्ड 6000 का था

रामाशीष यादव को 7000 बहनों ने बांधी राखी

- झारखंड का अबतक का सबसे बड़ा रक्षाबंधन कार्यक्रम
- 367 बूथ रक्षकों ने बांधी अपने भाई को राखी

उंटारी रोड. पलामू

भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन पर सोमवार को बिश्रामपुर के युवा भाजपा नेता रामशीष यादव को 7 हजार बहनों ने राखी बांधी. सबसे ज्यादा राखी बंधवाने का यह नया रिकार्ड है. इससे पहले यह रिकार्ड बिहार के चर्चित शिक्षाविद खान सर के नाम था. मंझिआंव में आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी. बिश्रामपुर विधानसभा के 367 बूथ से महिलाएं रामशीष यादव को राखी बांधने पहुंची थीं. प्रत्येक बूथ से 20-20 महिलाओं ने राखी बांधी. इस हिसाब से 7340 राखी सिर्फ बूथ कार्यकर्ताओं ने उन्हें बांधी. यह झारखंड का अबतक का सबसे बड़ा रक्षाबंधन कार्यक्रम हुआ.

भाजपा नेता रामशीष यादव को राखी बांधने उमड़ी महिलाओं की भीड़.

367 बूथ रक्षकों का मिला आशीर्वाद : सात हजार से अधिक बहनों ने रामाशीष यादव को राखी बांधकर उनकी लंबी आयु व स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की. महिलाओं ने संकल्प लेते हुए कहा कि उन्हें सिर्फ अपने भाई रामाशीष यादव पर भरोसा है जो उनकी रक्षा के साथ उनके बच्चों के भविष्य को उज्जवल करने की क्षमता रखते हैं. इसलिए इस बार उन्हें ही अपना विधायक बनायेंगी ताकि महिला सुरक्षा एवं नारी शक्ति का नया उदय हो सके.

भावुक हुए रामाशीष, बहनों का जताया आभार

राखी बंधवाने के दौरान रामाशीष यादव भावुक हो गए. उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े. उन्होंने बहनों को उपहार देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया. अंतिम सांस तक उनकी रक्षा का संकल्प लिया. मौके पर कुसुम देवी, सुनीता देवी, अनीता देवी, किरण देवी, शोभा देवी, गीता देवी, ममता देवी, किस्मतिया देवी, बसंती देवी, सरिता देवी, देवांती देवी, सुमित्रा देवी, रीना देवी, सुषमा देवी, शोभा देवी, ललिता देवी, ज्ञानती देवी, किरण देवी, अंजू देवी, सरिता देवी सहित अन्या महिलाएं मौजूद रहीं.

ट्रेनी डॉक्टर की हत्या के विरोध में खुला मंच ने निकाला कैंडल मार्च

संवाददाता। मेदिनीनगर

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में खुला मंच ने रविवार को कैंडल मार्च निकाला. कैंडल मार्च स्थानीय एमएमसीएच परिसर से निकलकर गीता भवन, शहर थाना होते हुए डॉ राजेन्द्र प्रसाद चौक पहुंचा. यहां ट्रेनी डॉक्टर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मार्च का समापन किया गया. कैंडल मार्च का नेतृत्व अमीत कुमार सिन्हा और बबलू चावला ने किया. कैंडल मार्च में काफी संख्या में महिलाएँ शामिल थीं. सभी के हाथ में तख्तियां व मोमबत्ती था. तख्ती पर बलात्कारी को फांसी दो, बेटी बचाओ देश बचाओ आदि लिखे हुए थे. कैंडल मार्च में मंच के अध्यक्ष नवदीप सिंह ऋषि, एडमिन रजनीश सिंह, सह कोषाध्यक्ष रितेश कुमार, सोनू सिंह नामधारी, अविनाश देव, नवीन तिवारी, हिमांशु शेखर, छोटू त्रिपाठी, मन्नत सिंह बग्गा, गुरवीर सिंह गोलू, आनंद मोहन, प्रभात अग्रवाल, अमिताभ मिश्रा, सुमित पांडेय, नीतिन आलोक, राजेश गुप्ता, आशीष भारद्वाज, आदि शामिल थे.

कैंडल मार्च में शामिल खुला मंच के कार्यकर्ता.

ब्रीफ खबरें

आज से लगेगा बसिया में बिजली विभाग का शिविर

बसिया। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल कामडारा के तहत बसिया प्रखंड मेंबिजली बिल राजस्व शिविर का अयोजन 20 अगस्त से 31 अगस्त तक किया जाएगा. जिसके तहत बसिया प्रखंड के डोलंगसेरा में 20 अगस्त 21 अगस्त को पंथा 22 अगस्त को तालेसेरा 23 अगस्त को कुलूसेरा 24 अगस्त को बनई 26 अगस्त को नटेकेल 27 अगस्त को कोनबीर 28 अगस्त को कुम्हारी 29 अगस्त लौंगा 30 अगस्त कलिगा 31 अगस्त बसिया में लगाया जाएगा शिविर 10 बजे से दो बजेतक लगेगा. उक्त जानकारी कनीय अभियंता कंचन टुडू ने दी.

लोपेशरार प्रखंड युवा अध्यक्ष बने रवि सिंह

लोहरदगा। लोहरदगा जिला के पेशरार प्रखंड के सीरम पंचायत के ग्राम केतकी में लोकहित अधिकार पार्टी की बैठक हुई. बैठक में काफी विचार विमर्श के उपरांत पेशरार प्रखंड के युवा मोर्चा अध्यक्ष रवि सिंह को सर्व समिति से बनाया गया. मौके पर उपस्थित विनय उरांव ,रमेश कुमार ,बेगन सिंह ,विजय कुमार, सोमैर सिंह, सुनील सिंह ,विनोद सिंह, किस्मतिया देवी, शांति देवी, संतोषी कुमारी आदि मौजूद थे.

लोपेशरार प्रखंड युवा अध्यक्ष बने रवि सिंह

लोहरदगा। लोहरदगा जिला के पेशरार प्रखंड के सीरम पंचायत के ग्राम केतकी में लोकहित अधिकार पार्टी की बैठक हुई. बैठक में काफी विचार विमर्श के उपरांत पेशरार प्रखंड के युवा मोर्चा अध्यक्ष रवि सिंह को सर्व समिति से बनाया गया. मौके पर उपस्थित विनय उरांव ,रमेश कुमार ,बेगन सिंह ,विजय कुमार, सोमैर सिंह, सुनील सिंह ,विनोद सिंह, किस्मतिया देवी, शांति देवी, संतोषी कुमारी ,आदि मौजूद थे.

मोमिन कॉन्फ्रेंस का जिला उपाध्यक्ष बनाए गए कमरुल

लोहरदगा। कमरुल इस्लाम डरा प्रखंड कुरु जिला लोहरदगा के

मोमिन कॉन्फ्रेंस का जिला उपाध्यक्ष का मनोनीत किया गया. इनके कुशल क्षमता कार्य कुशलता एवं समाज के प्रति को देखते हुए यह जिम्मेदारी दी गई. इस मौके पर कमरुल इस्लाम ने कहा कि मोमिन कॉन्फ्रेंस ने समाज के प्रति जो उम्मीद और भरोसा जताया है. उस पर मैं खरा उतरने का कोशिश करूंगा .

आजसू छोड़ पूर्व विधायक स्व. कमल किशोर भगत के भाई झापीपा में हुए शामिल

लोहरदगा की राजनीति में अनिल की इंट्री से आजसू में टूट जारी

हुसैन अंसारी। लोहरदगा

झापीपा के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अनिल भगत व अन्य कार्यकर्ता.

राजनीति में कुछ संभव हो सकता है यह हकीकत लोहरदगा जिला की राजनीति में भी एक बार देखने को मिल रहा है. यहां पर लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र वासियों के मसीहा झारखंड आंदोलनकारी नेता सह पूर्व विधायक कमल किशोर भगत का असामायिक निधन ने लोहरदगा जिला आजसू पार्टी की मजबूती में दिन-ब-दिन टूट बढ़ता जा रहा है. कार्यकर्ता आए दिन आजसू पार्टी से अलग होकर दूसरे दलों से जुड़ रहे हैं. इससे लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में आजसू पार्टी की पकड़ ढीली हो रही है. वहीं पूर्व विधायक कमल स्व किशोर भगत के भाई की झापीपा से लोहरदगा जिला की राजनीति में एंट्री से आजसू के कार्यकर्ता भी अब तेजी से पार्टी छोड़ रहे है. झापीपा से लोहरदगा में आफिस खुलने से जहां झापीपु का जनाधार विस क्षेत्र में बढ़ता दिखाई दे रहा है, वहीं इससे आजसू पार्टी को सबसे ज्यादा नुकसान भी हो रहा है. एक समय ऐसा भी था कि लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र की जनता आजसू पार्टी को अपना शत-प्रतिशत समर्थन देने का कार्य कर दिखाया था, लेकिन जब से आजसू पार्टी के लीडर लोहरदगा क्षेत्र वासियों के चहेते विधायक स्वर्गीय कमल किशोर भगत जी का अचानक ईश्वर को प्यारे हो जाने के बाद से धीरे-धीरे कार्यकर्ताओं में ओ हौसला और जोश पस्त होने लगा. यहां पर पार्टी के स्तम्भ माने जाने वाले कार्यकर्ताओं का आजसू पार्टी से दूरी बनाकर दूसरे दलों में शामिल होने से आजसू पार्टी की साख बीच मझधार में पहुंचता दिखाई दे रहा है. बहरहाल जो भी हो लेकिन लोहरदगा विधानसभा चुनाव को अभी लगभग दो महीने बाकी हैं और पार्टी से कार्यकर्ताओं के बिखराव और दूसरे दलों में शामिल होने से आजसू पार्टी चुनाव में कितना कारगर सिद्ध हो पाती है यह तो चुनाव में ही जनता के बीच परिणाम बयां करेगी. अब बात करें लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में झारखंड पीपुल्स पार्टी की उपस्थिति की तो बहुत कम समय में बड़े-बड़े कार्यक्रम आयोजित कर लोहरदगा विस क्षेत्र की जनता में अपनी अच्छी पकड़ और पैठ को लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है. इससे आजसू पार्टी के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में पूर्व विधायक स्वर्गीय कमल किशोर भगत के छोटे भाई झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार भगत बड़ी चुनौती बनकर उलटफेर कर डाला है.

खास बातें

- लोहरदगा सीट से विस चुनाव लड़ने का किया ऐलान
- आजसू जिला कमेटी के दर्जनों पदधारियों ने छोड़ी पार्टी

अंतिम सोमवारी पर पूजा अर्चना के लिए मंदिरों में रही भीड़

हर-हर महादेव व बोल बम से गूंजे गढ़वा के शिवालय

संवाददाता । गढ़वा

अंतिम सोमवारी पर महादेव का जलाभिषेक करते भक्त.

सावन माह की अंतिम सोमवारी को जिला मुख्यालय से लेकर गांवों तक के शिवालयों में जलाभिषेक के लिए भक्तों की भीड़ रही। अहले सुबह से ही हर-हर महादेव, बोल बम के जयकारे गूंजते रहे। साथ ही चौक-चौराहों और मंदिरों में शिव भजन से वातावरण भक्तिमय रहा.श्रद्धालुओं ने विभिन्न जलाशयों और नदियों से कलश में जलभर भगवान शिव का जयघोष करते हुए मंदिर पहुंच जलाभिषेक किया. जिला मुख्यालय से लेकर सुदूरवर्ती प्रखंडों में स्थापित शिवालयों और मंदिरों में पूजा अर्चना को लेकर पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़, बिहार और यूपी के शिवभक्त भी जलाभिषेक करने बड़ी संख्या में पहुंचे। उधर मंदिर प्रबंधन ने भी भक्तों की सुविधा के लिए बेलपत्र, फूल की भी व्यवस्था की गई थी। जिला मुख्यालय में गढ़देवी मंदिर, करमडीह स्थित जुड़वनिया शिव मंदिर, शिव ढोंढ़ा मंदिर, भवनाथपुर में शिव पहाड़ी गुफा मंदिर, बाबा खोन्हर नाथ मंदिर के अलावा नगर ऊंटारी में राजा पहाड़ी शिव मंदिर सहित अन्य शिवालयों में काफी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचे. सुदूरवर्ती बड़गड़ प्रखंड में भी सोमवारी पर शिवालयों में पूजा अर्चना की गई. वहीं डंडई प्रखंड मुख्यालय सहित गांवों में भी वातावरण शिवमय रहा. शिवालयों में महिलाओं की अच्छी खासी भीड़ रही। प्रखंड के ख्यातिप्राप्त शिवालय लवाही गांव स्थित मंगरदह महादेव पर दूर दराज गांवों से भी भक्त जलाभिषेक करने पहुंचेथे। प्रखंड के छोटे बड़े सभी शिवालयों पर भक्तों की जलाभिषेक के लिए भीड़ रही। उनमें सबसे ज्यादा भीड़ लवाही गांव स्थित मंगरदह महादेव पर जलाभिषेक को लेकर थी। छत्तीसगढ़ सीमा पर अवस्थित रंका प्रखंड के गोदरमाना में भी भक्तों में जलाभिषेक को लेकर उत्साह देखा गया। उधर कांडी प्रखंड मुख्यालय सहित अन्य शिवालयों में भी सावन महीने की अंतिम सोमवारी को भक्तों की काफी भीड़ देखी गयी। सबसे अधिक भीड़ सतबहिनी झरना तीर्थस्थल पर रही। वहां पर सुबह सेही भक्तों की भीड़ आती रही। चार पहिया व दोपहिया वाहनों में भर भर कर पूजा के लिए भक्त सतबहिनी पहुंचे। बहुत से लोग झरना में स्नान करनेके बाद शिवमंदिर के साथ अन्य आठ मंदिरों भगवती, लक्ष्मी, काली, गणेश, सूर्य, भैरव व महावीर मंदिर में पूजा अर्चना की। पुजारी आदित्य पाठक व एक अन्य पुजारी नेपूजा अर्चना संपन्नन कराया। वहीं प्रखंड के कांडी, गरदाहा,भिलमा, चोका, खरौंधा, सुंडीपुर, लमारी सहित अन्य गांवों मेंभी अंतिम सोमवारी पर लोग पूजा अर्चना करने मंदिर पहुंचे थे.

दो बाइक की टक्कर में तीन घायल, दो रेफर

हरिहरगंज/ पलामू : थाना क्षेत्र के महुवन होटल के सामने एनएच 139 पर सोमवार की शाम दो बाइक की आमने सामने हुई टक्कर में डेमा गांव निवासी नंदू मेहता के 25 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार और रहमबिगहा (बिहार) निवासी कृष्णा पासवान के 22 वर्षीय पुत्र बिमलेश कुमार तथा रहम बिगहा के ही श्यामदेव यादव के पुत्र श्याम कुमार घायल हो गए. इनमें सुनील कुमार और बिमलेश कुमार गंभीर रूप से घायल है. घटना के बाद सभी घायलों को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया . सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर गोपाल प्रसाद ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल सुनील कुमार और बिमलेश कुमार बेहतर ईलाज के लिए तत्काल रेफर कर दिया है. जबकि मामूली तौर पर घायल श्याम कुमार सीएचसी में इलाजरत है. कई लोगों ने सड़क हादसे में हो रही लगातार मौत पर गंभीर चिंता व्यक्त किया है.

पुल नहीं होने से ग्रामीणों को हो रही है परेशानी

रमना। प्रखंड के गुरही नाला पर पुल की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों के साथ-साथ स्कूल जाने वाले परेशान हैं. ज्ञात हो कि धावरा दामर टोला के लोग मुश्किल से इस नाला को पार कर पंचायत और प्रखंड तक पहुंचते है. इतना ही नहीं दोनों तरफ से गम्हरिया पंचायत के धवरवा दामर टोला के लोग आज भी पहुंच पथ से कोसो दूर है. इस टोला के लोगों को 78 वर्ष पूर्व गुलामी से आजादी तो मिल गयी, लेकिन मौलिक अधिकारों से आज भी वंचित है, राज्य और केंद्र सरकार द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं का लाभ लेने के लिए गर्मी बरसात और ठंडा के मौसम में सड़क के अभाव में घोर कठिनाई का सामना करना पड़ता है.

न्यूज अपडेट

अविराम कालेज में सावन महोत्सव हुआ आयोजित

कुडू लोहरदगा। जिले के कुड़ प्रखंड क्षेत्र में संचालित अविराम कॉलेज और अविराम स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंसी के द्वारा संयुक्त रूप से सावन महोत्सव का आयोजन किया गया. इस बीच कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया. जिसके पश्चात रैंप वॉक,प्रतिभा प्रदर्शन, मेंहदी, चूड़ी, हेयर स्टाइल आदि की विजताओ को चुना गया. सावन की रानी ममता टोप्पो को मिक्सर ग्राइंडर, खुशबू को इलेक्ट्रिक केतली बेस्ट हेयर स्टाइल के लिए,शबनम को चूड़ी के लिए प्रेस ,कलावती को कॉस्ट्यूम के लिए वाटर बॉटल,मेहंदी के लिए काजल,और विशेष सहयोग हेतु रेणुका महतो,सरिता,नमिता,मालती आदि को प्राचार्य प्रतिमा त्रिपाठी द्वारा पुरस्कृत किया गया और बताया गया कि ऐसे कार्यक्रमों से स्टाफ को अपनी विविध प्रतिभाएं दिखाने का अवसर मिलता है .

शूंटिंग क्लब रांची में ताशा झा को किया गया सम्मानित

गुमला। एकलव्य शूंटिंग क्लब रांची में सोमवार को सर्टिफिकेट वितरण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला की कक्षा एकादश की छात्रा ताशा झा को 14वीं झारखंड स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर वुमन में गोल्ड का प्रमाण पत्र दिया गया.ज्ञात हो कि ताशा झाने 10 मी राइफल चैंपियनशिप यूथ वुमन इंडिविजुवल में राज्य स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए जोनल लेवल के लिए क्वालीफाई किया है.

चोरी गई बाइक के साथ तीन को पुलिस ने दबोचा

गुमला। पुलिस ने तीन बाइक चोरों को धर दबोचा है. बाइक चोरी के मामले में पुलिस ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि बीते 14 अगस्त को सिसई थानाक्षेत्र के बाजाटांड़ तालाब स्थित जागृति अस्पताल के परिसर से एक सफेद - लाल रंग के पल्सर मोटरसाइकिल की चोरी हुई थी. जिसकी प्राथमिकी सिसई थाना दर्ज की गयी . इस मामले के अनुसंधान के क्रम में सीसीटीवी फुटेज , खंगाले गए. तकनीकी अनुसंधान व गुप्त सूचना के आधार पर कांड में संलिप्त अपराधकर्मियों को चिन्हित करते हुये जाहिद अंसारी ,जमील अंसारी दोनों लोहरदगा जिला के गौस नगर कुटमू निवासी, गुमला जिले के सिसई थाना अंतर्गत भदौली ग्राम के गौतम कुमार को गिरफ्तार किया गया. तथा इनकी निशानदेही पर चोरी की गई पल्सर भी बरामद किया गया.

रेशम की डोर से बहनें बांधीं भाइयों की कलाई

लोहरदगा : भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक राखी का पवित्र त्योहार सोमवार को लोहरदगा जिला में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर बहनों ने भाईयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके लंबे जीवन, स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना की.सोमवार को दोपहर 1:32 बजे से 7:30 तक ही शुभ मुहूर्त था. वैसे सोमवार को उदीयमान तिथि होने के कारण बहनें दिन भर अपने भाईयो के कलाइयों पर रंग बिरंगे आकर्षक राखियां बांधीं. वहीं राखी पर्व को लेकर शहर के तमाम छोटे बड़े दुकानों व फुटफाट पर भी ग्राहकों के लिए एक से एक बढकर आक्ररसक राखी सजा रखी थी.

बीएस कॉलेज में हुई केंद्रीय सरना समिति की बैठक

लोहरदगा। केंद्रीय सरना समिति के जिला सचिव शशि कुमार भगत की अध्यक्षता में बीएस कॉलेज परिसर स्थित छात्रावास में कर्मा पूर्व संध्या एवं पूजा समारोह को लेकर हुई. बैठक में कर्मा पूर्व संध्या एवं पूजा समारोह को पूरे हर्षोल्लास धूमधाम के साथ मानने को लेकर विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया. सभी पहलुओं पर पदाधिकारी को अपनी-अपनी जिम्मेवारी दी गई. सभी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किया . अगली बैठक 25 अगस्त को बीएस कॉलेज परिसर स्थित छात्रावास में रखी गई है. बैठक में मुख्य रूप से संरक्षक मनी उरांव, शंकर भगत, वकील भगत,चोन्हस उरांव ,सुखदेव उरांव ,मुकेश उरांव, अमित उरांव,दिलशान उरांव, विनोद उरांव, रमेश उरांव एवं अन्य सदस्य गण मुख्य रूप से उपस्थित थे.

कई मौजा का बंधु तिर्की ने किया दौरा, रैयतों से मिल ली जानकारी

संवाददाता। लोहरदगा/रांची

सिमलिया, दिउसुध, बजरा, तिलता, कमड़े, फुटकल टोली, पंडरा आदि मौजा में सोमवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने दौरा कर वहां के रैयतों के से मिले. साथ ही सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों संग समाज के अगुओं संग वार्ता कर जमीनी स्थिति की जानकारी ली. उन्होंने कहा कि झारखंड को चाहने वाले और जल, जंगल, जमीन की बात करनेवाले उन सभी लोगों को सामने आने की जरूरत है, जो राज्य को जमीन लूट और इसके कारण पैदा होनेवाले विस्थापन और पलायन जैसी विकट समस्याओं से निजात दिलाना चाहते हैं. बंधु तिर्की ने आगे कहा कि न केवल आदिवासियों और मूलवासियों बल्कि झारखंड में रहनेवाले प्रत्येक व्यक्ति के साथ यह मामला गहराई से जुड़ा हुआ गंभीर मुद्दा है. यदि जमीन लूट इसी प्रकार से चलती रही तो वह दिन दूर नहीं, जब झारखंड अपनी पहचान को हमेशा के लिए खो देगा. उन्होंने कहा कि उन तत्वों पर अंकुश लगाना बेहद जरूरी है जो जमीन के अवैध धंधे में संलिप्त हैं, सीएनटी एक्ट जैसे कानून की धज्जियां उड़ाकर न केवल गैरमजरुआ बल्कि आदिवासियों के सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक महत्व की भूमि की भी बेरोकटोक खरीद-बिक्री कर रहे हैं. इसे लेकर 28 अगस्त को मोरहाबादी स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष बापू वाटिका में धरना दिया जायेगा. मौके पर संजय तिर्की, मुखिया प्रतिनिधि, सुनील तिर्की पूर्व मुखिया ,संजय तिर्की पूर्व मुखिया, शिवा कच्छप अध्यक्ष केंद्रीय सरना संघर्ष समिति, समाजसेवी अलबिन लकड़ा, सुका उरांव, सुनील टोप्पो पूर्व पार्षद, राजेश लिंडा, मुन्तजीर खान, लालु खलखो ग्राम प्रधान, सिद्धांत तिर्की, शिव उरांव आदि शामिल थे.

मनरेगा कर्मचारी संघ का प्रतिनिधिमंडल सांसद को किया सम्मानित

मनरेगा कर्मियों की मांग को लेकर सरकार स्तर पर करेंगे वार्ता : सांसद

संवाददाता । लोहरदगा

जिला मनरेगा कर्मी संघ के सदस्यों ने सांसद सुखदेव भगत को मांग पत्र सौंपा.

जिले के मनरेगा कर्मचारी संघ सांसद के आवास पहुंचकर सबसे पहले सांसद बनने पर सुखदेव भगत को बुके देकर बधाई दी.वहीं मनरेगा कर्मियों ने एक मांग पत्र सौंपकर सेवा शर्त नियमावली में सुधार कर सेवा स्थायीकरण करने एवं वेतनमान का प्रावधान करने की मांग की है.

सांसद सुखदेव भगत ने मनरेगा कर्मियों की बातों को गंभीरता से सुना. तत्पश्चात सांसद सुखदेव भगत मनरेगा कर्मियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि मनरेगा के तहत एक वर्ष में कम से कम 100 दिन मजदूरों को रोजगार का गारंटी देने का कानून बनाकर ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका सुरक्षा को बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किया गया था. मनरेगा में काम करने वाले कर्मियों का जो मांग है उसके संदर्भ में सार्थक पहल करेंगे. उन्होंने मनरेगा कर्मियों के मांगों को पूरा करने के लिए वे सरकार स्तर पर भी वार्ता करेंगे. प्रतिनिधि मंडल में मंगल तिर्की , राजीव कुमार, नीलेंद्र कुमार ,रेखा कुमारी, अंजू कुजूर, सतीश कुमार साहू, संजीत कुमार सहित अनेक लोक उपस्थित थे.

स्वतंत्रता दिवस के 78 वें वर्षगांठ एवं रक्षा बंधन के शुभ अवसर पर तमाम देश वासियों को "नगर मंदिर चंदवा" के व्यवस्थापक प्रो० ठाकुर विजय कुमार नाथ शाही एवं ठाकुर उदय कुमार नाथ शाही की ओर से हार्दिक बधाई और शुभ कामनाएं

समस्या | राजा मेदिनीराय के समय सतबरवा हुआ करती थी आर्थिक राजधानी

राजा मेदिनीराय के किला का अस्तित्व मिटने के कगार पर

कुमार राज। सतबरवा(पलामू)

झारखंड प्रदेश के पलामू के लोकप्रिय राजा मेदिनीराय के जन्म के 390 वर्ष तथा आजादी के 76 साल गुजर जाने के बाद भी राजा मेदिनी राय के विरासत को संरक्षित नहीं किया गया. फल स्वरूप राजा का किला खंडहर में तब्दील हो गया. राजा के समय सतबरवा इसकी आर्थिक राजधानी थी. महाराजा मेदिनीराय का जन्म चैत पूर्णिमा के दिन 16 वीं शताब्दी में हुआ था. इनका कार्य काल 1661 से 1674 तक रहा. छोटे कार्यकाल में ही उन्होंने प्रजा के सुख-समृद्धि के लिए काफी काम किया था, जिसकी चर्चा आज भी है. सेवानिवृत्त शिक्षक आनंद

पलामू किला परिसर में स्थित राजा मेदिनीराय की प्रतिमा.

मार्ग स्कूल के फाउंडर राम लखन सिंह चेरो ने कहा कि हिंदुस्तान के एक ऐसे प्रतापी राजा मेदिनीराय हुए जिन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ ,हर व्यक्ति, हर घर सुख ,शांति से रहे. इसके लिए राजा रात में भेष बदलकर गांव की गलियों में घूमा करते थे और उसके हर दुख को दूर करने का काम करते थे. वह हर उस घर में दूध, दही देखना चाहते थे. जिनके घर में दूध, दही नहीं होता था, उनके घरों में गाय,भैंस राजा के द्वारा दिया जाता था . इसलिए उनके बारे में एक कहावत है कि राजा मेदनिया घर -घर बाजे मथनिया आज भी काफी प्रचलित है. ऐसे नेक दिल राजा के किला को संरक्षित करने का प्रयास किसी भी सरकार या किसी भी नेता ने नहीं की.

उन्होंने कहा कि भले ही राजा का किला खंडहर में तब्दील हो गया हो, पर इस खंडहर का दीदार कर पलामू के लोग आज भी धन्य होते हैं . राजा की याद में प्रत्येक वर्ष पलामू किला के तलहटी में लगने वाला मेला में लाखों की संख्या में लोग उस गौरवमई इतिहास की कल्पना कर आनंदित होंने पहुंचते हैं. सतबरवा प्रखंड रबदा पंचायत के फुलवरिया में राजा की याद में छठ के दूसरे दिन मेला लगता है. काफी संघर्ष के बाद तत्कालीन सांसद इंदर सिंह नामधारी के द्वारा मेला के औरंगा नदी में एक छठ घाट, तत्कालीन विधायक हरे कृष्णा सिंह ने मेला परिसर में राजा की प्रतिमा व रांची - मेदिनीनगर मुख्य मार्ग से मेला परिसर तक सडक़ का निर्माण किया गया है. उन्होंने कहा कि चेरो समाज के द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है कि सरकार पलामू किला को संरक्षित करें. यह किला हमारे पूर्वजों का धरोहर है. राजा मेदिनी राय से हमें भी समाज के लिए काम करने की प्रेरणा मिलता है. इन्होंने बताया कि राजा मेदिनीनगर के समय सतबरवा आर्थिक राजधानी थी ,उस समय सैकड़ों की संख्या में बैल गाड़ी से समान की आयात , निर्यात होता था.

आस्था का संगम : 25000 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दामोदर भैरवी संगम स्थल से जल उठा कर चितरपुर प्रखंड के विभिन्न शिवालयों में किया जलाभिषेक

अंतिम सोमवारी पर शिवमय हुआ रजरप्पा, गूंजे बोल बम...हर-हर महादेव के जयकारे

संवाददाता। रामगढ़

सावन की अंतिम सोमवारी के मौके पर रजरप्पा स्थित छिन्नमस्तिके मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. इस दौरान लगभग 25000 से ज्यादा की संख्या में श्रद्धालुओं ने दामोदर भैरवी संगम स्थल से जल उठा कर चितरपुर प्रखंड के विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक किया. इससे पूर्व सभी कांवरियों को मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद पूर्व मंत्री सह गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने झंडा दिखाकर रवाना किया. उन्होंने कहा कि भगवान भोले शंकर की पूजा अर्चना करने वाले सभी लोगों पर उनकी कृपा बरसती है और उनके घरों में सुख, समृद्धि व खुशहाली का वास होता है. इससे पूर्व उनके यहां पहुंचने पर उनका स्वागत चुनरी ओढ़ाकर किया गया. इस दौरान चारों ओर बोल बम का नारा है.., हर हर महादेव...बाबा नगरिया दूर है के जयकारों से पूरा रजरप्पा व चितरपुर क्षेत्र गुंजायमान रहा. वहीं बाबा के गीतों की धुन पर हजारों कांवरिया झूमते नजर आए.

सोमवार को पूरे रामगढ़ जिला सहित चितरपुर प्रखंड के हजारों श्रद्धालु सूरज निकलने के पूर्व रजरप्पा स्थित दामोदर भैरवी संगम स्थल पहुंचे. यहां से जल उठा कर हजारों श्रद्धालु अपने अपने क्षेत्र के शिवालयों में जलाभिषेक किया. इस दौरान पूरा प्रखंड कांवरियों से पट गया. दामोदर और भैरवी नदी के संगम स्थल से जल उठाकर कांवरियों में जल्दी-जल्दी अपने क्षेत्र के शिवालयों में पहुंचने की होड़ देखी गई. इस कांवर यात्रा में क्या बच्चे, क्या बूढ़े, सब शिव भक्ति में लीन नजर आए. इस दौरान महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रही थी. इस दौरान जगह-जगह कांवर यात्रियों के स्वागत के लिए विभिन्न स्वयंसेवी संस्थानों के अलावे आजसू के कार्यकर्ताओं द्वारा भी शिविर लगाया गया था. इन शिविरों में कांवर यात्रियों के लिए फल, फूल, चना, शरबत और पीने के पानी की व्यवस्था की गई थी. कई शिविरों में तो पानी के फव्वारे भी लगाए गए थे, जिस पर कांवरियों ने खूब मस्ती की. चितरपुर महादेव मंदिर सहित रजरप्पा प्रोजेक्ट शिवालय, बड़कीपोना, छोटकीपोना, कुंदरूकलां, सौंढ शिवालय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई. इस दौरान श्रद्धालुओं के बीच काफी उत्साह देखा गया.

सभी कांवरियों को पूर्व मंत्री सह गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने झंडा दिखाकर रवाना किया.

खास बातें

- सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कांवरियों को किया रवाना
- कांवर यात्रा में महिलाओं व बच्चों में देखा गया उत्साह
- स्वयंसेवी संस्थानों व आजसू के कार्यकर्ताओं ने लगाए कैंप

सुरक्षा की थी चाक चौबंद व्यवस्था

सावन की अंतिम सोमवारी में उमड़ी भीड़ को देखते हुए रजरप्पा पुलिस की ओर से सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी. चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात दिखे, जो श्रद्धालुओं को कतार बद्ध होकर चलने की सलाह देते रहे. इसके अलावा लगभग तीन किलोमीटर पूर्व ही बड़े वाहनों को रोक दिया गया, ताकि जाम की स्थिति न बने. सुरक्षा व्यवस्था में रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय सदल बल मौजूद रहे.

ब्रीफ खबरें

तालाब में डूबने से मासूम की हुई मौत

विष्णुगढ़। थाना अंतर्गत बनासो के 13 वर्षीय बच्चे रोशन कुमार यादव पिता स्व. नरेश यादव की सोमवार को तालाब में डूबने से मौत हो गयी. मृतक अपने साथियों के साथ बनासो के त्रिभुनी पोखर में नहाने गया था. नहाने के क्रम में लबालब भरे तालाब के गहरे पानी में चला गया और डूबने से उसकी मौत हो गयी. घटना से डरे सहमे साथ नहाने गए उसके साथी चुप चाप अपने अपने घर लौट गए. भयभीत दूसरे बच्चों ने इसकी जानकारी किसी को नहीं दी. अगर बच्चों ने अपने साथी को बचाने के लिए गुहार लगाई होती तो शायद वह बच्चा बच गया होता. बाद में जानकारी मिलने पर ग्रामीण तालाब पहुंचे और उसके शव को निकाला गया.

झारखंड का विकास जयराम से ही संभव

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के युवा मोर्चा केंद्रीय उपाध्यक्ष पनेश्वर महतो ने रामगढ़ जिला के दुलमी प्रखंड अंतर्गत ज़मीरा पंचायत का दौरा किया गया. केंद्रीय उपाध्यक्ष पनेश्वर कुमार महतो ने कहा कि टाइगर जयराम महतो के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है. सभी संप्रदाय के लोगों को साथ देकर टाइगर के हाथों को मजबूत करने की आवश्यकता है, क्योंकि झारखंड का विकास टाइगर जयराम महतो के हाथों ही संभव है. मौके पर मुख्य रूप से प्रवीण कुमार, राम चंद्र महतो, महेंद्र कुमार महतो, शैलेश मुंडा, विकास कुमार, आनंद कुमार, राज कुमार, विनय कुमार, किशुन कुमार आदि उपस्थित थे.

नमो जर्सी व ट्रॉफी के साथ विजेता और उपविजेता टीमों को मिलेगा नकद पुरस्कार

सांसद खेल महोत्सव-2024 कल से

संवाददाता। हजारीबाग

सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सभी पांचों विधानसभा क्षेत्र के सभी 22 प्रखंडों के खिलाड़ियों के उत्थान और सहयोग के साथ उन्हें बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर "सांसद खेल महोत्सव-2024" कराने का संकल्प लिया है, जिसका शुभारंभ 21 अगस्त से हो रहा है. ज्ञात हो कि बतौर सदर विधायक मनीष जायसवाल ने साल 2016 से ही इसकी शुरुआत अपने स्तर से नमो खेल श्रृंखला के माध्यम से की थी. कटकमदाग प्रखंड से कुछ टीमों के साथ शुरू हुए इस आयोजन का विस्तार पूरे सदर विधानसभा क्षेत्र में हुआ और इसमें करीब शत प्रतिशत गांवों की टीमें शामिल होने लगीं. कोरोना काल के दौरान दो साल 2020 और 2021 में यह टूर्नामेंट स्थगित रहा, लेकिन साल 2022 में यह नए स्वरूप में दिखा.

साल 2022 में पहली बार इस टूर्नामेंट का आयोजन हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के बाहर इचाक और डाड़ी प्रखंड में सफलतापूर्वक हुआ. साल 2023 में इस टूर्नामेंट का विस्तार बड़कागांव और केरेडारी प्रखंड में भी हुआ. इस टूर्नामेंट ने जिले के ग्रामीण क्षेत्र में फुटबॉल के प्रति गजब का उत्साह और जुनून खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने उत्पन्न किया. महज़ सात साल (दो साल कोरोना काल को छोड़कर) में ही नमो फुटबॉल टूर्नामेंट ने हजारीबाग जिले का सबसे बड़ा और लोकप्रिय फुटबॉल टूर्नामेंट होने का ख्याति प्राप्त किया. इससे उत्साहित होकर साल 2023 में मनीष जायसवाल ने नमो कैरम, नमो कबड्डी और नमो बॉक्सिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया. साल 2024 में पहली बार हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से सांसद निर्वाचित होने के बाद मनीष जायसवाल ने "सांसद खेल महोत्सव-2024" के तहत नमो खेल श्रृंखला का विस्तार संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में करने का निर्णय लिया. इसके प्रथम चरण की तैयारी पूरी कर ली गई है और जल्द ही रामगढ़, मांडू, हजारीबाग सदर, बड़कागांव और बरही विधानसभा क्षेत्र के सभी 22 प्रखंडों में इसका आयोजन किया जाएगा. सांसद ने इसको लेकर सोमवार को रक्षाबंधन के अवसर पर एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन कर बताया कि इस बार क्षेत्र के करीब 1,000- 1500 (एक हज़ार-पंद्रह सौ) टीमों के 15,000-20,000 (पंद्रह हज़ार-बीस हज़ार) खिलाडियों का समागम इस टूर्नामेंट में होने जा रहा है. इसकी शुरुआत 21 अगस्त को रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गोला प्रखंड से होगी.

द्वितीय चरण का आग्राज 25 अगस्त को मांडू विधानसभा क्षेत्र के कुजू से होगा. इसकी तैयारी नमो खेल श्रृंखला समिति द्वारा पूरी कर ली गई है. हर वर्ष की भांति इस बार भी इस टूर्नामेंट में शामिल होने वाली सभी फुटबॉल टीमों को प्रोत्साहन हेतु एक-एक फुटबॉल और सभी खिलाड़ियों को आकर्षक नमो जर्सी भेंट की जाएगी. प्रत्येक चरण की विजेता टीम को पुरस्कार स्वरूप 25,000 रुपये नकद और ट्रॉफी एवं उपविजेता टीम को 15,000 नकद और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी. टूर्नामेंट के उद्घाटन और समापन पर समारोह आयोजित कर स्थानीय कलाकारों को भी मंच प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया जायेगा. सांसद ने बताया कि इस बार पहली बार यह निर्णय लिया जा रहा है कि टूर्नामेंट के सभी 22 प्रखंडों की विजेता टीमों की एक प्रतियोगिता हजारीबाग में नमो चैंपियंस ट्रॉफी के नाम से आयोजित होगी, जिसके विजेता को विशेष रूप से पुरस्कृत किया जाएगा. उन्होंने यह भी बताया कि फुटबॉल टूर्नामेंट के साथ ही अन्य खेलों में भी प्रतिस्पर्धा का आयोजन कर खेल-खिलाड़ी और खेल प्रेमियों को सम्मान दिया जाएगा. टूर्नामेंट में महिला टीमों के बीच भी प्रतिस्पर्धा होगी.

मौके पर ये गणमान्य लोग रहे मौजूद : भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, रामगढ़ भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, हजारीबाग के भाजयुमो जिला अध्यक्ष राजकरण पांडेय, सुनील मेहता, दामोदर सिंह, अरविंद कुमार पप्पू, साक्षी राणा, भाजपा नेता सुदेश चंद्रवंशी, शिवशंकर गुप्ता, अनिल मिश्रा, दिनेश सिंह राठौर, विजय कुमार, बबन गुप्ता, अशोक कुशवाहा, विनोद भगत, विजय चौधरी, दिलीप गोप, रिंकू वर्मा, अजय पांडेय, अनिल पांडेय, सत्येंद्र सिंह, विनोद ओझा, विक्रमादित्य, रवि यादव, बंटी तिवारी, जयप्रकाश, विजय वर्मा, नंदकुमार नंदू , राजू सिंह , अविनाश कुमार सोनू, अशोक कुशवाहा, बालदेव बाबू, अपूर्व वीर, विवेक जोशी, विशेषांक वर्मा, नमो खेल श्रृंखला से जुड़े रंजित कुमार सिन्हा, दिनेश सिंह, अविनाश कुमार सोनू, रितेश सिन्हा, रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे.

सांसद खेल महोत्सव-2024 के आयोजन को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान मनीष जायसवाल व अन्य.

झामुमो एक परिवारवादी पार्टी है : मनीष जायसवाल

पत्रकार सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के मामले में सांसद मनीष जायसवाल से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि जब घर में घुटन महसूस हो रही हो, घर के सदस्यों से शिकायत हो, उचित मान सम्मान नहीं मिल पा रहा हो तब राजनीति की पराकाष्ठा हो जाती है. झामुमो एक परिवारवादी पार्टी है और महज दो-तीन महीने ही चुनाव में बचे थे लेकिन चंपाई दा को सत्ता से बेदखल कर जेल से आते ही सत्ता हथियाकर न सिर्फ़ परिवारवादी पार्टी होने का संदेश दिया, बल्कि चंपाई दा जैसे नेता के साथ धोखा भी किया. मनीष जायसवाल ने कहा कि हम लोग इन्हें डमी चीफ मिनिस्टर होने का क्लेम करते थे, लेकिन चंपाई दा ने खुद ही इसका खुलासा कर दिया. जेल से हेमंत सोरेन चंपाई सरकार को कंट्रोल करते थे. यह लोकतंत्र के लिए बेहद शर्मनाक और ओछी राजनीति है. ऐसा करने से हर किसी राजनीतिक पार्टी को बचना चाहिए. मनीष जायसवाल ने यह भी बताया कि लोकसभा के प्रथम सत्र में ही उन्होंने जनहित और देशहित से जुड़े 23 प्रश्नों को लोकसभा के सदन पटल पर रखा और तीन गंभीर विषयों पर उन्हें लोकसभा में बोलने का अवसर प्राप्त हुआ. कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ हुए घटना पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सांसद ने कहा कि बंगाल हिंदुस्तान का ही एक राज्य है. यहां कोई तालिबानी शासन नहीं है बावजूद इसके जब एक डॉक्टर के साथ ऐसी निर्मम और जघन्य घटना हो सकती है तो आम आदमी की स्थिति क्या होगी इससे अंदाजा लगा सकते हैं.

करमा में फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

दर्जिचक की टीम करमा को 1-0 से पराजित कर अगले दौर में

संवाददाता। चौपारण

ग्राम पंचायत करमा में स्थानीय मुखिया देवंती देवी के सौजन्य से फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसका उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने किया. इस मौके पर जिला परिषद सदस्य राकेश रंजन, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष राजदेव यादव सहित अन्य उपस्थित रहे. पहला मुकाबला दर्जिचक बनाम करमा के बीच खेला गया. रोमांचक मुकाबले में दर्जिचक की टीम ने करमा को 1 - 0 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया. मौके पर सियाराम सिंह, सतेंद्र सिंह, शिवकुमार यादव, पंकज यादव, कृष्णा यादव आदि मौजूद रहे.

आयोजन को सफल बनाने में बाबूलाल तूरी, विजय भुईयां, अर्जुन साव, सोनू चंद्रवंशी, नरेश भुईयां, तालेश्वर यादव, कृष्ण रवि, रामभरोष भुईयां, मनोज कुमार, प्रदीप गुप्ता, आकाश यादव, नितिश केशरी, सिकेन्द्र चंद्रवंशी, कार्तिक चंद्रवंशी, रामू तूरी, गौतम गुप्ता श्यामलाल तूरी, राजेंद्र साव, लगवीर साहनी, गजाधर यादव, पंकज, डेगन, कृष्ण, बबन, मासूम, रितेश, वकील, अभिजीत आदि की भूमिका रही.

यूथ विंग ने रक्षाबंधन पर बहनों को दी 11 टोटो से निःशुल्क सेवा

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग यूथ विंग की ओर से सोमवार को रक्षाबंधन के अवसर पर शहर की सड़कों पर माता-बहनों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए पूर्व की भांति इस वर्ष भी निःशुल्क 11 टोटो से सेवा प्रदान की गई. इसकी विधिवत शुरुआत क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल की माता जी विद्या जायसवाल ने हरी झंडी दिखाकर की. इससे पहले विद्या जायसवाल का स्वागत संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, कार्यक्रम सहसंयोजक अभिषेक पांडे आदि ने किया. माता-बहनों के साथ ही सांसद मनीष जायसवाल ने भी इस सेवा कार्य की प्रशंसा की. कार्यक्रम के संयोजक के रूप में वीरेंद्र गर्ग उर्फ बिट्टू बिहारी को नियुक्त किया गया था. संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि हम अपनी माताओं और बहनों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए सेवा प्रदान किए हैं. मौके पर सचिव संजय कुमार, उपाध्यक्ष विकास केसरी, कोषाध्यक्ष रितेश खंडेलवाल, कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद खंडेलवाल, गुंजन मद्धेशिया, विकास तिवारी, शम्पा बालाजीतू जैन, अतिशय जैन आदि मौजूद रहे.

कांग्रेस नेता डॉ. मेहता ने जनसंपर्क कर योजनाओं का लाभ लेने की अपील, कहा

झारखंड में फिर बनेगी गठबंधन की सरकार

संवाददाता। हजारीबाग

कांग्रेस नेता डॉ आरसी मेहता ने सोमवार को नगर पालिका क्षेत्र के मतवारी, कुरा, जबर, देवांगन मोहल्ले का दौरा किया. इसी दौरान जबर के सभा में डॉ. मेहता ने कहा कि झारखंड के विभाजन के बाद पहली बार सरकार द्वारा झारखंड वासियों के हित के लिए दर्जनों सौगात दी गई है, जिसमें मंईयां सम्मान योजना महिलाओं के कल्याणकारी योजना है. इसका लाभ सभी परिवार के लोग उठाएं, क्योंकि इस योजना का लाभ लेने के लिए हर वर्ग की 21 से 49 वर्ष की महिलाएं पात्र हैं. इसके लिए एक पासपोर्ट साइज का फोटो, आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक खाता जरूरी है. इसके साथ पंचायत स्तरीय शिविर में जाकर ऑनलाइन या ऑफलाइन फार्म भर सकते हैं. इसमें माता पिता के राशन कार्ड का उपयोग कर सकते हैं. डॉ. मेहता ने कहा कि अबुआ आवास सभी कच्चे घर वाले लोगों को मिलेगा. इसके साथ ही 2 लाख तक कृषि कर्ज माफी, 200 यूनिट निशुल्क बिजली, सभी वर्ग की महिलाओं को पेंशन, संपूर्ण झारखंड में यात्री बस की सुविधा लाखों लोगों को राज्य सरकार दे रही है. हजारीबाग जिला वासियों को नगवा टोल टैक्स फ्री किया गया है. डॉ मेहता ने कहा कि इन्हीं जन कल्याणकारी योजनाओं को लेकर कांग्रेस पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में जाएगी और निश्चित तौर पर चुनाव जीतकर पुनः गठबंधन की सरकार बनेगी. इसमें कांग्रेस की भूमिका अहम होगी. जनसंपर्क अभियान में मुख्य रूप से सदर प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष राजीव मेहता, कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष संजय दास, शिक्षा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष ब्रजकिशोर मेहता आदि मौजूद रहे.

जनसंपर्क अभियान के दौरान कांग्रेस नेता डॉ. आरसी मेहता व अन्य.

गांव में घुसा बारिश का पानी, ग्रामीणों में भय

सतगावां(कोडरमा)। रविवार अहले सुबह हुई मूसलाधार बारिश से कई जगहों पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई. इसके साथ ही पेट्रो जलप्रपात में बाढ़ जैसे हालात बन गए. गांव के गली-मोहल्लों में जगह-जगह गड्ढे में पानी भर गया, जिससे लोगों को आवागमन करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. वहीं खेतों में लबालब पानी भर गया. गांव में पानी के घुसने के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है. ग्राम नौवाचक में महावर से निकलने वाला बाढ़ का पानी ककराही सोत होते हुए शिवपुरी होकर सकरी नदी में गिरता था, जिससे सैकड़ों एकड़ भूमि सिंचित और लाभान्वित होती थी. सोत का रास्ता बंद होने के कारण पानी गांव के घरों में घुस गया है. इसके कारण न केवल ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी हो रही है, बल्कि गांव में दहशत का माहौल है.

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने लिया जायज़ा, अधिकारियों से जल्द करेंगे कार्रवाई की अपील

पगमिल रोड पर जलभराव के खिलाफ प्रदर्शन

संवाददाता। हजारीबाग

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने सोमवार को पगमिल रोड स्थित हासमियां कॉलोनी का दौरा किया, जहां स्थानीय निवासी गंदे पानी के जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं. इस दौरान समाजसेवी संजर मलिक भी मौजूद थे, जिन्होंने नगर निगम और स्थानीय प्रशासन की उदासीनता के खिलाफ गंदे पानी में लेटकर विरोध प्रदर्शन किया.

बता दें कि पगमिल रोड, हजारीबाग, कटकमसाड़ी और चतरा के बीच का मुख्य मार्ग है, जो इस बरसात में तालाब या नदी जैसा बन चुका है. इसके कारण आम जनता को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. विशेष रूप से पगमिल के निवासियों को, जिनके घरों और दुकानों में पानी भर रहा है. इस स्थिति की जानकारी मिलते ही मुन्ना सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे. उन्होंने समाजसेवी संजर मलिक और स्थानीय निवासियों से मुलाकात की और समस्या की गंभीरता को समझा. मुन्ना सिंह ने उन्हें आश्वासन दिया कि इस समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा. उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे और आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रशासन से तुरंत मुलाकात करेंगे.

मुन्ना सिंह के आश्वासन के बाद संजर मलिक और स्थानीय निवासियों ने अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त किया. इसके बाद स्थानीय लोगों ने अपने घरों में पानी भरने की समस्या और अन्य कठिनाइयों को लेकर मुन्ना सिंह से अपनी पीड़ा साझा की. मुन्ना सिंह ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वे इस मुद्दे पर संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाएंगे.

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह हासमियां कॉलोनी में लोगों की समस्या सुनते हुए.

आस्था वात्सल्य पर्व रक्षाबंधन पर मुनि आहार चर्या , बड़ी संख्या में श्रद्धालु हुए शामिल

151 भाई-बहन के जोड़ों ने कराया मुनि श्री को आहार

संवाददाता। हजारीबाग

परम पूज्य चर्या शिरोमणि आचार्य गुरुवर 108 श्री विशुद्ध सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 सुयश सागर महाराज और छुल्लक 105 श्रेय सागर महाराज का चातुर्मास हो रहा है. बताते चलें कि जैनियों के 11वें तीर्थंकर श्री 1008 श्रेयांश नाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक तथा अकम्पनाचार्य आदि 700 मुनियों पर हुए उपसर्ग के निवारण वाले पावन दिन स्नेह, वात्सल्य पर्व रक्षा बंधन को श्री दिगंबर जैन पंचायत हजारीबाग ने महा महोत्सव के रूप में मनाया. सोमवार को प्रातः काल की बेला में सर्वप्रथम बडम बाजार में कलश अभिषेक व शांतिधारा मुनि श्री के सानिध्य में होगा हुआ. तत्पश्चात मुनि श्री के मंगल सानिध्य में श्री 1008 पार्श्वनाथ जिनालय बड़ा बाजार में महामस्तकाभिषेक शांति धारा तथा निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा तत्पश्चात प्रवचन तथा आहार चर्या हुआ. आहार चर्या में 151 भाई बहन के जोड़ों तथा अन्य पडगाहन में शामिल लोगों ने मुनि श्री तथा क्षुल्लक महाराज का पडगाहन किया. यह दृश्य अत्यंत ही मनमोहक लग रहा था. जिस भाई बहन के जोड़े से महाराज श्री की विधि मिली उन्हीं को सर्वप्रथम पाद प्रक्षालन, पूजन तथा प्रथम आहार देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. तत्पश्चात बाकी जोड़े व अन्य लोगों को क्रमशः दस-दस की पंक्ति में आहार देने दिया गया. मुनि आहार की सारी व्यवस्था दिगंबर जैन भवन बड़ा बाजार के ऊपरी ताले में की गई, जिससे व्यवस्था सुचारु रूप से चल सका. इस कार्य में समाज के कई कार्यकर्ताओं ने अपना योगदान दिया.

पडगाहन व आहारचर्या का दृश्य अद्भुत ऐतिहासिक रहा, जिसको देखने के लिए काफी संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित थे. पडगाहन और मुनि आहार के दौरान व्यवस्था बनाई गई जिसके लिए दिगंबर जैन पंचायत के सभी सदस्यगण एवं वर्षा योग कमेटी के सभी लोगों का सराहनीय योगदान रहा. संध्या में महा सौभाग्यशाली जोड़े जिनके द्वारा पडगाहन में विधि मिली उनका णमोकार चालीसा के पश्चात वर्षा योग कमिटी द्वारा विशेष सम्मान किया जाएगा. उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी राजेश लुहाड़िया द्वारा दी गई.

एकल विद्यालय की आचार्यों ने पुलिसकर्मियों को बांधी राखी

संवाददाता। विष्णुगढ़

रक्षा बंधन के पावन मौके पर राष्ट्रीय स्वयं संघ से जुड़े एकल विद्यालयों की आचार्यों ने थाने के पुलिसकर्मियों को राखी बांधी और उन्हें मिठाइयां खिलाईं. यह परंपरा गुजरे कई वर्षों से यहां जारी है. इससे आचार्यों के भीतर सुरक्षा की भावना बलवती होती ही है, अपने परिवार से दूर कर्तव्य पर तैनात पुलिसकर्मियों को बहनों से दूरी की कुछ हद तक भरपाई भी होती है. इस अवसर पर भाजपा नेता सुशील कुमार महतो ने कहा कि रक्षा बंधन का त्योहार न केवल भाई बहन के प्रेम का पैगाम देता है, बल्कि बहनें इसे अपनी सुरक्षा कवच मानती हैं. इस विशेष मौके पर संघ के खंड कार्यवाह रणधीर कुमार, सह खंड कार्यवाह विकास कुमार, जिला बौद्धिक प्रमुख संतोष कुमार, महेंद्र नारायण सिंह, चेडरा के मुखिया निर्मल कुमार व सुरेश कुमार महतो मौजूद थे. महेंद्र नारायण सिंह उपस्थित थे. इनके साथ चेडरा मुखिया निर्मल कुमार, जिला बौद्धिक प्रमुख संतोष कुमार, खंड कारवां के प्रमुख रणधीर कुमार और सह खंड कारवां विकास कुमार और सुरेश कुमार महतो भी मौजूद थे.

पुलिस कर्मियों को राखी बांधने पहुंचीं महिलाएं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष नया आय के लिए दिन अच्छा है. कोई बड़ा कार्य होगा. नौकरी में पदोन्नति होगी, बेरोजगारी दूर होकर प्रसन्नता बनी रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. बाहरी सहयोग से कार्य होगा. नए कार्य की शुरुआत हो सकती है. यात्रा लाभदायक रहेगी.

वृष शेयर बाजार से लाभ का योग है. पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. किसी संत से शुभ ज्ञान प्राप्त होगा. पुराने भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी. आत्मविश्वास बढ़ता है. व्यवसाय ठीक है. चिंता और तनाव रहेगा.

मिथुन धर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. अप्रत्याशित लाभ होगा. बेरोजगारी दूर होगी. कार्य और समय को लेकर सक्रिय रहना होगा. परिवार की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी.

कर्क बिना वजह विवाद हो सकता है. इससे बचना होगा. अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे. स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. कार्य में बाधा होगी. धन और कीर्ति की हानि हो सकती है. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें.

सिंह जीवनसाथी के साथ कोई यात्रा का योग बन सकता है. काम में मन लगेगा. वरिष्ठजनों का सहयोग प्राप्त होगा. कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी. यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे. फालतू बातों पर ध्यान न दें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी.

कन्या मान-सम्मान में वृद्धि होगी. बेरोजगारी दूर होगी. नेत्र व मस्तिष्क दर्द हो सकता है. व्यावसायिक कठिनाई दूर होगी. चिंता कम रहेगी. प्रसन्नता बनी रहेगी. कार्य में लगन बढ़ेगा. गणेश जी पर दूब हल्दी अर्पण करें.

तुला समय सामान्य है. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपनों से सहयोग नहीं मिलेगा. चिंता रहेगी. विस्तार कार्यों में देरी हो सकती है. हिम्मत रखो. नकारात्मकता बढ़ेगी. आपके कार्य और प्रभाव से व्यवसाय ठीक है.

वृश्चिक किसी से विवाद और उससे मानहानि का संभावना है. कोर्ट कचहरी में सफलता हासिल होगी. परिवार में आनंदोत्सव हो सकता है. कुछ दिक्कतों के साथ लाभ में वृद्धि होगी. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. निवेश शुभ रहेगा.

धनु उन्नति के प्रयास कोमल रहेंगे. रोजगार में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. भूमि और भवन संबंधी बाधा दूर होंगी. यात्रा, निवेश और नौकरी मनोनुकूल लाभ होगा. विरोधी अनुकूल रहते हैं. उनकी तोपें घोंम रहेंगी.

मकर मित्र व संबंधियों से लाभ होगा. कोर्ट कचहरी के काम निबटेंगे. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा से लाभ होगा. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. थकान रहेगी.

कुंभ रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. आय में वृद्धि होगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा अनुकूल रहेगी. बेचैनी रहेगी. अपनों से संबंध बिगड़ सकते हैं. वाणी पर नियंत्रण रखें. कोई नया कार्य होगा जिसका लाभ होगा.

मीन आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरी में काम का दबाव अधिक हो सकता है. आय में वृद्धि होगी. परहित के काम करने का मौका मिल सकता है. मंदिर में अन्न का दान करें.

मनोज अग्रवाल राजद की प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य मनोनीत

रांची । झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव ने लालपुर निवासी स्व. सत्य नारायण अग्रवाल के पुत्र मनोज अग्रवाल को अगले आदेश तक झारखंड प्रदेश राज्य कार्य समिति का सदस्य मनोनीत किया है. मनोज अग्रवाल के मनोनयन पर प्रदेश महासचिव आबिद अली, प्रणय कुमार, संतोष कुमार, शब्बर फातमी, शहबाज अहमद, अर्जुन यादव आदि ने बधाई दी है.

आज से राज्य के सरकारी चिकित्सक बायोमीट्रिक अटेंडेंस का करेंगे बहिष्कार

रांची। राजधानी रांची के आइएमए भवन में आईएमए और जेएसएचएसए की आकस्मिक बैठक हुई. इसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि मांगों को नहीं माने जाने की स्थिति में 20 अगस्त से राज्य के सभी सरकारी चिकित्सक बायोमीट्रिक अटेंडेंस का बहिष्कार करेंगे. डॉक्टरों ने कहा कि अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा व ईमानदारी से करेंगे. अपनी उपस्थिति ऑफलाइन उपस्थिति पंजी में दर्ज करेंगे. लेकिन ऑनलाइन बायोमीट्रिक अटेंडेंस नहीं बनाएंगे. इससे संबंधित ज्ञापन स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को 16 अगस्त को सौंपा जा चुका है. इसी के आलोक में 20 अगस्त से झारखंड राज्य के सभी सरकारी चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से करेंगे. अपनी उपस्थिति ऑफलाइन उपस्थिति पंजी में दर्ज करेंगे.

मना करने के बावजूद खतरे के निशान को किया पार, छूकर निकल गयी मौत,जेटीडीसी के कर्मियों ने दिखाई हिम्मत

लोध फॉल घुमने आये बालूमाथ के दो पर्यटक डूबने से बचाये गये

लोध फॉल में फंसे युवकों को निकालते जेटीडीसी के कर्मचारी.

आशिष टैगौर। लातेहार

झारखंड का सबसे ऊंचा जल प्रपात लातेहार के महुआडांड़ में है. इसे लोध फॉल के नाम से जाना जाता है. हालांकि बूढ़ा नदी से निकलने के कारण इसे बूढ़ा घाघ भी कहते हैं. इन दिनों हो रही लगातार बारिश के कारण यह पूरे उफान पर है. अभी इसकी सुंदरता देखते ही बन रही है. इसका सौंदर्य बारिश ने बढ़ा दिया है. यही कारण है कि यहां इस मौसम में काफी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं. रविवार को भी यहां काफी संख्या में पर्यटक आये और लोध फॉल का नजारा किया. लेकिन इनमें से दो पर्यटक मना करने के बावजूद भी खतरे के निशान से आगे निकल गये और बाढ़ में फंस गये. इनकी पहचान बालूमाथ प्रखंड कर्मियों ने उन्हें आगे जाने से मना किया. पानी का बहाव कम नहीं हुआ.

जेटीडीसी कर्मियों ने बचायी दोनों की जान

जब इसकी जानकारी जेटीडीसी के कर्मियों को लगी तो वे मौके पर पहुंचे. जेटीडीसी कर्मी मनोज मिंज, दिलीप तिर्की, एडवर्ड तिर्की, अशोक तिर्की मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद उन दोनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला. बता दें कि बारिश के दिनों में लोध जलप्रपात की खूबसूरती पूरे शबाब पर रहती है. प्रति दिन हजारों पर्यटक यहां आते हैं. लेकिन कई पर्यटक ऐसे भी होते हैं तो सुरक्षा कर्मियों की बात नहीं सुनते हैं और अपनी जान जोखिम में डाल कर लोगों को परेशान करते हैं. सुरक्षा कर्मियों ने यहां नियमों का पालन करने की अपील पर्यटकों से की है.

सभी राजनीतिक दलों की ट्राइबल वोट बैंक पर है नजर

झारखंड की राजनीति में पासा पर पासा फेंका जा रहा

- भाजपा में तीन पूर्व ट्राइबल सीएम, चौथे के आने की तैयारी

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले पासा पर पासा फेंका जा रहा है. पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के फैसले पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं. इसकी सबसे बड़ी वजह ट्राइबल वोट बैंक है. वैसे तो भाजपा में तीन पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, बाबूलाल मरांडी और मधु कोड़ा ट्राइबल ही हैं. अब राजनीतिक गलियारों में चर्चा यह है कि भाजपा पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के जरिये कोल्हान में ट्राइबल वोट बैंक में सेंधमारी करना चाहती है. भाजपा को झामुमो से मुकाबला करने के लिए बड़े ट्राइबल लीडर की जरूरत है. चंपाई सोरेन जिस कोल्हान इलाके से आते हैं, उस क्षेत्र में विधानसभा की 14 सीटें हैं. चंपाई सोरेन सात बार के विधायक भी हैं. राजनीतिक गलियारों में इस बात की भी चर्चा तेज है कि हेमंत सोरेन के लिए चंपाई सोरेन बहुत बड़ी बाधा नहीं बनने जा रहे हैं.

विधानसभा की 28 सीटें ट्राइबल के लिए हैं आरक्षित : झारखंड की कुल विधानसभा सीटों में से 28 सीटें ट्राइबल के लिए आरक्षित हैं. पिछले विधानसभा चुनाव में कोल्हान और संताल परगना की सभी ट्राइबल सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था. वहीं दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल में भाजपा को सिर्फ दो सीटों पर ही जीत मिली थी. लोकसभा चुनाव में भी ट्राइबल सीटें इंडी गठबंधन के खाते में गईं थीं. इस कारण भाजपा ट्राइबल वोट बैंक पर सेंधमारी करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है.

चंपाई ने सिर्फ तोड़ी है चुप्पी

हालांकि चंपाई सोरेन ने अभी सिर्फ चुप्पी तोड़ी है. पिक्चर क्लीयर नहीं हुआ है. लगभग डेढ़ महीने बाद चंपाई सोरेन का गुस्सा फूटा है. सिर्फ अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों के घटनाक्रम को लेकर अपनी पीड़ा का इजहार किया है. चंपाई सोरेन के ताजा रुख को लेकर हेमंत सोरेन की भी राय आ चुकी है. लेकिन अभी तक चंपाई सोरेन ने अपने अगले कदम के बारे में नहीं बताया है.

तीन पूर्व सीएम कोल्हान में करते रहे हैं राजनीति

इससे पहले तीन पूर्व सीएम कोल्हान में राजनीति करते हैं. जिसमें पूर्व सीएम रघुवर दास, अर्जुन मुंडा और मधु कोड़ा शामिल हैं.एक दौर ऐसा भी था, जब मधु कोड़ा अकेले दम पर सीएम बन गए थे. चंपाई सोरेन भी कोल्हान से ही आते हैं. वे उस ईलाके के चौथे ऐसे नेता हैं, जिन्होंने सीएम की कुर्सी संभाली थी.

झामुमो ने भी कसा है तंज

झामुमो ने भी सोशल मीडिया पर तंज कसा है. लिखा है कि झारखंड भाजपा में पूर्व मुख्यमंत्रियों की भरमार है. पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा जी (पिछले रास्ते से दल में), पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास और उसके ऊपर सुपर सीएम हैं ही, हिमंता बिस्वा सरमा जी. अब लग रहा है कि एक- दो और पूर्व को गवर्नर बना राज्य निकाला दिया जाएगा.

वीरता पदक पानेवाले झारखंड के 49 पुलिसकर्मियों को मिली प्रोन्नति

संवाददाता। रांची

वीरता पदक पाने वाले झारखंड के 49 पुलिसकर्मियों को प्रोन्नति मिली है. इसे लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता की अध्यक्षता में 16 अगस्त को झारखंड पुलिस मुख्यालय में बैठक हुई थी. इसमें राष्ट्रपति पुलिस पदक और पुलिस पदक से सम्मानित पुलिसकर्मियों और पदाधिकारियों को प्रोन्नति देने की अनुमति दी गयी थी. इनमें सत्येंद्र प्रसाद को डीएसपी रैंक में प्रोन्नति दी गयी है.

एसआई से इंस्पेक्टर रैंक में मिली प्रोन्नति : अजय ठाकुर, पंकज कुमार, सुबोध लकड़ा, आलोक कुमार दुबे, जॉन मुर्मू, अरुण कुमार, सनोज कुमार, प्रकाश रजक और हरि प्रसाद सिंह.

इन सब इंस्पेक्टरों को मिली प्रोन्नति : सुबोध लकड़ा, बिहारी मरांडी, प्रकाश रजक.

इन एएसआई और सिपाही को मिली प्रोन्नति

सिपाही ब्रजेश लेप्चा, सिपाही सेम टोपनो, सिपाही राजू सोय, एएसआई अवधेश झा, सिपाही अनुज कुमार, सिपाही जयप्रकाश सिंह, सिपाही सचिंद्र कुमार, चालक मदन प्रसाद, सिपाही रंजीत कुमार, सिपाही बलराम दास, सिपाही प्रमोद यादव, , हवलदार राधे श्याम प्रसाद, सिपाही रितुल कुमार, सिपाही रिंकू कुमार, सिपाही जीवन किस्पोट्टा, एएसआई अभिशेष कुमार, सिपाही मनीष रजवार, सिपाही अनोज कुमार, सिपाही नरेश तिग्गा, सिपाही इंद्रजीत तिवारी, सिपाही श्यामनंद प्रसाद, सिपाही छोटू यादव, सिपाही मिथुन कुमार, सिपाही मनोज कुमार, सिपाही हेमंत कुमार, सिपाही अजीत कुमार, सिपाही संजीव कुमार, हवलदार जुरेंद्र सोय, सिपाही शशिरंजन कुमार, सिपाही राजेश साहू, सिपाही तसादुक अंसारी, सिपाही रोहित रजक, सिपाही हीरालाल ठाकुर और सिपाही अनिरुद्ध ओझा.

बाइक सवार टकराया पेड़ से, एक की मौत

बालूमाथ (लातेहार) । बालूमाथ चतरा मुख्य मार्ग में बरछिया पुल के समीप पेड़ से मोटरसाइकिल की टक्कर हो जाने से उसमे सवार बारीबान्ध निवासी रामकेश उराँव की मौत हो गई. जबकि एक अन्य मोटरसाइकल सवार बबलू उराँव गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के संबंध में बताया जाता है कि दोनों व्यक्ति आपस मे साढू थे. दोनों अपने ससुराल रोनहे से बाइक में सवार होकर डुमरा बारियातू वापस लौट रहे थे. मोटरसाइकल की तेज रफ्तार होने से बाइक चालक मोटरसाइकल से नियंत्रण खो दिया और बरछिया पुल से टकरा गया. टक्कर इतनी जबरदस्त थीं कि बारीबान्ध निवासी रनथु उराँव के पुत्र रामकेश उराँव गंभीर रूप से घायल हो गया.

जेबीकेएसएस-जेएलकेएम प्रखंड कमेटी का विस्तार होगा

संवाददाता। कुंदा (चतरा)

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस)/झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के चतरा जिला अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों में कमेटी विस्तार का कार्य 20 से 22 अगस्त तक किया जाना है. इसका उद्देश्य संगठन के ढांचे को मजबूत करना और जनसरोकारों को अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना है. कमिटी विस्तार को लेकर नगर जिलाध्यक्ष सुनील महतो एवं ग्रामीण जिलाध्यक्ष कैलाश कुमार महतो द्वारा विभिन्न प्रखंडो में कमिटी विस्तार को लेकर पदाधिकारियों एवं सक्रिय सदस्यों की अलग-अलग प्रखंडो के लिए टीम गठित की गई है. इसकी जानकारी चतरा विधानसभा के भावी प्रत्याशी अशोक भारती ने देते हुए बताया कि विधानसभा का चुनाव महज कुछ महीनों में होनी हैं. ऐसे में मजबूत कमिटी का विस्तार कर जयराम महतो के विचारों को झारखंड के सभी जन तक पहुंचाना है व विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन कर एक आंदोलनकारी पार्टी की जीत दिलाने और झारखंड के नये विकल्प के तौर पर बनी पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी पार्टी के सुप्रीमो के हाथों को मजबूत कर झारखंड को एक नई दिशा में ले जाने कर प्रयास करेंगे.

भद्रकाली मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता। इटखोरी (चतरा)

सोमवार को सावन पूर्णिमा के पावन अवसर पर इटखोरी प्रखंड मुख्यालय स्थित माता भद्रकाली मंदिर में पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. अहले सुबह से श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने का सिलसिला प्रारंभ हुआ, जो शाम तक जारी रहा. श्रद्धालु माता भद्रकाली की पूजा-अर्चना करने के पश्चात मंदिर परिसर स्थित शहस्त्र शिवलिंग 1008 महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया. इस दौरान श्रद्धालुओं ने परिसर स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर, कौठेश्वर नाथ मंदिर, राम जानकी, शनिदेव मंदिर, छोटा हनुमान मंदिर, सुफल नाथ मंदिर समेत अन्य देवालयों में भी पूजा-अर्चना की. इस अवसर पर झारखंड के अलावा बिहार व बंगाल से भी श्रद्धालु माता के दरबार में पहुंच कर पूजा अर्चना के साथ अन्न दान किया. वहीं भीड़ ज्यादा होने के कारण प्रशासन ने विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए श्रद्धालुओं को कतारबद्ध करवा कर मंदिर में प्रवेश करवाया.

महादेव मठ में जलाभिषेक करने को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

कुंदा (चतरा)। सावन के अंतिम सोमवारी व श्रावण पूर्णिमा पर कुंदा प्रखंड अंतर्गत ऐतिहासिक तीर्थ स्थल महादेव मठ में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया. श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और जलाभिषेक कर अपनी मनोकामनाएं पूरी करने की प्रार्थना की. महादेव मठ की बड़ी विशेषता है की यह तीनों ओर से पहाड़ों से घिरा हुआ है और नीचे से झरना बहता है, जो इसकी प्राकृतिक सुंदरता में चार चांद लगाता है, जो यहां पहुंचने वाले पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र होता है. महादेव मठ के पुजारी ने बताया कि सावन व फाल्गुन के महीने में यहां श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ जाती है, क्योंकि लोग भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए यहां विशेष रूप से आते हैं. महादेव मठ की प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व के कारण यह तीर्थ स्थल पर्यटकों व श्रद्धालुओं के लिए एक आकर्षक स्थल बन गया है. वहीं सावन पूर्णिमा के अवसर पर तीर्थ स्थल में मठ कमेटी की ओर से हरि कीर्तन के साथ भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया. इस अवसर पर जेतेन्द्र गुप्ता, लवकुश गुप्ता, समेत कई अन्य सदस्यों ने सहयोग किया.

पेज एक का शेष

विकल्पों की तलाश में जुटे चंपाई...

गीता को तोड़ कर भाजपा लाई, पर नहीं मिली सफलता : लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा ने कांग्रेस सांसद गीता कोड़ा को अपने खेमे में शामिल कर सिंहभूम से प्रत्याशी भी बनाया, लेकिन गीता हार गयीं. ऐसे में भाजपा की बौखलाहट और बढ़ गयी. पार्टी का प्रदेश से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक येन-केन प्रकारेण कोल्हान में अपनी पकड़ मजबूत बनाने को बेचैन हो गया है. भाजपा की निगाहें झामुमो विधायकों पर ही हैं. भाजपा कोल्हान के झामुमो विधायकों के साथ ही साथ संथाल व दक्षिण छोटानागपुर की कुछसीटों से भी झामुमो विधायकों को अपने पाले में लाने की जुगत में तो है, लेकिन खुल कर कुछ बोलती नहीं. वैसे भी लोकसभा चुनाव में सभी पांची एसटी आरक्षित सीटें हारने के बाद भाजपा विस चुनाव में 28 एसटी आरक्षित सीटों पर नजर गड़ाए हुए है. भाजपा की रणनीति झामुमो विधायकों को तोड़ कर सियासी भूचाल लाने की है, लेकिन कितना सफल हो पाती है, यह तो आनेवाला वक्त ही बताएगा. वैसे भी झामुमो विधायकों के पाला बदलने की तैयारी की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं और इसमें एक राष्ट्रीय पार्टी का ही हाथ बताया जा रहा है.

बेटे का राजनीतिक करियर संवारने को ब्याकुल हैं चंपाई : दरअसल पूर्व सीएम चंपाई सोरेन अपने बेटे का राजनीतिक करियर बनाने के लिए भी ब्याकुल हैं. उनकी चाहत है कि खुद सरायकेला सीट से तो लड़े हीं, बेटे को भी घाटशिला या पोटका से चुनाव लड़ाना चाहते हैं. हालांकि खुल कर तो कुछ नहीं बोलते, क्योंकि उन्हें मालूमन है कि दोनों सीटें झामुमो की जीती हुई सीटें हैं, ऐसे में उनके बेटे को झामुमो से मौका मिल पाएगा इसमें संदेह ही है. इसलिए वे तीन विकल्पों की बात कह रहे हैं.

नई पार्टी बनाने की कूबत नहीं, संन्यास तबतक नहीं, जबतक...? : राजनीतिक विश्लेषकों की मानें, तो चंपाई में नई पार्टी बनाकर चुनावी समर में उतरने की कूबत नहीं है. संन्यास तब तक नहीं लेंगे, जबतक कि अपनी राजनीतिक विरासत बेटे को न सौंप दें. ऐसे में उनके लिए तीसरा विकल्प ही ज्यादा आसान लगता है. ऐसे में जिस साथी की बात वे इशारों -इशारों में ही कर रहे हैं, वह भी उन्हें आसानी से लपक ले, ऐसा भी लगता नहीं. वह साथी भी उन्हें पार्टी में लाने के नफा-नुकसान का आकलन करके ही कोई फैसला लेगा.

चंपाई व चंचल की चंचलता

हेमंत के विश्वसनीय तमाम सलाहकार, पार्टी नेताओं और ब्यूरोक्रेट्स को किनारे कर दिया गया और कड़वाहट बढ़ती चली गयी. कई को कई मौके पर अपमानित भी किया गया. खैर, पांच माह बाद हेमंत सोरेन जेल से जमानत पर छूटे. क्या चंपाई सोरेन को यह नहीं पता था कि 2019 में किसके नाम पर वोट मिला था. झामुमो को सबसे अधिक सीटें मिली थी. पता था, वह पद भी छोड़ना चाहते थे, लेकिन 'चंचलता' यहां भी हस्तक्षेप कर गयी. और वह न तो पद छोड़ने को तैयार हुए ना ही कामकाज के तरीकों को बदलने को राजी थे. 'चंचलता' हर जगह हावी रही. यहां तक कि इंडिया गठबंधन की पार्टियां जिस नये कानून का विरोध करती रही है, उसके लागू होने पर स्वागत में अखबारों में पहले पन्ने का विज्ञापन जारी कर दिया गया. संभव है एक राज्य के तौर पर यह सही हो पर पार्टी के तौर पर!

चंपाई सोरेन को इस बात की तकलीफ है कि वह मुख्यमंत्री थे, लेकिन विधायक दल की बैठक की जानकारी उन्हें नहीं थी. शायद वह भूल गये, जब इंडिया गठबंधन के तमाम विधायकों ने हस्ताक्षर कर दिये थे और हेमंत सोरेन ने बिना किसी से पूछे चंपाई सोरेन का नाम कागज पर लिख दिया था. तब कौन सा लोकतांत्रिक तरीके से विधायक दल के नेता का चुनाव हुआ था?

राजनीति चिराग पासवान और पार्टी के चारों सांसदों का होगा नागरिक अभिनंदन

चिराग 25 को रांची में, विस चुनाव को लेकर बनाएंगे रणनीति

संवाददाता। रांची

लोक जनशक्ति पार्टी (रा.) की झारखंड प्रदेश कमेटी का बैठक प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में संपन्न हुई. बैठक में बताया गया कि 25 अगस्त को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय फूड प्रोसेसिंग उद्योग मंत्री चिराग पासवान व पार्टी के चारों सांसदों का रांची आगमन हो रहा है. उनके नागरिक अभिनंदन को लेकर विमर्श किया गया.

बताया गया कि झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर मजबूत अगली रणनीति तय करने के लिए झारखंड की राजधानी रांची में आगमन होने जा रहा है, जिसे सफल बनाने हेतु पार्टी के झारखंड प्रदेश के तमाम जिला अध्यक्षों की राय एवं विचार विमर्श के साथ ही तैयारी समिति की गठन की गई. बैठक में पलामू अध्यक्ष सह मजदूर नेता राकेश सिंह शामिल हुए. अपने संबोधन में राकेश सिंह ने कहा कि झारखंड विधानसभा 2024 को है, जो लोकसभा 2024 चुनाव में 100% अपना परिणाम जनता के जनादेश से प्राप्त किया है. हम सभी मजबूती से पलामू की धरती पर जनमानस के लिए कार्य करेंगे तो निश्चित रूप से जय लोजपा तय लोजपा सुनिश्चित होगा.

राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान एवं पार्टी के चारों संसद के आगमन पर पलामू जिले से सैकड़ो कार्यकर्ता आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे. बैठक में प्रदेश प्रवक्ता उमेश तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष रामजी पासवान, उमेश पासवान, संतोष कुमार सिंह सहित पूरे राज्य से सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे.

लोक जनशक्ति पार्टी (रा.) की बैठक में शामिल नेता व कार्यकर्ता.

खास बातें

- झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर हुई बैठक में चर्चा
- पलामू की पांचों विधानसभा सीट पर पार्टी की नजर

मजबूत स्थिति में लड़ने के लिए पार्टी की ओर से जो भी निर्देश प्राप्त होगा, हर संभव हमारे द्वारा पालन किया जाएगा. साथ ही पलामू की पांचों विधानसभा सीट पर पार्टी द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाकर उम्मीदवार चयनित किया जाएगा. लोक जनशक्ति पार्टी एकमात्र पार्टी

गढ़वा में ट्रेन की चपेट में आने से मौत

गढ़वा। सदर थानांतर्गत नवादा गांव निवासी राजूराम का पुत्र 20 वर्षीय संदीप कुमार की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हो गई. घटना के संबंध में बताया गया कि संदीप कुछ दिन पहले बाहर से काम कर घर आया था. घर आने के बाद से उसकी मानसिक स्थिति कुछ ठीक नहीं रहता था. वह अपने घर से निकलकर कहीं जा रहा था. उसी दौरान संदीप ट्रेन की चपेट मेंआ गया. जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने मौके पर पहुंच शिनाख्त की. उसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया. वहीं मौत की खबर सुनकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. जबकि नवादा गांव में भी लोग मृतक को लेकर कई तरह की चर्चा.

फिर कोई निर्भया न बने

सर्वोच्च अदालत ने कोलकाता के मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वतःसंज्ञान ले लिया है. उम्मीद की जा सकती है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाली यौन हिंसा रूक सकेगी. गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि आखिर देश की कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा को ले कर चिंताजनक वातावरण क्यों बन रहा है. सवाल तो यह है कि देश कितनी निर्भयाओं की त्रासदी देखेगा. क्या देश में ऐसा वातावरण तैयार हो सकेगा कि दिन या रात किसी भी समय लड़कियां स्वयं को सुरक्षित महसूस करें. कोलकाता की घटना ने निर्भया त्रासदी की पुनरावृत्ति कर दी है. क्या देश यह संकल्प लेने को तैयार है कि देश के किसी भी कोने में महिलाओं के साथ होने वाली त्रासदी राष्ट्रीय त्रासदी की तरह देखी जाएगी. या फिर सियासी कामयाबी-नाकामयाबी के बीच कोलकाता की निर्भया का मामला भी यूं ही जाया हो जाएगा. जरूरत इस बात की है कि घटना कोलकाता की हो या बिहार की या देश के किसी भी हिससे की, सबों के स्थायी निदान की दिशा में ठोस, कानूनी और प्रभावशाली पहल की जाए. ऐसा तो नहीं हो सकता कि पहलवान बेटियों को उत्पीड़ित करने वालों को संरक्षण मिले और राजनीतिक लाभ के लिए किसी राज्य की त्रासदी का इस्तेमाल हो. यह एक संजीदा समय है, जिसमें देश की बेटियां इंसाफ की मांग कर रही हैं और इस दिशा में कदम उठाने के लिए केंद्र और सभी राज्य सरकारों के साथ सभी राजनीतिक सामाजिक संगठन ठोस पहल के लिए साथ आएं. कोलकाता को अपने 'निर्भया क्षण' से गुजरना पड़ रहा है. वहां के मशहूर आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और फिर उनकी हत्या के मामले ने सारे देश को झकझोर दिया है. घटना के विरोध में देश भर में डॉक्टरों ने कार्य बहिष्कार कर आक्रोश प्रकट किया. लोगों के भड़के गुस्से के कारण मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी पुलिस को चेतावनी देनी पड़ी है कि हफ्ते भर के अंदर उसने मामला नहीं सुलझाया तो वे जांच सीबीआई को सौंप देंगी. उधर उनके भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख नेता अभिषेक बनर्जी ने तो मांग कर दी है कि ऐसे जुर्म में शामिल 'अपराधियों' को 'एनकाउंटर' करने का कानून बनाया जाना चाहिए. उनका 'एनकाउंटर' करने से मतलब शायद यही है कि जिस पर मुजरिम होने का शक हो, उसे सीधे गोली मार दी जाए. भारत में पिछले डेढ़ दशक से बनी राजनीतिक संस्कृति में ऐसी बातें स्वीकार्य हो गई हैं. वरना, इस तरह की सोच कानून के राज के मूलभूत सिद्धांत के विरुद्ध हैं और अक्सर ऐसी बातें प्रशासनिक नाकामी पर परदा डालने के लिए कही जाती हैं.मुद्दा यह है कि अगर कोलकाता में एक महिला डॉक्टर सुरक्षित नहीं है तो क्या उसकी सीधी जिम्मेदारी राज्य सरकार एवं उसके प्रशासन पर नहीं आती है? इस सवाल का सीधा उत्तर देने के बजाय उग्र बातें करना कोई समाधान नहीं हो सकता. गौरतलब है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक है. 26 एकड़ में फैले इस अस्पताल में मरीजों को भर्ती करने के लिए 1200 बिस्तर हैं, जबकि ओपीडी में औसतन 2500 मरीज रोजाना आते हैं. इसके अलावा इमरजेंसी विभाग में भी एक हज़ार से अधिक मरीज रोज पहुंचते हैं. मगर वहां डॉक्टर तक सुरक्षित नहीं हैं.

> घटना के विरोध में देश भर में डॉक्टरों ने कार्य बहिष्कार कर आक्रोश प्रकट किया. लोगों के भड़के गुस्से के कारण मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी पुलिस को चेतावनी देनी पड़ी है कि हफ्ते भर के अंदर उसने मामला नहीं सुलझाया, तो वे जांच सीबीआई को सौंप देंगी.

सुभाषित

आयुषः क्षण एकोपि सर्वरत्नैर्न लभ्यते।
नीयते तद् वृथा येन प्रमादः सुमहानहो॥

सभी प्रकार के रत्न देने पर भी जीवन का एक क्षण भी वापस नहीं मिलता. ऐसे जीवन के क्षण, जो निरर्थक ही खर्च कर रहे हैं, वे कितनी बड़ी गलती कर रहे हैं. अर्थात् जीवन का एक-एक क्षण बहुत ही महत्वपूर्ण है, जिसका सदुपयोग किया जाना चाहिए.

महिला उत्पीड़न : सवालों के घेरे में नेतृत्व

सत्तारूढ़ भाजपा को महिला सम्मान, नारी सुरक्षा की याद सिर्फ राजस्थान और पश्चिम बंगाल में आती रही, जबकि उसके शासित राज्यों का रिकॉर्ड इन दो राज्यों की तुलना में बहुत–बहुत बदतर रहा. बहुत दूर जाने की जरूरत ही नहीं है, स्वयं पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बीएचयू की आईआईटी की छात्रा के साथ किन्हीं और अपराधियों ने नहीं, बल्कि भाजपा की आईटी सेल के तीन पदाधिकारियों ने बलात्कार किया, जिसे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दबा दिया गया.

• देश-काल

रविंद्र पटवाल

उन्होंने कहा था, 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ. बेटी पढ़ी, लेकिन बची नहीं.' कोलकाता रेप एंड मर्डर से उठते ये नारे अब पूरे देश में गूंजने लगे हैं. आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में एक 31 वर्षीय पीजी डॉक्टर की नृशंस हत्या और बलात्कार की घटना पर 17 अगस्त को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की ओर से राष्ट्रव्यापी बंद का आह्वान कर किया गया. कोलकाता की सड़कों पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री, ममता बनर्जी के नेतृत्व में स्वयं सत्तारूढ़ पार्टी और सरकार तक बलात्कारियों और हत्यारों के खिलाफ सड़क पर उतर चुकी है. आलम यह है कि इस जघन्य कांड को सबसे पहले आवाज देने वाले आरजी कर मेडिकल के इंटर्न और एसएफआई छात्र संगठन और सीपीआई(एम) के युवा संगठन डीवाईएफआई ही नहीं, 15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक ने संबोधित किया, जबकि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इससे एक दिन पहले ही इस लोमहर्षक घटना पर अपनी तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त कर चुके थे. अब बॉलीवुड के सितारे भी एक-एक कर हुआं-हुआं के स्वर निकालते नजर आ रहे हैं. आईएमए के अध्यक्ष, आरवी अशोकन का चिकित्सकों की हड़ताल के बारे में साफ कहना है, 'इस बार लोगों की संवेदनाएं भिन्न हैं. देश में मेडिकल कर्मियों के सबसे बड़े समूह में करीब चार लाख सदस्य हैं. इस देश में महिलाएं इस व्यवसाय में बहुमत में हैं. हम समय-समय पर उनकी सुरक्षा के लिए मांग करते आये हैं.' जाहिर है, देश के 145 करोड़ की आबादी की स्वास्थ्य सेवाओं पर तगड़ा झटका लगने जा रहा है, जिसे संभालने की जिम्मेदारी अब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और प्रधान मंत्री के स्तर तक चली जाती है. असल में, आम भारतीय आज इसी बिंदु पर मंथन कर रहा है, क्योंकि पिछले 10 वर्षों में हम देख चुके हैं कि महिला सम्मान की बात विज्ञापनों में तो खूब हुई, लेकिन जमीन पर असलियत इसके ठीक उलट देखने को मिली है. सत्तारूढ़ भाजपा को महिला सम्मान, नारी सुरक्षा की याद सिर्फ राजस्थान और पश्चिम बंगाल में आती रही, जबकि उसके शासित राज्यों का रिकॉर्ड इन दो राज्यों की तुलना में बहुत-बहुत बदतर रहा. बहुत दूर जाने की जरूरत ही नहीं है, स्वयं पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बीएचयू की आईआईटी की छात्रा के साथ किन्हीं और अपराधियों ने नहीं, बल्कि भाजपा की आईटी सेल के तीन पदाधिकारियों ने बलात्कार किया, जिसे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दबा दिया गया. चुनाव खत्म होते ही इन तीनों को गुपचुप तरीके से हिरासत में ले लिया गया और कोई शोर-शराबा या मीडिया में हलचल नहीं देखने को मिली. एनसीआरबी के 2021 के आंकड़ों के मुताबिक, देश में प्रतिदिन 86 बलात्कार की घटनाएं होती हैं. इनमें वे आंकड़े नहीं हैं, जिनकी सामाजिक लोकलाज के भय से पुलिस में रिपोर्टिंग नहीं होती. या गरीब-गुरबा की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई जाती. ऐसा इसलिए, क्योंकि कोलकाता की इस घटना के आसपास ही देश के अन्य राज्यों में भी इसी प्रकार की घटनाएं हुई हैं, लेकिन इस बारे में न तो मीडिया में कोई मुखरता से आवाज उठाई जा रही है और न ही राजनीतिक दलों के लिए ही इन वारदातों को प्रमुखता से उठाया गया है. उदाहरण के लिए, बिहार के मुजफ्फरपुर में नौवीं क्लास की दलित छात्रा की गैंगरेप के बाद हत्या कर दी गई. आरोपियों ने उसके ब्रेस्ट काट दिए. प्राइवेट पार्ट पर भी चाकू से हमला किया. गत सोमवार को उसका शव अर्धनग्न हालत में पोखर में मिला. उसके मुंह पर कपड़ा बंधा था. अगल-बगल मांस के चिथड़े और खून के धब्बे पड़े थे. कोलकाता और बिहार के मुफ्फरपुर के बाद अब आते हैं उत्तराखंड पर, जहां पर 31 जुलाई को रुद्रपुर में एक 33 वर्षीय नर्स के गुमशुदा होने की रिपोर्ट उसकी बहन ने दर्ज करवाई थी. प्राथमिकी के एक सप्ताह बाद, 8 अगस्त को उत्तर प्रदेश के बिलासपुर के डिबडिबा में उक्त नर्स का कंकाल मिला. पोस्ट मॉर्टम में बलात्कार और गला घोंट कर हत्या करने की पुष्टि हुई है. सिर्फ़ बड़े आदमी की झूठी तारीफ़ों के पुल बांधे जाते हैं, ताकि नौकरी मिल जाए. माफ़ कीजिएगा, विपक्षी पार्टियों के लोग भी अगर पीड़ित परिवारों से मिल लेते हैं, तो ये उनके लिए एक हेडलाइन है. सत्ता उन्हें मिलने से रोकती है, तब भी उनके लिए हेडलाइन है. लेकिन फिर भी उन्हें मिलने जाना चाहिए और मिलने देना चाहिए, क्योंकि मैंने देखा है कि 'बड़े' लोगों का सपोर्ट परिवार को बहुत हिम्मत देता है, बहुत सुकून देता है. सरकारों को इस गुस्से को दबाने के बारे में नहीं सोचना चाहिए. अगर समग्रता में देखते हैं, तो हम पाते हैं कि 2014 के बाद से भारतीय समाज अपनी तमाम कमजोरियों के बावजूद, जिस स्तर तक गिरते-पड़ते बना था, उसे बड़े पैमाने पर पितृसत्तात्मक समाज की ओर फिर से धकेल दिया गया है. दक्षिणपंथी राजनीति, सत्ता के केंद्रीयकरण और अल्पसंख्यकों के खिलाफ लक्षित बहुसंख्यकवादी हमले ने एक ऐसी वैचारिकी का तानाबाना बुना, जिसमें एक महिला के लिए आदर्श भारतीय नारी की रुढ़िवादी खांचे में देवी का दर्जा और जरा से विचलन पर कुलटा, चरित्रहीन होने का ठप्पा समाज के तथाकथित ठेकेदारों के हाथ में आ गया. हिन्दुत्ववादी शक्तियों की तूती समाज के दबंगों, माफियाओं को राजनीतिक संश्रय हासिल करने और अपने लिए अभयदान हासिल कर लेने के बाद कमजोर तबकों, अल्पसंख्यकों के साथ-साथ स्त्री वर्ग के अस्तित्व पर भी हमला स्वाभाविक परिणति में तब्दील हो गया.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

अलिप्तता का उदाहरण

अलिप्तता का सबसे बड़े उदाहरण है कमलपत्र. वह पानी में रहता है, लेकिन उसपर पानी का कोई प्रभाव नहीं पड़ता. वह कभी भीगता नहीं, सूखा का सूखा ही रहता है. हमारे शास्त्रों में इसी अलिप्तता की शिक्षा दी जाती है कि सुखभोग के बीच रहकर भी उसमें लिप्त न होओ. मिथिला में एक बड़े ही धर्मात्मा एवं ज्ञानी राजा थे. राजकाज के विभिन्न कार्य और राजमहल के भारी ठाट-बाट के उपरांत भी वे उसमें लिप्त नहीं थे. राजऋषि की यह ख्याति सुनकर एक साधु उनसे मिलने आया. राजा ने साधु का हृदय से स्वागत सम्मान किया और दरबार में आने का कारण पूछा. साधु ने कहा, 'राजन्! सुना है कि इतने बड़े महल में आमोद प्रमोद के साधनों के बीच रहते हुए भी आप इनके सुखोपभोग से अलिप्त रहते हैं, ऐसा कैसे कर पाते है? मैंने वर्षों हिमालय में तपस्या की, अनेक तीर्थों की यात्राएं कीं, फिर भी मन को इतना नहीं साध सका. जबकि संसार के श्रेष्ठतम सुख साधन व समृद्धि के सहज उपलब्ध रहते यह बात आपने कैसे साध ली?' राजा ने उत्तर दिया, 'महात्माजी! आप असमय में आए हैं. यह मेरे काम का समय है. आपके सवाल का जवाब मैं थोड़ी देर बाद ही दे पाउंगा. तब तक आप इस राजमहल का भ्रमण क्यों नहीं कर लेते? आप इस दीये को लेकर पूरा महल देख आइए. एक बात का विशेष ध्यान रखें कि दीया बुझने न पाए, अन्यथा आप रास्ता भटक जाएंगे.' साधु दीया लेकर राजमहल को देखने चल दिए. कईं घन्टे बाद जब वे लौटे तो राजा ने मुस्करा कर पूछा, 'कहिए, महात्मन् ! मेरा महल कैसा लगा?' साधु बोला, 'राजन्! मैं आपके महल के हर भाग में गया. सब कुछ देखा, किन्तु फिर भी वह अनदेखा रह गया.' राजा ने पूछा, 'क्यों?' साधु ने कहा, 'राजन्! मेरा सारा ध्यान इस दीये पर लगा रहा कि कहीं यह बुझ न जाय!' राजा ने उत्तर दिया, 'महात्माजी! इतना बड़ा राज चलाते हुए मेरे साथ भी यही होता है. मेरा सारा ध्यान अपनी आत्मा पर लगा रहता है. कहीं मेरे आत्मज्ञान की ज्योति मंद न हो जाय. किसी अनुचित कर्म की तमस मुझे घेर न ले, अन्यथा मैं मार्ग से भटक जाउंगा. चलते-फिरते, उठते-बैठते, कार्य करते यह बात स्मृति में रहती है. मेरा ध्यान चेतन रहता है कि सुखोपभोग के प्रलोभन में कहीं मै अपने आत्म को मलीन न कर दूं. इसलिए साक्षी भाव से सारे कर्तव्य निभाते हुए भी संसार के मोहजाल से अलिप्त रह पाता हूं. साधु राजा के चरणों में नत मस्तक हो गया. आज उसे नया ज्ञान प्राप्त हुआ था, आत्मा की सतत जागृति, प्रतिपल स्मृति ही अलिप्त रहने में सहायक है.

बांग्लादेश : राह आसान बनाने की जरूरत

• देशांतर

जगदीश रत्तनानी

प्रो. यूनुस के शुरुआती बयान से यह और भी मुश्किल हो जाता है कि उन्हें इस बात से दुख हुआ कि भारत हसीना के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन नहीं कर रहा है और इसे बांग्लादेश का आंतरिक मामला बता रहा है. प्रो. यूनुस ने आगे कहा- 'अगर भाई के घर में आग लगी है तो मैं कैसे कह सकता हूं कि यह आंतरिक मामला है...' यह संभवतः एक स्पष्ट और गैर-राजनीतिक आक्रोश था, जो कूटनीतिक सीमाओं से परे था और अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में उनके कार्यभार संभालने से पहले आया था. अब जब वे सत्ता में हैं, तो प्रो. यूनुस समझेंगे कि किसी अन्य देश के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करना कूटनीतिक रूप से खतरनाक है. बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले और उनके द्वारा लाई गई असुरक्षाएं मामले को और भी जटिल बनाती हैं. फिर भी यह सब अतीत की बातें हैं और यह तथ्य कि प्रो. यूनुस लोकप्रिय मांग पर पड़ोसी देश का नेतृत्व करने के लिए तैयार हो गए हैं, न केवल बांग्लादेश में बल्कि पूरे क्षेत्र में जश्न का कारण होना चाहिए. यह सेना, व्यापक बांग्लादेशी प्रतिष्ठान और छात्र प्रदर्शनकारियों की परिपक्वता का सम्मान है कि उन्होंने अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए एक बड़े नेता को चुना है. भारत को भी शुरुआती अराजकता और चिंता को पीछे छोड़कर प्रो. यूनुस के लिए खड़े होने के हर अवसर को भुनाने की जरूरत है ,जो गरीबों के साथ अपने काम और न्याय, समानता और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए अपने जुनून के लिए जाने जाते हैं. प्रो. यूनुस पूंजीवाद की विकृत धारणा की विफलताओं को उजागर करने के लिए भी जाने जाते हैं, जिसने पश्चिम को नुकसान पहुंचाया है और पूर्व में इसके सभी नकल मॉडलों के लिए आपदा ला दी है. वे उन चंद लोगों में से हैं जिन्होंने लालच, शोषण और स्वार्थ के खिलाफ स्पष्ट आवाज में बात की है, जो न केवल हमारे समय की जरूरतों को पूरा करने में विफल है, बल्कि गरीबों और अमीरों दोनों को समान रूप से नुकसान पहुंचाता है. इसके अलावा युनूस बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों द्वारा विद्रोह के दौरान और उसके बाद झेली गई हिंसा के खिलाफ खड़े होने में आगे रहे हैं. यहां तक कि उन्होंने पूछा- 'क्या वे (अल्पसंख्यक) इस देश के लोग नहीं हैं? आप (छात्र) इस देश को बचाने में सक्षम हैं, क्या आप कुछ परिवारों को नहीं बचा सकते? आपको कहना चाहिए कि कोई भी उन्हें नुकसान नहीं पहुंचा सकता. वे मेरे भाई हैं. हमने साथ मिलकर लड़ाई लड़ी है और हम साथ ही रहेंगे.' पीटीआई के अनुसार, रंगपुर शहर में बेगम रोकेया विश्वविद्यालय में सप्ताहांत पर छात्रों को यह समझाइश दी गई.फिर भी, यह एक नाज़ुक काम होगा, जो बांग्लादेश से कहीं ज़्यादा भारत की परीक्षा ले सकता है. ऐसा इसलिए है क्योंकि यूनुस का धर्मनिरपेक्ष सिद्धांत और उनके काम और उनके जीवन को परिभाषित करने वाला एक गरीब समर्थक एजेंडा भारत में केंद्र में रहने वाली दक्षिणपंथी राजनीति के एजेंडे के लिए एक अनूठी राजनीतिक चुनौती पेश करता है. यूनुस को पदभार ग्रहण करने पर शुभकामनाएं देने वाले भारतीय बयान में 'हिंदुओं और सभी अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और संरक्षण' की बात कही गई है. वे हिंदुओं, बौद्धों, ईसाइयों, अहमदिया और अन्य पर हमलों के खिलाफ मुखर रूप से बोलते रहे हैं. उनका कहना है कि छात्रों की जिम्मेदारी है कि वे सभी की सुरक्षा करें. इसी तरह, जब यूनुस आर्थिक असमानता पर बोलते हैं तो वे ठीक उसी तरह के मुद्दे उठाते हैं जो भारत को परेशान कर रहे हैं और ऐसे सवाल उठाते हैं जो भारत में बढ़ती आय और धन की असमानता के संदर्भ में भाजपा के लिए असहजता लेकर आए हैं. अपनी पुस्तक 'ए वर्ल्ड ऑफ़ थ्री जीरो' में प्रो. यूनुस, जो ग्रामीण बैंक के संस्थापक हैं, लिखते हैं- 'यदि मनुष्य वास्तव में 'पूंजीवादी आदमी' के ढांचे में फिट होते हैं तो ट्रस्ट-आधारित बैंकों से उधारकर्ता बस डिफ़ॉल्ट हो जाएंगे ... ग्रामीण बैंक जल्द ही अस्तित्व में नहीं रहेगा. इसकी दीर्घकालिक सफलता इस तथ्य को प्रदर्शित करती है कि 'असली आदमी', 'पूंजीवादी आदमी' से बहुत अलग और बहुत बेहतर प्राणी है. फिर भी कई अर्थशास्त्री, व्यापारिक नेता और सरकारी विशेषज्ञ यह सोचना और कार्य करना जारी रखते हैं जैसे कि 'पूंजीवादी आदमी' वास्तविक है और मानो स्वार्थ ही मानव व्यवहार के पीछे एकमात्र प्रेरणा है .. वे आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था को बनाए रखते हैं, जो स्वार्थ को बढ़ावा देते हैं और लोगों के लिए निःस्वार्थ, भरोसेमंद व्यवहार का अभ्यास करना अधिक कठिन बनाते हैं, जिसे लाखों लोग सहज रूप से पसंद करते हैं.' यह वह स्थान है जहां से सार्थक विकास और स्थिरता के विचार निकलते हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले और उनके द्वारा लाई गई असुरक्षाएं मामले को और भी जटिल बनाती हैं. फिर भी यह सब अतीत की बातें हैं और यह तथ्य कि प्रो. यूनुस लोकप्रिय मांग पर पड़ोसी देश का नेतृत्व करने के लिए तैयार हो गए हैं, न केवल बांग्लादेश में बल्कि पूरे क्षेत्र में जश्न का कारण होना चाहिए.

वायनाड व कश्मीर से प्रकृति के भयावह संकेत

• सामयिकी

अंजनी कुमार

प्राकृतिक त्रासदी के दो भयावह दृश्य वायनाड और कश्मीर से देखने को मिले.वायनाड से आ रही तस्वीरें किसी को भी विचलित कर देने के लिए काफी हैं. एक पूरा गांव बारिश से हुए भू-स्खलन में दब गया. कल दोपहर तक 50 लोगों के मारे जाने की खबर आती रही. उसके बाद संख्या में बढ़ोतरी शुरू हुई. आज सुबह तक मारे गये लोगों की संख्या में 143 पहुंच गई थी. राहत कार्य टीम अब मुख्यतः मलबे में दबकर मर गये लोगों को बाहर ही लाने के काम में जुटी है. मारे गये लोगों के रिश्तेदार और अपने लोगों की पहचान करने, अफसोस और तकलीफ के अलावा और कुछ कर पाने की स्थिति में नहीं है. वायनाड में हुई त्रासदी के लिए अभी तक आई सूचनाओं में सबसे बड़ा कारण असामान्य बारिश है. यहां सामान्य तौर पर होने वाली बारिश से पांच गुना हुई बारिश एक बड़े कारण की तरह दिख रही है. इस साल केरल में सामान्य से अधिक बारिश की खबर है. पालक्कड़, तिरुवनंतपुरम, मल्लापुरम, किनौर जैसे जिलों में बारिश का स्तर वायनाड से भी अधिक है. वायनाड में बारिश से हुई त्रासदी के लिए उसका भूस्तर विन्यास भी एक बड़ा कारण है. यहां चट्टानों के ऊपर जमी मिट्टी ही वहां की खेती का आधार है. यही जमीन उसकी रिहाइश के लिए भी है. भारी बारिश इस भू-बनावट की कमजोरी को उजागर कर देती है. वायनाड का इलाका भू-स्खलन से प्रभावित क्षेत्र में आता है. निश्चित ही बारिश के अतिरिक्त और कारण ने भी जमीन की मजबूती को प्रभावित किया होगा. इसमें पानी का बहाव और परिस्थितिकी में छेड़छाड़ भी हो सकता है. ये कारण निश्चित ही वायनाड के लिए विशिष्ट नहीं हैं. ये कारण भारत के हर हिस्से में दिख सकता है और ये ही कारण अधिक बारिश या अधिक ताप में घातक बन सकते हैं. ये कारण मुख्यतः मनुष्य और प्रकृति के बीच के संबंधों में आई दरार को दिखाते हैं, जिसका सीधा परिणाम वहां बसे इंसानों के लिए घातक बन रहा है. इनके बीच के संबंधों पर काम करने वाले संस्थान के हस्तक्षेप, सहयोग और प्रबंध की अनुपस्थिति, आगामी त्रासदी की ओर ठेल देने में निश्चित ही एक निर्णयकारी भूमिका में है. लेकिन, इस तरह के संस्थान 'प्राकृतिक आपदा' को मुख्य कारक बना देने की वजह से त्रासदी के उत्तरदायित्व से बच निकलते हैं. पिछले कुछ सालों में केरल में असामान्य बारिश से हो रही मौतों की संख्या में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है. 2018 में ही केरल में बारिश से लगभग 500 लोगों के मारे जाने की खबर है. जबकि पिछले साल इस प्रदेश में सामान्य से कम बारिश का भी रिकार्ड बना.वायनाड की खबर के पहले हिमाचल और उत्तराखंड से भी बाढ़, भूस्खलन और मौतों की खबरें लगातार आ रही थीं. महाराष्ट्र के पुणे और मुंबई से बारिश और बाढ़ की दिल दहला देने वाले दृश्य, सोशल मीडिया पर खूब दिखाई दे रहे थे. मध्य प्रदेश के कुछ जिलों से भी ऐसी खबरें दिखाई दे रही थीं. उपरोक्त जगहों की खबरें मुख्यतः असामान्य बारिश से पैदा हुए 'नजारे' को दिखा रही थीं. उत्तराखंड और हिमाचल में बारिश की इन खबरों के साथ कुछ और भी छोटी खबरें प्रकाश में आईं, जिसमें बताया गया था कि कुछ जिलों में सामान्य से कम बारिश हो रही है. मीडिया ज्यादातर मामलों में 'प्राकृतिक आपदा' को एक रोमांचक तरीके से दिखाने में लगा रहता है. भू-स्खलन के भयावह दृश्य, जिसमें मकानों का एकदम से बिखरकर बहते हुए नदी में समा जाना, पहाड़ के हिस्से का टूटकर तेजी से नीचे आते हुए गुबार पैदा करना, निचले इलाकों में बारिश और पानी के बहाव से बने दरिया में गाड़ियों के बहते, डूबते जाने के दृश्य आदि को ऐसे पेश किया जाता है, जिसमें त्रासदी कम और मनोरंजन ज्यादा पैदा हो. खासकर, जब एंकर प्रकृति को देवत्व का रूप देते हुए त्रासदी को देव के प्रकोप की तरह पेश करते हैं, तब दर्शक इस भयावह दृश्य का मूक दर्शक बन जाता है. शायद यही कारण है जिसकी वजह से इन बारिशों के भयावह दृश्य के समानान्तर भारत में ही भीषण गर्मी और सूखे के दृश्य को दिखाना प्रासंगिक नहीं मानता. वायनाड की तस्वीरों के समानान्तर कुछ तस्वीरें कश्मीर से भी सामने आईं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> वायनाड में बारिश से हुई त्रासदी के लिए उसका भूस्तर विन्यास भी एक बड़ा कारण है. यहां चट्टानों के ऊपर जमी मिट्टी ही वहां की खेती का आधार है. यही जमीन उसकी रिहाइश के लिए भी है. भारी बारिश इस भू-बनावट की कमजोरी को उजागर कर देती है. वायनाड का इलाका भू-स्खलन से प्रभावित क्षेत्र में आता है.

मीडिया में अन्यत्र

बचत में सुधार अर्थव्यवस्था के लिए अहम

हाल के दिनों में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास दोनों ने बैंकिंग क्षेत्र में ऋण और जमा वृद्धि के बीच बढ़ते अंतर को लेकर चिंता जताई. दास इस विसंगति के बारे में सार्वजनिक रूप से पहले से ही चर्चा करते रहे हैं. उदाहरण के लिए गत सप्ताह मौद्रिक नीति संबंधी निर्णय की घोषणा करते समय उन्होंने कहा कि वैकल्पिक निवेश केंद्र खुदरा निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक होते जा रहे हैं. ऐसे में फंडिंग के मोर्चे पर बैंकों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. इसके परिणामस्वरूप बैंक अल्पावधि के गैर खुदरा फंड तथा अन्य उपायों पर निर्भर हैं, ताकि अपने ऋण की बढ़ती मांग की पूर्ति कर सकें. इससे बैंकिंग तंत्र ढांचागत नकदी संकट के जोखिम का शिकार हो सकता है. जमा वृद्धि कुछ समय से ऋण वृद्धि से पीछे है, जिसके संभावित परिणाम हमें झेलने पड़ सकते हैं. कुछ बैंक जमा आकर्षित करने के लिए नई किस्म की रणनीति अपना रहे हैं. यह देखना होगा कि ऐसे उपाय अंतर को पाटने में कैसे काम करते हैं. उदाहरण के लिए गत वित्त वर्ष में जब ऋण 20 फीसदी की दर से बढ़ रहा था, तब जमा वृद्धि केवल 14 फीसदी थी. इस अंतर को रिजर्व बैंक की ताजा वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में भी रेखांकित किया गया. यह रुझान ऋण-जमा अनुपात में भी देखने को मिलता है जो सितंबर 2021 के बाद बढ़ा है. दिसंबर 2023 में यह 78.8 फीसदी के साथ उच्चतम स्तर पर पहुंचा और मार्च 2024 तक दोबारा घटकर 76.8 फीसदी रह गया. निजी क्षेत्र के बैंकों के मामले में यह अनुपात खासतौर पर अधिक है. हालांकि गत दो-चार साल में कुछ विचलन नजर आया है लेकिन वित्त मंत्री और रिजर्व बैंक के गवर्नर दोनों ने इस मसले को रेखांकित करके तथा बैंकों को उपयुक्त कदम उठाने को कहकर सही किया है.यह सही है कि बैंकिंग व्यवस्था को कोई तात्कालिक खतरा नहीं है लेकिन विचलन के कारणों तथा इसके बड़ी समस्या बन जाने के पहले उठाए जाने वाले उपायों को लेकर बहस एक आवश्यक है. महामारी के बाद अर्थव्यवस्था में सुधार के साथ ही ऋण में इजाफा हुआ. यह बढ़ोतरी नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि से तेज है और इस बात को समझा जा सकता है. बहरहाल जमा वृद्धि में कमी की कई वजह हो सकती हैं.संभव है कि आम परिवारों ने अन्य उपायों का रुख कर लिया हो क्योंकि रिजर्व बैंक ने अर्थव्यवस्था को मदद पहुंचाने के लिए वास्तविक नीतिगत दर को कुछ समय से नकारात्मक कर रखा है. हाल के वर्षों में देश के शेयर बाजारों का अच्छा प्रदर्शन भी इसकी वजह हो सकता है.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

अर्थ/मतलब/आशय

मतलब निकल गया है तो पहचानते नहीं. मोहम्मद रफी द्वारा गायी गयी यह पंक्ति हिंदी भाषी क्षेत्रों में कहावत जैसी बन गयी है. हर कोई इसी पंक्ति से अपना काम निकालकर मुंह फेरनेवालों ताना मारता है. संभव है, आपको भी ऐसा ताना मारने का मौका मिला हो. मतलब कई लोगों का तकिया कलाम होता है. बात-बात में बोलते हैं-मतलब कि.कुछ लोग मतलब के बजाय मलब कह कर काम चला लेते हैं. मतलब अरबी भाषा मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. मतलब के बहुत सारे मतलब होते हैं. मोटा-मोटी तौर पर मतलब के मतलब हैं तात्पर्य, अर्थ, किसी पद, वाक्य और शब्द का मायने या अर्थ, स्वार्थ, अपने भले या हित का विचार. मन में रहनेवाला आशय या उद्देश्य. हिंदी में मतलब का अर्थ आशय भी होता है. अर्थ तत्सम संज्ञा पुल्लिंग के साथ ही अनेकार्थी शब्द है. अर्थ का मतलब है अभिप्राय, मतलब, मानी, प्रयोजन, किसी बात या शब्द की व्याख्या, शब्द शक्ति, इष्ट, काम, कारण, निमित्त, हेतु, मामला, इंद्रियों के विषय जैसे रूप, रस, गंध, शब्द, स्पर्श, चार पुरुषार्थों (धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष) में से एक, धन-संपत्ति, उपयोग, लाभ, दिलचस्पी. क्रिया विशेषण के रूप में वस्तुतः और सचमुच भी अर्थ के ही पर्याय हैं. मतलब जैसा ही शब्द है आशय, जो तत्सम संज्ञा पुल्लिंग है और इसका मतलब है तात्पर्य, अभिप्राय, मतलब, इच्छा, वासना, नीयत, उद्देश्य. अंग्रेजी में इसे इंटेशन भी कहा जाता है. मतलब, अर्थ और आशय तीनों ही संज्ञा शब्द हैं और लगभग समान हैं. आशय का मतलब विस्तार पूर्वक बताना. किसी शब्द के मतलब का आशय है बिल्कुल सटीक कोई ऐसा शब्, जिससे हम आसानी से समझ सके. सोहन बहुत मतलबी है तो इसका मतलब है, वह स्वार्थी है. इसका आशय हम और भी सरल शब्दों में कहानी के माध्यम से समझा सकते हैं. मतलब यह कि इन सभी शब्दों का भाव तो एक ही होगा, लेकिन अंतर केवल सरलतापूर्वक पेश करने और कहने में है.

झोली, बोली और गोली से समस्याएं

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

झोली, बोली और गोली की वजह से देश व समाज तबाह है. बहुत सी समस्याएं इन्ही के कारण उत्पन्न होती हैं. इन पर नियंत्रण हो जाए तो अधिकांश समस्याएं अपने आप नौ दो ग्यारह हो जाएं. लेकिन इन पर नियंत्रण हो पाना बहुत ही मुश्किल है. खैर जितना अपने वश की बात हो उतना ही करना चाहिए. नहीं तो लेने के देने भी पड़ सकते हैं. वैसे लेना-देना तो लगा ही रहता है. कम से कम लेना तो चलता ही रहता है. रही बात देने की तो लोग इसकी आदत कम डालते हैं, क्योंकि देने का अभ्यास न हो तो ज्यादा आसानी रहती हैं. कहते हैं कि लेने से अच्छा और देने से बुरा कुछ भी नहीं होता. सच है कि बूंद-बूंद से गागर भरता है. देने से झोली खाली होती है. और लेने से भरती है. अतः लोग ले-लेकर झोली भरते रहते हैं. आचार और विचार को बिना ताक पर धरे झोली एक सीमा से अधिक नहीं भर सकती. और आचार-विचार का दिनों-दिन अभाव होता ही जा रहा है. ऐसा हो क्यों रहा है, झोली के ही कारण. हमारे पूर्वज कहते थे कि मीठा बोलो. जब भी मुंह खोलो मीठा-मीठा बोलो. लेकिन आजकल लोग मीठा खाते तो बहुत हैं. और बोलते भी बहुत हैं मगर मीठा नहीं बोलते. जिह्वा पर मिठाई का असर ही नहीं होता और शरीर के अन्य अंग जैसे गुर्दे आदि इसका भरपूर फायदा उठाते हैं. बदले में लोग भारी हो जाते हैं. फूल जाते हैं. बाद में पता चलता है कि मधुमेह हो गया है. खैर ऐसी बोली बोलते हैं कि लोग अपना आपा खो बैठते हैं. न अपने को शीतलता मिलती है और न ही दूसरों को. मार-पीट की भी स्थिति उत्पन्न हो जाती है. बोली से भी गोली चलने की नौबत आ जाती है. कोई किसी को बोली बोलता है तो कोई किसी को बोली मारता है. सास की बोली बहू को और बहू की बोली सास को गोली की तरह लगती है. और गोली लगने पर क्या होता है, यह तो जग जाहिर है. इसी तरह बाप-बेटे, पड़ोसी, नाते-रिश्तेदार व अन्य सगे सम्बन्धी भी एक दूसरे की बोली से ऐसा परेशान होते रहते हैं कि होली पर भी नहीं मिलते. बस एक दूसरे को देख कर जलते हैं. कहते हैं कि जलना हो तो दिए की तरह जलो अन्यथा न जलो. दिए की तरह लोग जलने लगें तो होली न ही सही कम से कम रोज दिवाली सा महसूस हो. परन्तु दिए की तरह जलने पर बुझने का खतरा ज्यादा रहता है. इसलिए ही लोग एक दूसरे को देख कर सुलगते रहते हैं. बोली को गोली से कम नहीं आंकना चाहिए. कभी-कभी बोली ऐसा घाव कर देती है जो गोली के घाव से भी खतरनाक साबित होता है. गोली का घाव तो भर भी जाता है, लेकिन बोली से हुआ घाव जल्दी नहीं भरता. बोली से घर का घर तबाह हो जाता है. पति-पत्नी तक भी एक दूसरे के होकर भी कुछ भी नहीं रह जाते. इतना ही नहीं बोली से एक समाज दूसरे समाज का और एक मुल्क दूसरे मुल्क का जानी दुश्मन भी बन जाता है. गोली चाहे अपने की हो चाहे पराये की एक ही काम करती है. लेकिन दूसरों की अपेक्षा अपनों की बोली कुछ अलग तरह का काम कर जाती है.

अक्षय ऊर्जा दिवस आज

नवीकरणीय ऊर्जा सूर्य और पवन जैसे स्त्रोतों से उत्पन्न ऊर्जा है, जो खत्म नहीं होती हैं. नवीकरणीय ऊर्जा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा या नवीकरणीय ऊर्जा दिवस के रूप में जाना जाता है. इस दिवस की शुरुआत 2004 में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की गई थी.

अक्षय रहेगी हमारी ऊर्जा

साल 2030 तक ऊर्जा जरूरत का 50 फीसदी अक्षय ऊर्जा से पूरा करने के लिए प्रयासरत है अपना देश

आज बिजली हमारे जीवन का इतना महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है कि इसके बिना कुछ घंटे गुजारना भी मुश्किल है. लाइट, टीवी, फ्रिज, एसी, पंखा, मोबाइल, कंप्यूटर जैसी सभी इलेक्ट्रॉनिक चीजों के लिए हमें इसकी आवश्यकता होती है. बिजली नहीं रहने से हमारा रोजमर्रा का काम, रोजगार सब ठप हो जाता है. इस विशाल जरुरत के लिए ही दुनियाभर में बिजली बनाने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का तेजी से दोहन किया जा रहा है. लेकिन यह हमारे अस्तित्व के लिए खतरनाक है. इसलिए दुनियाभर में अक्षय ऊर्जा यानि नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दिया जा रहा है. भारत में भी नवीकरणीय ऊर्जा के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस मनाया जाता है. इसकी शुरुआत साल 2004 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने की थी.

नवीकरणीय ऊर्जा क्यों जरूरी?

बिजली तैयार करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों जैसे तेल, कोयला और गैस आदि का उपयोग किया जाता है. इससे दो तरफा हानि है. एक तो इनके उपयोग से प्रदूषण फैलता है, वहीं ये प्राकृतिक संसाधन बेहद सीमित मात्रा में हमारे पास उपलब्ध हैं और इन्हें बनने में सालों लगते हैं. यही कारण है कि नवीकरणीय ऊर्जा हमारे लिए बेहद जरूरी है.

नवीकरणीय ऊर्जा क्या होती है?

नवीकरणीय ऊर्जा भी प्राकृतिक स्रोतों का उपयोग करके बनाई जाती है, लेकिन ये स्त्रोत ऐसे हैं जो अक्षय हैं. यानी से कभी खत्म नहीं होते हैं. इसमें शामिल हैं वायु ऊर्जा, सौर ऊर्जा, हाइड्रो पावर, बायोमास, जियोथर्मल. यह सस्ता, इको फ्रेंडली होता है. इसका उपयोग बिजली जरूरतों को पूरा करने, परिवहन सहित अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाता है.

नवीकरणीय ऊर्जा के ये लाभ

इनसे प्रदूषण नहीं फैलता है. यह पर्यावरण के अनुकूल होते हैं. इसके उपयोग से हेल्थ पर कोई खराब प्रभाव नहीं पड़ता. चूंकि यह ऊर्जा का अक्षय स्रोत है, इसलिए इससे स्थायी रोजगार मिलता है. ऊर्जा की कीमत को बेलगाम होने से रोकने की संभावना भी अक्षय यानी नवीकरणीय ऊर्जा से मिलती है.

नवीकरणीय ऊर्जा के प्रकार

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत, जैसे बायोमास, भूतापीय संसाधन, सूरज की रोशनी, पानी और हवा, प्राकृतिक हैं. वे संसाधन जिन्हें इस प्रकार की स्वच्छ, उपयोगी ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है : बायोएनर्जी, भू-तापीय ऊर्जा, हाइड्रोजन, जल विद्युत, समुद्री ऊर्जा, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि.

नवीकरणीय ऊर्जा में भारत

नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर भारत की सजगता प्रशंसनीय है. इससे शुरू से ही प्रोत्साहित किया जा रहा है. भारत नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा के मामले में विश्व में चौथे स्थान पर है. साल 2022 तक भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 175 गीगावाट थी. सरकार साल 2030 तक अपनी ऊर्जा जरूरत का 50 फीसदी यानि करीब 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के जरिए पूरी करना चाहती है.

आ गई ओला की ई बाइक, जानिए फीचर्स, प्राइस...

लंबे समय से ओला की इलेक्ट्रिक बाइक की दो पहिया ई बाइक की मार्केट में चर्चा थी और शिद्दत से इसका इंतजार भी हो रहा था. 15 अगस्त को कंपनी ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक रोडस्टर को लॉन्च किया. इस रेंज में तीन अलग-अलग मॉडल रोडस्टर एक्स, रोडस्टर और रोडस्टर प्रो पेश किए गए. ये सभी वेरिएंट्स अलग-अलग बैटरी पैक्स के साथ आती हैं. बेस मॉडल यानी ओला रोडस्टर एक्स की शुरुआती कीमत महज 74,999 रुपये (एक्स-शोरूम) तय की गई है. आइए, आज इस बाइक के फीचर्स, रेंज, और प्राइस की करें बात...

▪ **कीमत**

एंट्री लेवल वेरिएंट रोडस्टर एक्स की बात करें तो ये मॉडल तीन बैटरी पैक 2.5 किलो वॉट, 3.5 किलो वॉट और 4.5 किलो वॉट में आता है. जिनकी कीमत क्रमशः करीब 74,999 रुपये, 84,999 रुपये और 99,999 रुपये (एक्स-शोरूम) है. वहीं मिड वेरिएंट यानी रोडस्टर को भी 3 किलोवाट, 4.5 किलोवाट और 6किलोवाट के तीन अलग-अलग बैटरी पैक के साथ पेश किया गया है. जिनकी कीमत 1,04,999 रुपये, 1,19,999 रुपये और 1,39,999 रुपये (एक्स-शोरूम) है. इसके अलावा हायर वेरिएंट यानी रोडस्टर प्रो को कंपनी ने केवल दो बैटरी पैक्स 8 किलोवॉट और 16 किलोवॉट के साथ पेश किया है. जिनकी कीमत क्रमशः 1,99,999 रुपये और 2,49,999 रुपये (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु) है.

▪ **पावर, परफॉर्मेंस और रेंज**

बैटरी कैपेसिटी और कीमतों की बात छोड़ दें तो शुरुआत के दो वेरिएंट्स रोडस्टर एक्स और रोडस्टर का लुक और डिज़ाइन में अधिक फर्क नहीं है. कंपनी का दावा है रोडस्टर एक्स का टॉप मॉडल यानी 4.5 किलोवॉट वाला वेरिएंट एक बार चार्ज करने पर 200 किमी तक धड़ल्ले से चलेगा. इस वेरिएंट की टॉप स्पीड 124 किमी/घंटा है.

वहीं दूसरे मॉडल रोडस्टर का टॉप 6 किलोवॉट वेरिएंट सिंगल चार्ज में 248 किमी की ड्राइविंग रेंज देता है. इस वेरिएंट की टॉप स्पीड 126 किमी/घंटा है. रोडस्टर एक्स में 11 किलोवाट का इलेक्ट्रिक मोटर दिया गया है जबकि रोडस्टर में 13 किलोवाट का इलेक्ट्रिक मोटर है.

सबसे महंगी बाइक रोडस्टर प्रो का टॉप मॉडल यानी 16 किलोवॉट बैटरी पैक वाला वेरिएंट सिंगल चार्ज में 579 किमी तक का ड्राइविंग रेंज देता है. इस बाइक में 52 किलोवॉट का इलेक्ट्रिक मोटर दिया गया है जो 105 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है. इसकी टॉप स्पीड भी 194 किमी/घंटा है. जो कि सामान्य तौर पर किसी पेट्रोल बाइक की तुलना में भी काफी बेहतर है. ये वेरिएंट महज 1.6 सेकंड में ही 0 से 60 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है.

▪ **ये फीचर्स भी खास**

रोडस्टर एक्स में कंपनी ने स्पोर्ट्स, नॉर्मल और इको सहित तीन राइडिंग मोड्स दिए हैं. इसमें 4.3-इंच का एलएसडी डिस्प्ले भी दिया गया है जो मूव ओएस से ऑपरेट होता है. इसमें ओला मैप्स नेविगेशन (टर्न-बाय-टर्न), क्रूज कंट्रोल, डीआईवाई मोड, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, ओटीए अपडेट, डिजिटल की जैसे फीचर्स दिए गए हैं. इस बाइक को आप ओला इलेक्ट्रिक के स्मार्टफोन ऐप से भी ऑपरेट कर सकते हैं.

रोडस्टर यानी दूसरे वेरिएंट में कुछ ज्यादा फीचर्स को शामिल किया गया है. इसमें हाइपर, स्पोर्ट, नॉर्म और इको सहित 4 ड्राइविंग मोड्स दिए गए हैं. इसमें 6.8 इंच का बड़ा टीएफटी टचस्क्रीन डिस्प्ले सिस्टम दिया गया है. जो प्रोक्सिमिटी अनलॉक, क्रूज कंट्रोल, पार्टी मोड, टैंपर अलर्ट, क्रूटीम असिस्टेंस जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस्ड फीचर्स भी दिए गए हैं.

रोडस्टर प्रो स्टील फ्रेम पर बेस्ड है. इस बाइक के फ्रंट में अप-साइड-डाउन फॉर्क और पीछे की तरफ मोनोशॉक सस्पेंशन दिया गया है. इसमें 10 इंच का टीएफटी टचस्क्रीन डिस्प्ले मिलता है. इस बाइक में भी कंपनी ने 4 राइडिंग मोड्स (हाइपर, स्पोर्ट, नॉर्म और इको) को शामिल किया है. इसके अलावा इसमें दो कस्टमाजेबल मोड्स भी मिलते हैं जिसे ग्राहक अपने जरूरत के अनुसार जोड़ सकते हैं.

एप्पल के आईफोन 16 सीरीज के 10 सितंबर को लान्च होने की सूचना आ रही है. अपकमिंग आई फोंस को लेकर कई सारी लीक्स रिपोर्ट सामने आई हैं. आइए, इन पर डालें नजर...

बटुआ और दिल दोनों थाम कर रखिए, आने वाला है नया आईफोन

इंटरनेट पर आईफोन 16 लीक तस्वीरें कुछ दिनों से घूम रही हैं. इन्हें देखने ये ऐसा मालूम होता है कि एप्पल ने डिजाइन में बदलाव किए हैं. बैक कैमरा सेंसर की जगह बदल दी है. डुअल कैमरा सेटअप वर्टिकल कैमरा लेआउट में नजर आ रहा. चर्चा यह भी है कि एप्पल पहले की पीले रंग को हटा कर एक नए रोज कलर को सामने ला सकता है.

▪ **इन मॉडल के डिजाइन में हो सकता है बदलाव**

आईफोन 16, प्रो, प्रो मैक्स के डिजाइन में बदलाव की संभावना है. पिछले साल कंपनी ने स्टैंडर्ड आई फोन 16 मॉडल्स में पंच-होल डिजाइन पेश किया था और प्रो मॉडल्स में एक्शन बटन जोड़ा था. ऐसी उम्मीद जाहिर की जा रही है कि इस साल कंपनी फोटोग्राफी अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक कैप्चर बटन दे सकती है जो जूमिंग फंक्शन या क्विक कैमरा शटर के रूप में मददगार होगा. लीक तस्वीरों से पता चलता है कि एप्पल ने बैक कैमरा सेंसर की जगह बदल दी है. डुअल कैमरा सेटअप को वर्टिकल कैमरा लेआउट में तब्दील हो गया है. लीक के अनुसार, स्टैंडर्ड वर्जन और आईफोन 16 प्लस ब्लैक, ग्रीन, पिंक और व्हाइट रंगों में आ सकते हैं.

▪ **डिस्प्ले साइज बढ़ेगा**

चर्चा के मुताबिक एप्पल कुछ सेलेक्टेड मॉडल्स के डिस्प्ले साइज को बढ़ा सकता है. आईफोन 16 प्रो मॉडल्स में थोड़ी बड़ी स्क्रीन मिलेगी, जिसमें रेगुलर प्रो मॉडल 6.1 इंच से बढ़कर 6.3 इंच और प्रो मैक्स 6.7 इंच से बढ़कर लगभग 6.9 इंच हो जाएगा.

▪ **नया चिपसेट और अन्य फीचर्स**

आईफोन 16 सीरीज में नया ए18 चिपसेट हो सकता है. चर्चा है कि इस सीरीज के सभी मॉडल्स में 8जीबी रैम हो सकते हैं, जो नए एप्पल इंटेलिजेंस फीचर्स को सपोर्ट करने के लिए जरूरी हैं. एप्पल कथित तौर पर आई फोन 16 लाइनअप के लिए ग्राफीन थर्मल सिस्टम पर काम कर रहा है, जिसमें प्रो मॉडल्स मेटल बैटरी के साथ दिया जा सकता है, ताकि ओवरहीटिंग की समस्या से निजात मिले.

▪ **बड़ी बैटरी**

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आईफोन 16 में 3,561 मेगाहर्ट्ज की बड़ी बैटरी हो सकती है, जबकि आईफोन 16 प्लस में 4,006 मेगाहर्ट्ज यूनिट हो सकता है. आईफोन 16 प्रो में 3,577 मेगाहर्ट्ज की बैटरी होगी, जबकि आईफोन 16 प्रो मैक्स में 4,676 मेगाहर्ट्ज बैटरी हो सकती है. आईफोन 16 सीरीज 40 वाट वायर्ड फास्ट चार्जिंग और 20 वाट मैगसेफ चार्जिंग के साथ आ सकती है.

▪ **कैमरा अपग्रेड्स**

चर्चा है कि कंपनी अपकमिंग मोबाइल के लिए नई एंटी-रिफ्लेक्टिव ऑप्टिकल कोटिंग टेक्नोलॉजी को टेस्ट कर रही है, जो लेंस फ्लेयर और घोस्टिंग जैसे आर्टिफैक्ट्स को कम करके फोटो की क्वालिटी में सुधार हो सकता है. आईफोन 16 प्रो मॉडल्स में अपग्रेडेड 48-मेगापिक्सल अल्ट्रा वाइड कैमरा लेंस हो सकता है, जिससे लो-लाइट प्रदर्शन में सुधार होगा और अल्ट्रा वाइड मोड में 48-मेगापिक्सल प्रो रॉ फ़ोटो मिल सकेंगी. आईफोन 16 प्रो मैक्स में सुपर टेलीफोटो पेरिस्कोप कैमरा होने की संभावना है.

नासा के अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर बोइंग के स्टारलाइनर यान में गड़बड़ी के चलते करीब ढाई महीने से अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर फंसे हुए हैं. अब उनके साथ शारीरिक परेशानियां शुरू हो गई हैं. उनकी वापसी के लिए नासा स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन का इस्तेमाल की सोच रहा है.

आंखों की समस्या झेल रही हैं अंतरिक्ष में फंसी सुनीता, इस साल नहीं हो सकेगी वापसी !

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की वापसी अब तक अधर में है. इस बीच सुनीता और उनके सहयोगी कमांडर बैरी विल्मोर के स्वस्थ्य संबंधी समस्या की बात सामने आ रही है. वहीं करीब ढाई महीने से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे नासा के दोनों एस्ट्रोनॉट की वापसी भी निकट भविष्य में संभव नहीं दिख रही.

क्या है मामला

नासा की एस्ट्रोनॉट यात्री सुनीता विलियम्स अपने सहयोगी कमांडर बैरी विल्मोर के साथ जून की शुरुआत में बोइंग के स्टारलाइनर से अंतरिक्ष में गई थी. दोनों को एक सप्ताह बिताकर धरती पर वापस आना था. लेकिन बोइंग के स्टारलाइनर में खराबी के चलते उनकी वापसी में देरी हो रही है. नासा ने हाल ही में बताया था कि वापसी में 2025 तक देरी हो सकती है. इस बीच फंसे एस्ट्रोनॉट की हड्डियों व आंखों में समस्या आने की खबर सामने आ रही है. नई रिपोर्ट बताती है कि सुनीता विलियम्स को आईएसएस पर आंखों में समस्या हो रही है.

क्यों हो रही ये दिक्कतें

कहा जाता है कि माइक्रोग्रैविटी के लंबे समय तक संपर्क में रहने को वजह से सुनीता विलियम्स की आंखों में यह समस्या आ रही है. इसकी पहचान स्पेसफ्लाइट एसोसिएटेड न्यूरो-ऑकुलर सिंड्रोम के रूप में की गई है. इससे दिखाई देना धुंधला हो जाता है. साथ ही आंखों की संरचना व आकार-प्रकार में भी बदलाव हो सकता है. वस्तुस्थिति को जानने के लिए दोनों एस्ट्रोनॉट के रेटिना, कॉर्निया और लेंस का स्कैन किया गया है.

कब होगी वापसी

नासा अपने अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी के लिए स्पेसएक्स के क्रू डैगन मिशन को आजमाने की सोच रहा है. क्रू ड्रैगन मिशन सितंबर 2024 के लिए निर्धारित है. इसके फरवरी 2025 में पृथ्वी पर वापस आने की उम्मीद है. विलियम्स और विल्मोर इस मिशन पर पृथ्वी पर वापस आ सकते हैं. अगर ऐसा हुआ तो अंतरिक्ष में उनका प्रवास 8 महीने से अधिक हो जाएगा.

दिल चुरा रही हुवावे की नई घड़ी

महीने भर में 10 लाख से अधिक यूनिट की बिक्री

हुवावे की नई घड़ी हुवावे जीटी 4 स्मार्टवाच भारत में आधिकारिक तौर पर लॉन्च हो गई है. लग्जरी लुक, एडवांस्ड फीचर्स और ढेर सारे हेल्थ ट्रैकिंग सेंसर से लैस यह स्मार्टवॉच की एक बड़ी खासियत इसकी बैटरी लाइफ है. कंपनी का दावा है कि वॉच दो हफ्ते की बैटरी लाइफ के साथ आती है. ये वॉच 32एमबी रैम और 4 जीबी स्टोरेज के साथ आती है. लॉन्चिंग के बाद इस वॉच को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और महीने भर के भीतर ही इसके 10 लाख से अधिक यूनिट की बिक्री हो गई है. आइए इसके फीचर्स, लुक, प्राइस आदि की करें चर्चा.

▪ **प्राइस, कलर, गारंटी**

वॉच की एमआरपी 19,999 रुपए है लेकिन इस वॉच को फ्लिपकार्ट पर 14,999 रुपये के स्पेशल प्राइस पर अभी लिया जा सकता है. वॉच पर 12 महीने की वारंटी भी दी जा रही है. यह स्मार्ट वॉच तीन कलर ऑप्शन ब्लैक, ब्राउन और ग्रीन में उपलब्ध है. ब्लैक वेरिएंट में डायल से लेकर स्ट्रैप तक सबकुछ ब्लैक रहेगा.

▪ **लुक-डिजाइन**

नई हुवावे जीटी 4 स्मार्टवॉच यूनिक का डायल ऑक्टागोनल शेप का है. केस में डुअल टाइम जोन बेजल दिया गया है. वजन में बेहद हल्की है. लिहाजा अधिक समय तक पहनना असुविधाजनक नहीं है. इसमें 1.43 इंच का एमोलेड डिस्प्ले मिलता है, जो शानदार व्यूइंग एक्सपीरियंस देता है. डिस्प्ले में 466x466 पिक्सेल रिजॉल्यूशन के साथ 326 पीपीआई पिक्सेल डेंसिटी है. इसके ब्राउन वेरिएंट में लेदर स्ट्रैप मिलता है जबकि अन्य दो वेरिएंट में सिलिकॉन स्ट्रैप हैं. इसमें 25,000 कस्टमाइजेबल वॉचफेस मिलते हैं, जिन्हें आप अपने मूड और स्टाइल के अनुसार, कभी भी, कहीं भी बदल सकते हैं. यूजर्स चाहें, तो अपनी मर्जी का वॉच फेस क्रिएट भी कर सकते हैं.

▪ **कॉलिंग/मैसेज रिप्लाई**

नई हुवावे जीटी 4 स्मार्टवॉच ब्लूटूथ कॉलिंग और मैसेज क्विक रिप्लाई जैसे फीचर्स के साथ आती है. यानी उपयोगकर्ता अपनी कलाई से सीधे कॉल मैनेज कर सकते हैं और मैसेज का जवाब दे सकते हैं. इसमें इन-बिल्ट माइक्रोफोन और स्पीकर दिया गया है.

▪ **हेल्थ ट्रैकिंग सेंसर**

वॉच, हुवावे की ट्रूसीन हार्ट रेट टेक्नोलॉजी का लेटेस्ट 5.5 वर्जन, हार्ट रेट मॉनिटरिंग, एसवीओटू, स्लीप, स्ट्रेस ट्रैकिंग के साथ आती है.

महिलाओं/लड़कियों के लिए इसमें पीरियड ट्रैकर भी है. यह एडवांस्ड स्लीप एनालिसिस के लिए हुवावे की टू स्लीप 3.0 तकनीक से लैस है, जिससे कम्प्लीट वेलनेस एक्सपीरियंस मिलता है.

▪ **100 से ज्यादा वर्कआउट मोड**

हुवावे जीटी 4 की डिजाइनिंग फिटनेस जर्नी को बेहतर बनाने के अनुकूल है. स्मार्ट वर्कआउट कोच, स्टे फिट ऐप और सटीक नेविगेशन और दूरी मापने के लिए बेहतर रूट ट्रैकर भी दिया गया है, जो इसे आउटडोर एक्टिविटी के लिए परफेक्ट ऑप्शन बनाता है. रनिंग, साइकलिंग, वॉकिंगइन सबको जीटी 4 की एडवांस्ड जीपीएस कैपेबिलिटी सटीक ट्रैकिंग सुनिश्चित करती हैं. कैलोरी मैनेजमेंट और 100 से ज्यादा वर्कआउट मोड इसके फीचर्स में शामिल हैं.

▪ **5 एटीएम वॉटर रेजिस्टेंस भी**

हुवावे जीटी 4 की दमदार बैटरी इसकी अन्य खासियत है. कंपनी का दावा है कि एक बार चार्ज करने पर यह 2 सप्ताह तक धड़ल्ले से चलेगी. स्मार्टवॉच में यह एंड्रॉयड और आईओएस दोनों डिवाइस के साथ काम कर सकती है. इसके अलावा, वॉच आइएसओ सर्टिफाइड 5 एटीएम वॉटर रेजिस्टेंस भी है. यह पानी में भीगने यहां तक कि स्विमिंग के दौरान पहनने से भी खराब नहीं होगी.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

जैक पॉल से मुकाबला करने के लिए बेकरार हैं माइक टायसन

..और सुनो...मैं पूरी तरह से तैयार हूं : टायसन

एजेंसी। न्यूयॉर्क

माइक टायसन 58 साल के हैं और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण रिंग में उनकी वापसी को स्थगित करना पड़ा लेकिन यह दिग्गज मुक्केबाज फिर से दस्ताने पहनने के लिए तैयार है. एक समय दुनिया के सबसे खतरनाक मुक्केबाज रहे टायसन फिर से रिंग में उतर कर खुद को खतरे में डाल सकते हैं. रविवार को यहां जब उनसे पूछा गया कि वह जैक पॉल से मुकाबला क्यों करना चाहते हैं तो उन्होंने तपाक से उत्तर दिया. टायसन ने खचाखच भरे

संवाददाता सम्मेलन में कहा, क्योंकि मैं ऐसा कर सकता हूं. क्या मेरे अलावा कोई और है जो ऐसा कर सकता है. इस मुकाबले में मेरे अलावा और कौन लड़ेगा. इस दौरान प्रशंसकों ने टायसन के समर्थन में नारे लगाए जबकि पॉल की हूटिंग की. टायसन और पॉल के बीच की यह मुकाबला पहले 20 जुलाई को होना था. टायसन को अल्सर की समस्या होने के कारण इसे टाल दिया गया था. यह मुकाबला अब 15 नवंबर को टेक्सास के आर्लिंगटन में होगा. टायसन ने कहा कि अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और उन्होंने दो या तीन सप्ताह पहले अभ्यास शुरू कर दिया है. उन्होंने कहा, और सुनो. मैं पूरी तरह से तैयार हूं.

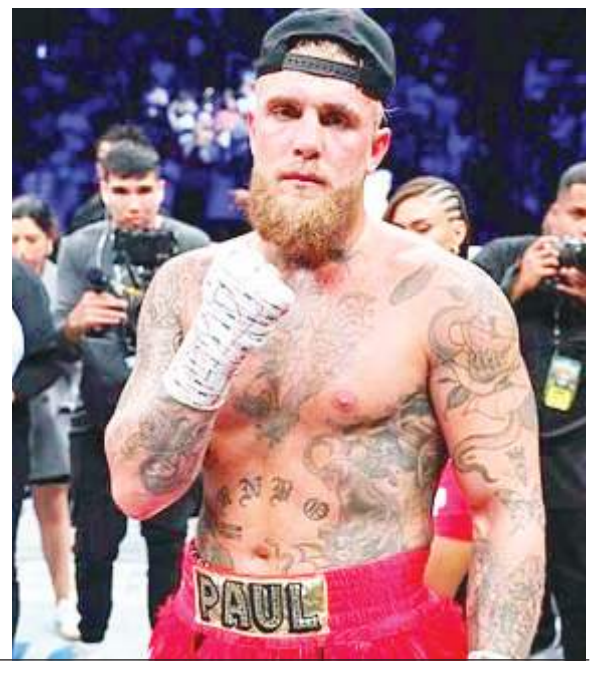

ब्रीफ खबरें

पहले नदीम की संपत्ति सिर्फ 80 लाख की थी

इस्लामाबाद। ओलंपिक में भाला फेंक में गोल्ड मेडल जीतने के बाद से अरशद नदीम को लगातार इनाम के तौर पर करोड़ों रुपये मिल रहे हैं. गोल्ड मेडल जीतने से पहले अरशद नदीम की कुल संपत्ति सिर्फ 80 लाख थी. ऐसा दावा कई मीडिया रिपोर्ट्स में किया गया है. रिपोर्ट की मानें तो अरशद नदीम के पास पेरिस ओलंपिक से पहले सिर्फ एक सुजुकी की कार थी और महज 80 लाख की संपत्ति थी. हालांकि, अब वह मालामाल हो गए हैं. अरशद नदीम को पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने पर प्राइज मनी के तौर पर 50 हजार डॉलर मिले. भारतीय रुपये में यह करीब 42 लाख रुपये हुए. वहीं पाकिस्तानी रुपये में यह 1 करोड़ 40 लाख हुआ.

स्वर्णिम गाथा लिखने की तैयारी में सुमित

नयी दिल्ली। टोक्यो पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल का लक्ष्य पेरिस खेलों में पुरुषों के एफ64 श्रेणी में अपने विश्व रिकॉर्ड में सुधार के साथ खिताब का बचाव करना है. सुमित 28 अगस्त से आठ सितंबर तक होने वाले खेलों के उद्घाटन समारोह में भाग्यश्री जाधव के साथ भारतीय ध्वजवाहक भी होंगे. सुमित ने टोक्यो पैरालंपिक में तीन बार विश्व रिकॉर्ड कायम करते हुए 68.55 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक जीता था. उन्होंने इसके बाद 2023 पैरा विश्व चैम्पियनशिप में 70.83 मीटर के थ्रो के साथ नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया और फिर हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में इसमें सुधार करते हुए 73.29 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता.

मो. शमी को लेकर सचिव जय शाह ने किया इशारा

नयी दिल्ली। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने इशारा दिया है कि चोट से उबरे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया में खेलेंगे. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम नवंबर में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में खेलने उतरेगी. इससे पहले बीसीसीआई ने अपने तेज गेंदबाजों को तैयार कर रहा है. जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा रहा है जबकि चोट से वापसी कर रहे मोहम्मद शमी पर भी बोर्ड की नजर बनी हुई है. बीसीसीआई सचिव जय शाह ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, हमारी टीम पहले से तैयार है. हमने जसप्रीत बुमराह को काफी आराम दिया है. मोहम्मद शमी भी तब तक पूरी तरह से फिट हो जाएंगे. यह एक अनुभवी भारतीय टीम है.

बांग्लादेश के हालात ठीक नहीं, अक्टूबर में होना है टूर्नामेंट का आयोजन

महिला टी20 वर्ल्ड कप पर आज बड़े फैसले के आसार

एजेंसी। नयी दिल्ली

बांग्लादेश में हिंसा और विरोध प्रदर्शन के कारण महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं, जिसकी मेजबानी बांग्लादेश अक्टूबर महीने में करने वाला है. आलम यह है कि रिपोर्ट्स अनुसार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष लंदन में जा छुपे हैं. ऐसे में यह चिंता का विषय है कि आखिर महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी कौन करेगा? इस मामले में 2 देशों ने एंट्री मारी है. आईसीसी के सामने नए मेजबान देश के रूप में दो विकल्प खुले हुए हैं. हाल ही में खबर आई कि वर्ल्ड कप को यूएई में आयोजित करवाया जा सकता है, लेकिन अब मेजबानी की इस रेस में जिम्बाब्वे भी कूद पड़ा है. अचानक जिम्बाब्वे वर्ल्ड कप की मेजबानी करने की रेस में शामिल हो गया है और इस पर आईसीसी बहुत जल्द फैसला सुना सकता है. बता दें कि जिम्बाब्वे ने हाल ही के वर्षों में दो बार वनडे वर्ल्ड कप के क्वालीफायर्स टूर्नामेंट की मेजबानी की है.

यह अफ्रीकी देश साबित कर चुका है कि वह वर्ल्ड कप का भी सफल आयोजन करने में सक्षम है. महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 की मेजबानी जिम्बाब्वे के हाथों में इसलिए भी जा सकती है क्योंकि क्रिकेट मैचों के हिसाब से अक्टूबर महीने का मौसम बढ़िया रहेगा. उन दिनों जिम्बाब्वे में बारिश की संभावना बहुत कम होगी. हालांकि यूएई की तुलना में इस अफ्रीकी देश के स्टेडियमों के अंदर बैठने की ज्यादा जगह नहीं है. मगर जिम्बाब्वे

में क्रिकेट को प्रमोट करने और इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने के मामले में आईसीसी का फैसला बहुत अहम हो सकता है. वर्ल्ड कप का मेजबान कौन होगा, इस विषय पर आईसीसी 20 अगस्त को फैसला सुना सकता है.

भारत को भी मिला ऑफर

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की ओर से महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए सबसे पहले भारत के पास ऑफर आया था. मगर जय शाह ने एक मीडिया इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने वर्ल्ड कप की मेजबानी का ऑफर तुरंत ठुकरा दिया था. इसका कारण ये था कि अक्टूबर के समय भी भारत में मॉनसून सीजन चल रहा होता है. वहीं बीसीसीआई सचिव ने यह भी कहा की वे दुनिया में यह भ्रांति नहीं फैलाना चाहते कि भरता ज्यादा वर्ल्ड कप टूर्नामेंट्स की मेजबानी करना चाहता है.

बांग्लादेश में टी20 विश्व कप खेलना मुश्किल : एलिसा हीली

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने कहा है कि अक्टूबर में बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप खेलना शायद सही नहीं होगा क्योंकि इससे देश पर बहुत दबाव पड़ेगा, जो अब भी बड़े पैमाने पर हुई हिंसा और विरोध-प्रदर्शनों से उबर रहा है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे. देश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया था और भारत भाग गई जबकि नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया है. महिला टी20 विश्व कप तीन से 19 अक्टूबर तक बांग्लादेश में होना है जिसमें गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया सहित 10 टीमें भाग लेंगी. एएपी के अनुसार एलिसा ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से कहा, मुझे इस

समय वहां खेलने के बारे में सोचना मुश्किल लग रहा है, एक इंसान के तौर पर मुझे लगता है कि ऐसा करना गलत होगा. यह ऐसे देश से संसाधन छीनना होगा जो काफी संघर्ष कर रहा है. उन्हें उन सभी लोगों की जरूरत है जो मर रहे लोगों की मदद के लिए वहां पहुंच सकें. एलिसा ने कहा कि अंतिम निर्णय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को लेना है जिसके इस सप्ताह फैसला करने की उम्मीद है.

सिनर सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में, स्वियातेक हारीं

एजेंसी। मेसन (अमेरिका)

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन महिला वर्ग में शीर्ष खिलाड़ी इगा स्वियातेक को आर्यना सबालेंका से हार का सामना करना पड़ा. सबालेंका फाइनल में अमेरिकी जेसिका पेगुला से भिड़ेंगी, जबकि सिनर का सामना फ्रांसिस टियाफो से होगा.

इटली के खिलाड़ी सिनर ने तीन घंटे, सात मिनट तक चले मैच में 7-6(9) 5-7 7-6(4) से जीत दर्ज की. टियाफो ने एक अन्य सेमीफाइनल में होल्गर रूण को 4-6, 6-1, 7-6 (7-4) से पराजित किया. महिलाओं के सेमीफाइनल में

सबालेंका ने स्वियातेक को 6-3 6-3 से हरा कर पहली बार सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में जगह बनाई. इससे पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक का पिछले 15 मैच से चला आ रहा विजय अभियान भी थम गया. छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने बारिश से प्रभावित दूसरे सेमीफाइनल में पाउला बडोसा को 6-2, 3-6, 6-3 से हराया.

दलीप ट्रॉफी को लेकर रिंकू सिंह का छलका दर्द

नयी दिल्ली। 5 सितंबर से होने वाली दलीप ट्रॉफी में रिंकू को जगह नहीं मिली है. दलीप ट्रॉफी को लेकर रिंकू ने स्पोर्ट्स टुडे से कहा, मैंने (घरेलू सत्र में) उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं किया. मैंने रणजी ट्रॉफी में उतने मैच नहीं खेले, 2-3 मैच ही खेले. मेरा चयन इसलिए नहीं हुआ क्योंकि मैंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया. 2023-24 के रणजी ट्रॉफी सत्र में, रिंकू ने उत्तर प्रदेश के लिए तीन मैच खेले, जिसमें उन्होंने 42.66 की औसत से 128 रन बनाए, जिसमें सिर्फ़ एक अर्धशतक शामिल था. रिंकू सिंह ने आगे कहा, मुझे जो भी मौके मिल रहे हैं, मैं उनसे खुश हूं. जब मुझे वनडे या टेस्ट के लिए चुना जाएगा, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात होगी.

ईशान ने आखिरी ओवर में छक्कों से दिलाई झारखंड को जीत

एजेंसी। चेन्नई

भारतीय क्रिकेट के युवा स्टार ईशान किशन ने बुची बाबू ट्रॉफी में शानदार वापसी की है. टी20 वर्ल्ड कप 2024 और श्रीलंका के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज के लिए नजरअंदाज किए जाने के बाद झारखंड की कप्तानी करते हुए ईशान ने शानदार प्रदर्शन किया. पहले मैच में उन्होंने अपनी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग से झारखंड को मध्य प्रदेश के खिलाफ 2 विकेट से जीत दिलाई. झारखंड का मुकाबला मध्य प्रदेश से था. ईशान किशन ने महज 107 गेंदों में 114 रनों की शानदार पारी खेली और अपनी टीम को पहली पारी में 64 रनों की बढ़त दिलाई. दूसरी पारी में झारखंड मुश्किल में थी. टीम को जीत के लिए 174 रनों का छोटा लक्ष्य मिला था,

लेकिन बीच में विकेट जल्दी गिर गए. मैच का रोमांच बढ़ चुका था. जीत के लिए 12 रन चाहिए थे और दो विकेट बचे थे. लेकिन ईशान किशन पर बिल्कुल भी प्रेशर नहीं दिखा. उन्होंने दो छक्के जड़ते हुए टीम को जीत दिलाई. ईशान में बिल्कुल पूर्व कप्तान एमएस धोनी की झलक दिखी.

पीसीबी के चीफ ने खुद ही खोली पोल, कहा-

पाक के स्टेडियम इंटरनेशनल स्तर के नहीं

- फरवरी-मार्च में पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी करनी है

एजेंसी। कराची

अगले साल फरवरी-मार्च में पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी करनी है, जिसको लेकर पहले से ही कई सवाल उठ रहे हैं. टीम इंडिया के खेलने न खेलने पर सवाल बना हुआ है और इसकी भी संभावना है कि टूर्नामेंट का आयोजन हाइब्रिड मॉडल पर हो सकता है. फिर भी पाकिस्तान तो इसकी तैयारियों में लगा है. इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट

बोर्ड (पीसीबी) के मुखिया ने ही अपने देश के क्रिकेट स्टेडियमों की पोल खोल दी है और कहा कि पाकिस्तान के स्टेडियम इंटरनेशनल क्रिकेट की मेजबानी के लायक नहीं हैं. चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर पाकिस्तान में लाहौर और कराची जैसे सबसे पॉपुलर और सबसे प्रमुख स्टेडियमों में इन दिनों काम चल रहा है. पीसीबी इन्हें टूर्नामेंट से पहले तैयार करने में जुटी है, जिस पर करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं. इसकी बड़ी वजह पाकिस्तानी स्टेडियमों की खस्ता हालत है, जिसको लेकर पहले भी कई बार फैन और मीडिया सवाल उठाती रही है और अब खुद पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने इस बात को स्वीकार किया है. 1

फुटबॉल की गुणवत्ता में सुधार करेंगे : कुमार

भाषा। नयी दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के नवनियुक्त महासचिव पी. अनिलकुमार ने सोमवार को कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता फीफा, क्लबों, राज्य संघों और सरकार जैसे प्रत्येक हितधारक को शामिल करते हुए देश में फुटबॉल की 'गुणवत्ता में सुधार' करना है. अनुभवी खेल प्रशासक अनिलकुमार का फुटबॉल हाउस में एआईएफएफ कोषाध्यक्ष किपा अजय ने उप महासचिव एम सत्यनारायण की उपस्थिति में स्वागत किया. अनिलकुमार ने सोमवार को कार्यभार संभालने के बाद एआईएफएफ

वेबसाइट से कहा, अब, प्राथमिकता फुटबॉल की गुणवत्ता में सुधार की होगी. मुझे नहीं पता कि इसे उस स्तर पर लाने में हमें कितना समय लगेगा, लेकिन फिर भी हम इस उम्मीद के साथ शुरुआत कर रहे हैं कि हम कुछ बेहतर कर सकेंगे। जब तक हम सफल नहीं हो जाते, हम हार नहीं मानेंगे. हम आप सभी भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों और भारतीय फुटबॉल का समर्थन करने वालों के साथ काम करना जारी रखेंगे.

अनिलकुमार का मानना है कि जब गुणवत्ता में सुधार होगा, तो फुटबॉल देखने वाले दर्शकों की संख्या बढ़ेगी और फुटबॉल में निवेश बढ़ेगा. नवनियुक्त महासचिव ने कहा कि भारतीय फुटबॉल हालांकि कई वर्षों से आगे बढ़ रहा है, लेकिन फीफा रैंकिंग को पैमाना बनाये तो यह अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है. ऐसे में उस रैंकिंग को सुधारने की हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है. हमारा ध्यान भारतीय फुटबॉल की गुणवत्ता में सुधार करने और इसे वैश्विक स्तर पर अधिक स्वीकार्य बनाने के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करने पर होगा. इसके लिए हम कार्यकारी समिति के निर्देशों के मुताबिक अपनी टीम के साथ प्रणाली में सुधार करने के लिए मेहनत करेंगे.

टेस्ट मैच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट श्रृंखला को लेकर ऑस्ट्रेलियाई टीम गंभीर

भारत के खिलाफ ग्रीन-मार्श पर गेंदबाजी निर्भर : कमिंस

भाषा। मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस को उम्मीद है कि इस साल के आखिर में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट श्रृंखला के दौरान ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन और मिशेल मार्श गेंदबाजी का अधिक जिम्मा संभालेंगे. कमिंस चाहते हैं कि यह दोनों ऑलराउंडर नवंबर से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में टीम के अग्रणी तेज गेंदबाजों का कार्यभार साझा करें. कमिंस ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान कहा, टीम में ऑलराउंडर होने से फायदा मिलता है. पिछले कुछ वर्षों में हम उनका उतना उपयोग नहीं कर पाए जितना हमने

सोचा था. यह अच्छी बात है. उन्होंने कहा, लेकिन इन गर्मियों के सत्र में कुछ अलग हो सकता है. हम ग्रीन और मार्श को गेंदबाजी में थोड़ा अधिक जिम्मेदारी दे सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ने कहा, ग्रीन से 35 विकेट लिए हैं. कमिंस ने कहा, पहला मुद्दा यह है कि वे (ग्रीन और मार्श) दोनों केवल अपनी बल्लेबाजी के दम पर शीर्ष छह में जगह बनाते हैं या नहीं. हम वास्तव में सौभाग्यशाली हैं जो हमारे पास नाथन लियोन जैसा गेंदबाज है, जिससे हम कई ओवर करवा सकते हैं. ऐसे में जरूरी नहीं कि आपके पास एक ऑलराउंडर हो, लेकिन पांचवें गेंदबाजी विकल्प का होना बड़ा अंतर पैदा करता है. हमारे पास ग्रीन और मार्श के रूप में गेंदबाजी के छह विकल्प हैं. यह अच्छी बात है लेकिन बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम के छह बल्लेबाजों को केवल अपनी बल्लेबाजी के दम पर टीम में जगह बनानी चाहिए.

खास बातें

- नवंबर से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला होगी
- टीम में ऑलराउंडर को लेकर बन रही रणनीति

जैसे खिलाड़ी ने शील्ड क्रिकेट में गेंदबाज के रूप में शुरुआत की थी, लेकिन टेस्ट मैचों में उसे ज्यादा गेंदबाजी नहीं करनी पड़ी. अब वह पहले से अधिक परिपक्व हो गया है. मुझे लगता है कि हम उस पर थोड़ा और अधिक निर्भर रहेंगे. 25 वर्षीय ग्रीन ने अपने करियर में अब तक 28 टेस्ट मैचों में 35.31 के औसत

नागल विंस्टन सलेम ओपन से बाहर हुए

विंस्टन-सलेम (अमेरिका)। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल यहां पहले दौर में ही बोर्ना कोरिच से सीधे सेटों में हारकर एटीपी 250 प्रतियोगिता विंस्टन सलेम ओपन से बाहर हो गये. नागल एक घंटे 10 मिनट तक चले मैच में क्रोएशियाई खिलाड़ी से 4-6, 2-6 से हार गए. नागल मुकाबले में मिले एकमात्र ब्रेकप्वाइंट को बदलने में सफल रहे लेकिन इस बीच उन्होंने चार बार अपनी सर्विस गंवायी. पुरुष युगल में पूर्व जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन दक्षिणेश्वर सुरेश ब्रिटेन के अपने जोड़ीदार लुका पॉव के साथ चुनौती पेश करेंगे. अमेरिका में कॉलेज सर्किट में खेलने वाले दक्षिणेश्वर एकल मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए थे. वह क्वालीफाइंग के दूसरे दौर में अमेरिका के चौथी वरीयता प्राप्त लर्नर टीएन से 3-6, 4-6 से हार गए थे.

लंदन स्पिरिट ने पहली बार महिला हंड्रेड का खिताब जीता

- दीप्ति शर्मा का ऑलराउंड प्रदर्शन

भाषा। लंदन

भारतीय आलराउंडर दीप्ति शर्मा ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम भूमिका निभाई जिससे लंदन स्पिरिट ने यहां लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल में वेल्स फायर को चार विकेट से हराकर पहली बार महिला हंड्रेड का खिताब जीता. दीप्ति ने 23 रन देकर एक विकेट लिया और फिर नाबाद 16 रन बनाए, जिसमें हेली मैथ्यूज पर लगाया गया विजयी छक्का भी शामिल है. इसके बाद इस भारतीय खिलाड़ी ने अपनी साथी बल्लेबाज चार्ली डीन को गले लगाया. दीप्ति ने दो साल पहले ने इंग्लैंड के खिलाफ एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के दौरान नॉन स्ट्राइकर छोर पर रन लेने के लिए आगे बढ़ी डीन को रन आउट कर दिया था.

ब्रीफ खबरें

मनेर नप सभापति की दबंगई, पार्षद को धमकाया

पटना। राजधानी से सटे मनेर में नगर परिषद के सभापति विद्याधर विनोद सिंह पर गंभीर आरोप लगा है. आरोप है कि सभापति विद्याधर विनोद सिंह इन दिनों अपने पद के घमंड में वार्ड के पार्षदों के साथ दुर्व्यवहार या दबंगई दिखाते हुए धमकी देते हैं. ताजा मामला है पटना राजधानी के मनेर की, जहां नगर परिषद के सभापति विद्याधर विनोद सिंह को नगर परिषद के वार्ड संख्या 12 के पार्षद सुनील कुमार उर्फ भूपेंद्र कुमार को मोबाइल फोन पर हुए बातचीत के दौरान धमकी दी है.

इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट नवंबर में

पटना। ट्रैक सोशल वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में नवंबर महीने में इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन पटना में किया जायेगा. यह जानकारी ट्रैक सोशल वेलफेयर सोसायटी के सचिव नवीन चंद्र ने दी. उन्होंने कहा कि ट्रैक सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा वर्ष 2013 से हर वर्ष इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन करता रहा है. कोरोना काल में यह टूर्नामेंट बंद हो गया था जो एक बार फिर से शुरू किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि बिहार फुटबॉल एसोसिएशन व पटना फुटबॉल संघ से इस टूर्नामेंट की संबद्धता कराई जायेगी. तकनीकी सहयोग पटना फुटबॉल संघ का होगा.

मनिहारी गंगा घाट पर उमड़ा सैलाब

कटिहार। सावन पूर्णिमा को लेकर कटिहार के मनिहारी गंगा घाट में भोले भक्तों का तांता लगता है. महादेव के भक्त सावन पूर्णिमा के अवसर पर गंगा में स्नान कर गंगाजल लेकर अपने इलाके के शिवालयों में जल अभिषेक करते हैं. लगभग तीन लाख से अधिक लोग पूरे सीमांचल के साथ-साथ नेपाल से भी मनिहारी गंगा घाट पहुंचते हैं. ऐसे में गंगा तट पर भोले भक्तों के लिए गंगा स्नान के लिए विशेष बैरिकेडिंग, महाजाल के साथ-साथ तमाम व्यवस्था मनिहारी नगर पंचायत के तरफ से किया है ताकि गंगा स्नान के समय कोई अनहोनी ना हो.

2012 से चला रहे पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए खास परंपरा

नीतीश पहुंचे ईको पार्क, पेड़ को बांधी राखी

संवाददाता। रांची

रक्षाबंधन पर महिलाओं को मुफ्त बस सेवा का तोहफा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रक्षाबंधन के दिन प्रदेश की महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया. राखी के मौके पर पटना में चलने वाली सिटी सर्विस बस यानी सभी सरकारी बसों में महिलाओं ने फ्री सफर किया. वहीं सीएम नीतीश के इस तोहफे से महिलाओं में खुशी देखने को मिली.

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रक्षाबंधन के दिन सुबह सुबह पटना के ईको पार्क पहुंचे. सीएम नीतीश ने यहां पीपल के पेड़ को राखी बांधी. साथ ही उन्होंने पेड़ भी लगाया. बता दें कि रक्षा बंधन के दिन बिहार में बिहार वृक्ष सुरक्षा दिवस मनाया जाता है. सीएम नीतीश हर वर्ष की तरह आज भी पटना के ईको पार्क पहुंचे और यहां पीपल के पेड़ को राखी बांधी.बता दें कि, सीएम नीतीश कुमार 2012 से लगातार वो रक्षाबंधन के मौके पर पेड़ को रक्षा सूत्र बांधते आ रहे हैं. पर्यावरण की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है, इसलिए इस खास दिन का नाम ''वृक्ष सुरक्षा दिवस'' रखा है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ तमाम मंत्रिमंडल के सदस्यों ने भी पेड़-पौधों को राखी बांधी. इस मौके पर नीतीश कुमार ने प्रदेश वासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं.

इस दौरान सीएम नीतीश के साथ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय चौधरी भी मौजूद थे. वहीं इसके पहले सोशल मीडिया पर ट्विट कर सीएम नीतीश ने देशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकानाएं दीं. उन्होंने लिखा कि, रक्षाबंधन भाई-बहन के प्यार एवं स्नेह का त्यौहार है. रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं. इस अवसर पर दोनों उपमुख्यमंत्री के साथ-साथ वन पर्यावरण विभाग के मंत्री प्रेम कुमार और कई अधिकारी मौजूद थे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हर साल रक्षाबंधन के अवसर पर ईको पार्क में पेड़ लगाते हैं और पेड़ों में राखी बांधते हैं.

रक्षाबंधन के दिन पिता को लेकर बुआ के घर जा रहा था युवक

पिता-पुत्र को हाइवा ने कुचला, बेटे की मौत, पिता की हालत गंभीर

संवाददाता। वैशाली

बिहार के वैशाली से रक्षाबंधन के दिन दर्दनाक खबर सामने आई, जहां तेज रफ्तार हाईवा ने बाप-बेटे को कुचल दिया. इस घटना में बेटे की दर्दनाक मौत हो गई. वहीं पिता की हालत गंभीर बताई जा रही है. दरअसल, पूरा मामला जिले के सराय थाना क्षेत्र के सराय टोल प्लाजा के पास का है. जहां तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक सवार पिता पुत्र को कुचल दिया और मौके से भागने में कामयाब हो गया. इधर घटनास्थल पर अफरा तफरी का माहौल बन गया और बाइक चालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना सराय थाने की पुलिस अधिकारी को दी. इसके बाद पुलिस ने तुरंत घायल को सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया. और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है. मृतक इनायतपुर गांव निवासी धर्मदेव ठाकुर के 45 वर्षीय पुत्र शशि भूषण शर्मा बताया गया है. मृतक अपने पिता को लेकर हाजीपुर घोषवर बुआ के घर जा रहा था. तभी तेज रफ्तार हाईवा ने उन्हें कुचल दिया

है. मृतक के पिता गंभीर रूप से घायल हुए हैं. जिन्हें फिलहाल सदर अस्पताल हाजीपुर में इलाज चल रहा है. मृतक 4 महीने पहले फौज से रिटायर्ड हुए थे. सेवानिवृत्ति फौजी अपने पिताजी को लेकर फुआ के घर जा रहा था. इधर घटना के बाद गुस्सा लोगों ने एनएच 22 को टोल टैक्स के पास जाम कर दिया और सड़क मार्ग पर आगजनी भी की. जाम की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले को शांत में करने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दी है.

गंगा स्नान करने गए भाई की नदी में डूबने से हुई मौत : बेगूसराय : बिहार के बेगूसराय में रक्षाबंधन के दिन गंगा स्नान करने गए युवक की डूबने से मौत हो गई. वहीं घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया. पूरा मामला मटिहानी थाना क्षेत्र का है. जानकारी अनुसार बारीएग मोहन टोला के निवासी स्वर्गीय देवेंद्र राय का पुत्र 32 वर्षीय चंदन कुमार रक्षाबंधन की पावन पर्व के शुभ अवसर पर गंगा स्नान के लिए गंगा नदी के खराम पुर घाट जा पहुंचा, जहां पानी के तेज बहाव होने के कारण अचानक डूबने लगा. स्थानीय लोगों ने जब देखा तो आनन फानन में काफी मशक्कत के बाद मृतक चंदन कुमार को गंगा नदी से बाहर निकाल. इसके पश्चात उसे इलाज के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल ले गए. जहां डॉक्टर ने चंदन कुमार को मृत घोषित कर दिया. इस खबर को सुनते ही परिजन में कोहराम मच गया. थाना को इस बात को सूचना दिया गया और मटिहानी थाना क्षेत्र के पुलिस प्रशासन शब को कब्जे में लेकर बेगूसराय सदर हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

रक्षाबंधन के दिन भीषण सड़क हादसे में आठ घायल : औरंगाबाद। औरंगाबाद में दो बाइकों की आमने सामने की टक्कर में आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया. जहां सबका इलाज जारी है.

दरअसल, पूरा मामला जिले के रिसियप थाना क्षेत्र के बड़का गांव के समीप का है. जहां दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई. जिसमें एक किशोर समेत 7 लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए. घायल को औरंगाबाद सदर अस्पताल में स्थानीय लोगों द्वारा भर्ती करवाया गया. घायल की पहचान रिसियप थाना क्षेत्र के तेतरहट गांव निवासी नंदकिशोर यादव, संतोष कुमार यादव, अशोक कुमार यादव, नीतीश कुमार, चंदन कुमार दूसरे बाइक पर सवार रिसियप थाना क्षेत्र के मधबन गांव निवासी संदीप सिंह और रोशन सिंह के रूप में की गई है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि नंदकिशोर यादव अजानियां अकोरहा से अपने घर लौट रहे थे.

नीतीश के मंत्री को जान से मारने की धमकी

संवाददाता। पटना

- पोस्टर में बकायदा मंत्री का नाम भी लिखा हुआ है
- नक्सलियों ने सरेआम दी चेतावनी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी मंत्री को जान से मारने की धमकी मिली है. गया में नक्सलियों ने पोस्टर लगाकर बिहार सरकार के मंत्री को दलित विरोधी बताते हुए उनके खिलाफ आंदोलन करने की धमकी दी है. वहीं इस घटना के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है. इस पोस्टर में बकायदा मंत्री का नाम भी लिखा हुआ है.

मिली जानकारी के अनुसार गया के बांकेबाजार थाना क्षेत्र के चौंगाई में नक्सलियों ने ये पोस्टर चिपकाया है. बता दें कि ये पोस्टर बिहार सरकार के मंत्री और सीएम नीतीश के करीबी अशोक चौधरी के खिलाफ लगाया गया है. पोस्टर में मंत्री को दलित विरोध बताया गया है और कहा गया है कि दलित होकर भी अशोक चौधरी दलित विरोधी हैं.

नक्सलियों ने अशोक चौधरी को दलित, महादलित, आदिवासी और किसान विरोधी बताया गया है. साथ ही मंत्री के खिलाफ एकजुट होकर जन आंदोलन चलाने का आह्वान किया गया है. पोस्टर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की तरफ से लगाया गया है. पोस्टर में लिखा है कि, वर्तमान सरकार के खिलाफ आदिवासी, दलित, महादलित, अल्पसंख्यक प्रगतिशील व अन्तिकारी लड़के एकजुट हो गांव इलाके के क्रांतिकारी किसान कमिटी और क्रांतिकारी जनकमिटी की गठन हो. पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि अशोक चौधरी माओवादियों के खिलाफ अक्सर गलत बयानबाजी करते रहते हैं. पोस्टर में युवाओं से पुलिस और सुरक्षाबलों की कार्रवाई का विरोध करने की अपील की गई है. पर्चे में सरकार के खिलाफ आदिवासी, दलित, महादलित, अल्पसंख्यक और युवाओं से एकजुट होने का आह्वान किया गया है.

इसके साथ ही माओवादियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में कमेटियों का गठन, सशस्त्र क्रांति की बात लिखी गई है. साथ ही साथ सरकार और आने वाले विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने का भी एलान कर दिया है. गरीब जनता को फर्जी मुकदमें में फंसाने का आरोप लगाया गया है. वहीं इस पोस्टर के बाद प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

राजधानी पटना के रेलवे अस्पताल में लगी आग

पटना। रक्षाबंधन के दिन राजधानी पटना में रेलवे अस्पताल में भीषण आग लगी. इस अगलगी से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया. घटना की सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की कई गाड़ी पहुंचकर आग पर काबू पाने में जुट गई. दरअसल, पूरा मामला पटना के जक्कनपुर थाना क्षेत्र स्थित करबिगहिया रेलवे अस्पताल का है.

राखी पर पत्नी गयी मायके, पति ने लगा ली फांसी

वैशाली। वैशाली जिले के बेलसर थाना क्षेत्र के नगमा गांव में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है. जहां पति के मना करने के बाद भी पत्नी रक्षाबंधन का त्योहार मनाने मायके चली गई तो गुस्सा पति ने फांसी के फंदे से झूल कर आत्महत्या कर ली. घटना की सूचना तब लगी जब मृतक की मां घर में गई और इसे फांसी के फंदे से झूलता देखा दंग रह गई. वहीं चीख पुकार सुन आसपास के स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए. लोगों द्वारा घटना की सूचना बेलसर थाने की पुलिस को दी गई. सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. मृतक की पहचान नगमा गांव निवासी राम देनी सहनी के 33 वर्ष के पुत्र लालदेव सनी बताया गया है. इस संबंध में मृतक के परिजनों ने बताया कि इनकी पत्नी बार-बार मायके जाने के लिए कह रही थी. कह रहे थे कि पैसा नहीं है, अभी मत जाओ रक्षाबंधन है तो क्या हुआ बाद में जाकर मिल लेना लेकिन वह देर शाम में अपने मायके चली गई.

कारोबार

स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग को 50 करोड़ का घाटा

नयी दिल्ली। स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज लिमिटेड को बीते वित्त वर्ष में लगभग 50 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है. कंपनी ने बताया कि उसे यह घाटा ज्यादा खर्च होने के कारण हुआ है.उद्योगों को कार्यस्थल उपलब्ध कराने वाली प्रमुख कंपनी स्मार्टवर्क्स ने अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी में आरंभिक दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल किए हैं.दस्तावेजों के अनुसार, कंपनी को वित्त वर्ष 2023-24 में 49.95 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था.

अरबिंदो फार्मा जल्द चीन में संयंत्र शुरू करेगा

नयी दिल्ली। अरबिंदो फार्मा के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) संथानम सुब्रमण्यन ने कहा कि कंपनी को उसकी चीन स्थित इकाई से अगली तिमाही में उत्पादन शुरू करने की उम्मीद है. साथ ही पूर्ण पैमाने पर उत्पादन अगले वित्त वर्ष में ही शुरू होने की उम्मीद है. हैदराबाद स्थित दवा कंपनी नवंबर-दिसंबर की अवधि में छोटी मात्रा में उत्पादन शुरू करने की योजना बना रही है और अगले साल जनवरी-मार्च तिमाही में इसे बढ़ाने की उम्मीद है.

तीसरी, चौथी तिमाही में मजबूत मांग की उम्मीद

नयी दिल्ली । होटल चलाने वाली प्रमुख कंपनी ईआईएच लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की तीसरी और चौथी तिमाही में मजबूत मांग और होटल बुकिंग की उम्मीद है. कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी विक्रम ओबेरॉय ने कहा कि इससे पहले अप्रैल-जून के दौरान चुनाव और भीषण गर्मी के कारण मांग में कमी देखी गई थी. उन्होंने विश्लेषकों से कहा कि इस साल के आम चुनावों का मांग पर प्रभाव पिछले चुनावों की तुलना में अधिक था.ओबेरॉय ने कहा, ''''कम से कम हमारे विश्लेषण से पता चलता है कि पिछले चुनावों की तुलना में इस बार चुनाव का प्रभाव अधिक रहा है.'' इसके अलावा, उन्होंने कहा कि राजस्थान के कई शहरों में इस गर्मी में तापमान बहुत अधिक रहा है.

बीएसई सेंसेक्स में मामूली 12 अंक की गिरावट आई

शेयर बाजार में सीमित कारोबार के बीच सेंसेक्स, निफ्टी लगभग स्थिर

भाषा. मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को कारोबार सीमित रहा और बीएसई सेंसेक्स में मामूली 12 अंक की गिरावट आई. किसी ठोस संकेत के अभाव में निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी. विशेषज्ञों के अनुसार, प्रतिभागियों ने मूल्यांकन अधिक होने को लेकर चिंता के बीच प्रमुख शेयरों में मुनाफावसूली भी की. कारोबार सीमित दायरे में रहा और तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 12.16 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 80,424.68 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 80,724.40 अंक तक गया और नीचे में 80,332.65 अंक तक आया. हालांकि, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 31.50 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,572.65 अंक पर बंद हुआ. सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक,

भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स और आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं.

इसके उलट, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, एशियन पेंट्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं.

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, घरेलू बाजार शुरुआती लाभ को बरकरार नहीं रख पाये. इसका कारण खासकर मांग में नरमी से वाहन शेयरों में मुनाफावसूली रही. एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की नुकसान में रहे. यूरोप के प्रमुख बाजारों में कारोबार के दौरान तेजी का रुख रहा. अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त में रहे थे. रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजित मिश्रा ने कहा, बाजार की इस सप्ताह की शुरुआत हल्की रही. शुक्रवार को तेजी के बाद बाजार स्थिर रहा. शुरुआती बढ़त के बाद निफ्टी सीमित दायरे में रहा. शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 766.52 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे. वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 2,606.18 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.82 प्रतिशत फिसलकर 79.03 डॉलर प्रति बैरल रहा. बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 1,330.96 अंक के लाभ में रहा था, जबकि निफ्टी 397.40 अंक चढ़ा था.

रुपया आठ पैसे मजबूत होकर 83.87 प्रति डॉलर पर

मुंबई । डॉलर में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच सोमवार को रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले आठ पैसे मजबूत होकर 83 .87 के भाव (अस्थायी) पर बंद हुआ . विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों के ताजा प्रवाह ने निवेशकों की धारणा को मजबूती देने का काम किया . अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83 .88 पर खुलने के बाद मजबूती हासिल की . कारोबार के दौरान रुपया 83 .84 के ऊपरी और 83 .93 के निचले स्तर पर रहा . कारोबार के अंत में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83 .87 (अस्थायी) के भाव पर बंद हुआ . यह पिछले कारोबारी सत्र के बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की मजबूती दर्शाता है .

चमड़ा निर्यातकों का प्रतिनिधिमंडल 26 को जाएगा रूस

नयी दिल्ली। चमड़ा क्षेत्र के 20 से अधिक अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल इस महीने रूस की यात्रा करेगा. इसका मकसद निवेश तलाशना और बढ़ते निर्यात अवसरों का लाभ उठाना है. यह तीन दिवसीय यात्रा 26 अगस्त से शुरू होगी.चमड़ा निर्यात परिषद के कार्यकारी निदेशक आर. सेल्वम ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वर्तमान में भारत छह करोड़ से आठ करोड़ अमेरिका डॉलर की चमड़े की वस्तुओं का निर्यात करता है, लेकिन यह अब भी कम है क्योंकि रूस में अपार अवसर हैं. सेल्वम ने कहा, ' हम मॉस्को में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय मेले 'यूरो शूज प्रीमियर कलेक्शन' में भी हिस्सा लेंगे. हम निवेश आकर्षित करने, उत्पाद निर्माण में प्रौद्योगिकी सहयोग के उद्देश्य से एक प्रतिनिधिमंडल ले जा रहे हैं.'उन्होंने कहा कि चमड़े के वस्त्र, सामान और जूते जैसे क्षेत्रों में निर्यात के बड़े अवसर हैं. हालांकि, रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से रूस में भुगतान संबंधी समस्याएं हैं, लेकिन रुपये में कारोबार करने वाले निर्यातक माल भेज सकते हैं. चमड़ा, चमड़े के उत्पादों तथा जूते का निर्यात 2022-23 में 4.484 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 6.248 करोड़ डॉलर हो गया.

गौतम अडाणी समूह का लाभ 33 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

जाने माने उद्योगपति गौतम अडाणी की अगुवाई वाले समूह ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में कर-पूर्व लाभ में 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है. इसका कारण मुख्य बुनियादी ढांचा कारोबार के साथ-साथ सौर और पवन विनिर्माण से लेकर हवाईअड्डों तक के उभरते कारोबारों का मजबूत प्रदर्शन है.

समूह ने एक बयान में कहा, पहली तिमाही में कर पूर्व लाभ(ईबीआईटीडीए) सालाना आधार पर 32.87 प्रतिशत बढ़कर 22,570 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. इससे पिछले 12 महीनों (टीटीएम) का ईबीआईटीडीए 79,180 करोड़ रुपये रहा, जो उससे पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 45.13 प्रतिशत अधिक है.चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में समूह का शुद्ध लाभ 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 10,279 करोड़ रुपये रहा. समूह ने कहा, लगातार बढ़ता ईबीआईटीडीए मुख्य रूप से समूह के अत्यधिक स्थिर और मजबूत 'मुख्य बुनियादी ढांचा' मंच के कारण है.मुख्य बुनियादी ढांचा मंच में अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के प्रमुख बुनियादी ढांचा कारोबार, उपयोगिता (अडाणी ग्रीन एनर्जी, अडाणी पावर, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस और अडाणी टोटल गैस) और परिवहन (अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड) कारोबार हैं.अडानी एंटरप्राइजेज का ईबीआईटीडीए अप्रैल-जून में 46 प्रतिशत बढ़कर 4,487 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 1,776 करोड़ रुपये पहुंच गया. नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी का जून तिमाही में ईबीआईटीडीए 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,866 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ लगभग दोगुना होकर 629 करोड़ रुपये रहा. अडाणी पावर का लाभ जून तिमाही में 54 प्रतिशत बढ़कर 3,490 करोड़ रुपये हो गया, जबकि अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड का लाभ 47 प्रतिशत बढ़कर 3,107 करोड़ रुपये हो गया.

जीएसटी संयोजन नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने दिया वित्त मंत्रालय को सुझाव

उच्च जोखिम वाले करदाताओं की पहचान हो : सीएजी

एजेंसी। नयी दिल्ली

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने वित्त मंत्रालय से जीएसटी संयोजन योजना में उच्च जोखिम वाले करदाताओं की समय-समय पर पहचान करने और कर चोरी रोकने के लिए तीसरे पक्ष सहित अन्य स्रोतों से उनकी बिक्री के घोषित मूल्य का सत्यापन करने को कहा है.

सीएजी ने वित्त वर्ष 2019-20 से 2021-22 के बीच केंद्रीय क्षेत्राधिकार के तहत 8.66 लाख कंपोजिशन करदाताओं का विश्लेषण किया है. इसके आधार पर सीएजी ने पाया कि बड़ी संख्या में जीएसटी करदाताओं के कंपोजिशन लेवी स्कीम (सीएलएस) के लिए

कारोबार सीमा पार करने का उच्च जोखिम है. इन उच्च जोखिम वाले करदाताओं की पहचान जीएसटी रिटर्न जैसे जीएसटीआर-4ए, जीएसटीआर-7 में निहित डेटा के साथ-साथ तीसरे पक्ष के डेटा स्रोतों जैसे आईटी रिटर्न, ''वाहन'' डेटाबेस आदि से ऑडिट द्वारा की गई थी.जीएसटी कंपोजिशन स्कीम उन करदाताओं के लिए उपलब्ध है जिनका कुल कारोबार पिछले वित्त वर्ष में 1.5 करोड़ रुपये से अधिक नहीं रहा है. विशेष श्रेणी वाले राज्यों के करदाताओं के लिए यह सीमा 75 लाख रुपये है. सीएजी ने कहा कि सीएलएस करदाताओं के संबंध में दो प्रमुख जोखिम क्षेत्र- योजना में बने रहने के लिए करदाताओं द्वारा बाह्य आपूर्ति के मूल्य की कम घोषणा करना तथा सीएलएस का लाभ उठाने के लिए पात्रता शर्तों को पूरा न करना हैं.लेखापरीक्षा (ऑडिट) में पाया गया कि कुछ सीएलएस करदाता ऐसे थे, जो अधिनियम और नियमों में निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करने के बावजूद योजना में बने हुए थे. बड़ी संख्या में सीएलएस करदाता रिटर्न दाखिल करने और रिवर्स चार्ज के तहत कर का भुगतान करने की अपनी अनिवार्य जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं कर रहे थे.हाल ही में संसद में पेश रिपोर्ट में सीएजी ने कहा, "मंत्रालय को जोखिम-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए समय-समय पर सीएलएस में उच्च जोखिम वाले करदाताओं की पहचान करनी चाहिए तथा अयोग्य व्यक्तियों द्वारा दुरुपयोग की संभावना को कम करने के लिए तीसरे पक्ष सहित अन्य स्रोतों से उनकी घोषित बाहरी आपूर्ति के मूल्य का सत्यापन करना चाहिए.

सीएजी ने यह भी सुझाव दिया कि वित्त मंत्रालय अयोग्य करदाताओं की पहचान करने की एक प्रणाली विकसित कर सकता है तथा योजना के इच्छित लाभों के दुरुपयोग को रोकने के लिए उन्हें सीएलएस से बाहर करने के लिए कार्रवाई कर सकता है.

कीस्टोन रियलटर्स को बिक्री बुकिंग में 32 % वृद्धि की उम्मीद: सीएमडी

भाषा। नयी दिल्ली

कीस्टोन रियलटर्स को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में उसकी बिक्री बुकिंग 32 प्रतिशत बढ़कर 3,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है. कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक बोमन ईरानी ने यह बात कही है. कीस्टोन रियलटर्स रुस्तमजी ब्रांड के तहत अपनी संपत्तियां बेचती है और यह देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में शामिल है.

कंपनी की मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में महत्वपूर्ण उपस्थिति है. ईरानी ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि आवास बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है, जिससे कंपनी को भूमि अधिग्रहण और निर्माण गतिविधियों में अधिक निवेश करने के लिए प्रोत्साहन मिला है. वह रियल एस्टेट क्षेत्र की शीर्ष संस्था क्रेडाई के अध्यक्ष भी हैं.

उन्होंने कहा, विकास गतिविधियों में निवेश करने के लिए हमारे पास लगभग 3,000 करोड़ रुपये की नकदी है. हमने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) और अपने आंतरिक नकदी प्रवाह से 800 करोड़ रुपये जुटाए हैं. बिक्री बुकिंग के बारे में पूछने पर ईरानी ने कहा, हम चालू वित्त वर्ष में 3,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं. हम इस संख्या को पार कर लेंगे.

न्यूज अपडेट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में स्कूल में आयोजित रक्षा बंधन समारोह के दौरान बच्चों के साथ. प्रेट्र

अमेरिका-द. कोरिया का सैन्य अभ्यास

सियोल। परामाणु संपन्न उत्तर कोरिया के खिलाफ अपनी साझा रक्षा क्षमताओं को पुख्ता करने के मकसद से अमेरिका और दक्षिण कोरियाई सैनिकों ने सोमवार को व्यापक सैन्य अभ्यास शुरू किया. इसके मद्देनजर उत्तर कोरिया ने एक बार फिर दोनों मित्र राष्ट्रों पर आरोप लगाया है कि वे हमले तैयारी के तहत पूर्वाभ्यास कर रहे हैं. यह वार्षिक ग्रीष्मकालीन अभ्यास कोरियाई प्रायद्वीप में बढ़ते तनाव के बीच हो रहा है.

आतंकी हमले में 3 पुलिसकर्मी मरे

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को तड़के एक सीमा सुरक्षा चौकी पर अफगानिस्तान की ओर से आतंकवादियों ने बड़ा हमला किया, जिसमें तीन पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी मारे गए. यह हमला उसी प्रांत में दो अलग-अलग आतंकवादी हमलों में चार सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने के एक दिन बाद हुआ है. सोमवार तड़के आतंकवादियों ने पाक-अफगान सीमा पर बाजौर जिले के वारा मामुंड क्षेत्र में एक पाकिस्तानी सीमा सुरक्षा चौकी को निशाना बनाया.

नेपाल में भूस्खलन में सात की मौत

काठमांडू। पश्चिमी नेपाल में पिछले 24 घंटों में लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन की घटनाओं में दो परिवारों के सात लोगों की मौत हो गई. पुलिस के अनुसार, रविवार रात बंगल नगरपालिका-10 में भूस्खलन के कारण एक घर बह गया, जिससे बझांग जिले में एक परिवार के चार सदस्य जिंदा दफन हो गए. मरने वालों में 50 वर्षीय काली धामी, उनकी बहू तथा छह एवं तीन साल के पोते शामिल हैं.

नौका डूबी, एक की मौत; छह लापता

रोम। सिसिली अपतटीय क्षेत्र में सोमवार सुबह खराब मौसम के कारण एक नौका डूब गई जिसमें विदेशी पर्यटक सवार थे. एक शव बरामद हुआ है, छह लोग लापता हैं और 15 लोगों को बचा लिया गया है. लापता लोगों में ब्रिटेन के प्रौद्योगिकी कारोबारी माइक लिंच सिसिली भी शामिल हैं, जबकि उनकी पत्नी को बचा लिया गया. ब्रिटिश ध्वज वाली 'बेयसियन' नौका में चालक दल के 10 सदस्य और 12 यात्री सवार थे.

चीन-फिलिपीन के जहाजों की टक्कर

ताइपे । चीन और फिलिपीन के तटरक्षक जहाज सोमवार को समुद्र में सबीना शोल नामक क्षेत्र के निकट टकरा गए, जिससे कम से कम दो नौकाएं क्षतिग्रस्त हो गईं. सबीना शोल दक्षिण चीन सागर में पड़ने वाले देशों के बीच चिंताजनक रूप से बढ़ते क्षेत्रीय विवाद का नया केंद्र बनकर उभर रहा है. दोनों देशों ने स्प्रैटली द्वीप समूह में एक विवादित क्षेत्र सबीना शोल के पास हुई टक्कर के लिए एक दूसरे को दोषी ठहराया है. इस टक्कर में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है.

पिकनिक मनाने गए तीन लोग डूबे

अलीबाग। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में पिकनिक मनाने के दौरान दो भाई और उनके एक रिश्तेदार नदी में डूब गए. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार दोपहर महाड़ में सावित्री नदी पर हुई. मृतक मुन्नवर शहाबुद्दीन नालबंद (38), उनके भाई दिलावर (28) और उनके रिश्तेदार जाहिद जाकिर पटेल (28) महाबलेश्वर के निवासी थे और वह पिकनिक मनाने के लिए महाड़ आए थे.

डॉक्टर ने दलित नर्स से किया दुष्कर्म

मुरादाबाद। जिले के ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में दलित नर्स के साथ बंधक बनाकर किए गए कथित दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने सोमवार को एक डॉक्टर समेत दो अन्य को गिरफ्तार किया. पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) संदीप कुमार मीना ने सोमवार को बताया कि अस्पताल में नर्स से दुष्कर्म की घटना के संबंध में पीड़िता के परिवार ने 18 अगस्त को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी.

कमला की लोकप्रियता में इजाफा

वाशिंगटन। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी में उत्साह और अमेरिकियों के बीच अपनी लोकप्रियता में वृद्धि के साथ डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगी. 'एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च' के एक नए सर्वेक्षण के मुताबिक, अमेरिका के लगभग आधे वयस्क (48 प्रतिशत) हैरिस के बारे में बहुत या कुछ हद तक अनुकूल दृष्टिकोण रखते हैं. गर्मी की शुरुआत में ऐसे अमेरिकियों की संख्या 39 प्रतिशत थी.

इजराइल-हमास युद्ध के बाद से मध्य-पूर्व की नौवीं यात्रा पर अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन

गाजा में निर्दोष नागरिकों की पीड़ा का होगा अंत!

एजेंसी। तेल अवीव

अमरिका मध्य-पूर्व में जारी तनाव को कम कर गाजा में निर्दोष नागरिकों की पीड़ा का अंत करने के प्रयास में जुटा हुआ है. इसी कड़ी में विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इजराइल-हमास युद्ध की शुरुआत के बाद से मध्य पूर्व में अपने नौवें राजनयिक मिशन का उपयोग संघर्ष विराम समझौते के संबंध में शीघ्र निर्णय लेने के लिए दबाव बनाने में करेंगे. इस बीच, स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि गाजा में रातभर और इसके बाद रविवार दिन में किए गए इजराइली हमलों में पांच बच्चों सहित 29 लोगों की मौत हो गई. ब्लिंकन रविवार को इजराइल पहुंचे. मध्यस्थों ने उनके यहां पहुंचने को इस सप्ताह के अंत में काहिरा में

होने वाले समझौते को सफल बनाने के लिए अंतिम प्रयास बताया. वह मंगलवार को मिस्र की यात्रा करने से पहले सोमवार को शीर्ष इजराइली अधिकारियों से मिलेंगे. उनके आगमन से क्षेत्रीय तनाव को कम करने में मदद मिल सकती है. ब्लिंकन के साथ यात्रा करने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उनका क्षेत्र में आगमन संघर्ष विराम वार्ता के लिहाज से 'महत्वपूर्ण समय' पर हुआ है और विदेश मंत्री सभी पक्षों पर जल्द से जल्द समझौते को अंतिम रूप देने का दबाव डालेंगे.

ब्लिंकन के तेल अवीव पहुंचने से कुछ समय पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कैबिनेट की बैठक में कहा कि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां इजराइल लचीलापन दिखा सकता है और कुछ अनिर्दिष्ट क्षेत्र हैं जहां वह ऐसा नहीं करेगा. ब्लिंकन नेतन्याहू के अलावा इजराइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट और राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग से मुलाकात करेंगे.

युद्ध में 40 हजार से अधिक फलस्तीनियों की मौत

स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार युद्ध में 40 हजार से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है. गाजा के 23 लाख से अधिक निवासियों में से अधिकतर विस्थापित हो चुके हैं और मानवीय तबाही हुई है. विशेषज्ञों ने अकाल और पोलियो जैसी बीमारियों के फैलने के प्रति आगाह किया है. सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के चरमपंथियों के हमलों में लगभग 1,200 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें अधिकतर आम नागरिक थे. इसके अलावा हमास के लड़ाकों ने लगभग 250 लोगों को अगवा कर लिया था. माना जाता है कि उनमें से लगभग 110 लोग अब भी गाजा में हैं, जबकि इजराइली अधिकारियों का कहना है कि उनमें से लगभग एक तिहाई की मौत हो चुकी है.

डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या का ममला

पीड़िता की फोटो साझा करने और ममता को धमकी पर एक गिरफ्तार

एजेंसी। कोलकाता

आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में जिस प्रशिक्षु डॉक्टर की कथित तौर पर बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई, उसकी पहचान सोशल मीडिया पर उजागर करने और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को धमकी देने के आरोप में कोलकाता में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने सोमवार को बताया कि शिकायत मिली है कि सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर 'कीर्तिसोशल' यूजरनेम से एक व्यक्ति ने हाल ही में आरजी कर एमसीएच में हुई घटना से संबंधित तीन खबरें अपलोड की हैं, जिनमें पीड़िता की तस्वीर और पहचान का खुलासा किया गया है.'

टीएमसी सांसद ने कोलकाता पुलिस के नोटिस को दी चुनौती

वहीं टीएमसी सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने डॉक्टर के साथ कथित बलात्कार और हत्या को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के संबंध में पुलिस द्वारा उन्हें भेजे गए नोटिस को सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में चुनौती दी. पुलिस ने रविवार को वरिष्ठ राजनीतिक नेता को नोटिस जारी कर उन्हें पेश होने को कहा था.

अधिकारी के अनुसार, 'उसी समय, आरोपी व्यक्ति ने मुख्यमंत्री के खिलाफ दो खबरें भी साझा कीं, जिनमें आपत्तिजनक टिप्पणियां थीं.

सीएम के खिलाफ जांच की मंजूरी पर कांग्रेस का राज्यव्यापी प्रदर्शन

कर्नाटक में कथित भ्रष्टाचार पर राजनीतिक घमासान

सिद्धरमैया ने भरी हुंकार, बोले-

- राजनीतिक लड़ाई के दौरान बढ़ जाता है उनका जोश

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक में कथित भ्रष्टाचार पर राजनीतिक घमासान जारी है. मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन में कथित अनियमितता के मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के खिलाफ जांच के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा अनुमति दिए जाने के विरोध में सोमवार को राज्यव्यापी प्रदर्शन किया. इस बीच, सिद्धरमैया ने राज्यपाल के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने के बाद कहा कि राजनीतिक लड़ाई के दौरान उनका जोश बढ़ जाता है. मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है. कांग्रेस0 नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालयों में धरना दिया, पैदल मार्च किया और रैलियां आयोजित कीं. उन्होंने राज्यपाल के कदम की निंदा करते हुए हाथों में तख्तियां ले रखीं थी. कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के खिलाफ नारे भी लगाए.

राज्यपाल बिना मतलब का मामला बना रहे हैं : डीके : उप मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा, 'राज्यपाल बिना मतलब का मामला बना रहे हैं. यह लोकतंत्र की हत्या है और हम इसका विरोध करेंगे.' कांग्रेस ने बेंगलुरु, उडुपी, मंगलुरु, हुबली-धारवाड़, विजयपुरा, कलबुर्गी, रायचूर, तुमकुरु और मैसूरु सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में

सिद्धरमैया बोले-मेरा राजनीतिक जीवन एक खुली किताब

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया सोमवार को एमयूडीए द्वारा भूखंडों के आवंटन में अनियमितताओं के संबंध में उनके खिलाफ जांच की मंजूरी देने वाले राज्यपाल थावरचंद गहलोत के आदेश से अप्रभावित नजर आए. आदेश को चुनौती देने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने के कुछ घंटों बाद मुख्यमंत्री ने कहा, 'मेरी अंतरात्मा बिल्कुल साफ है.' सिद्धरमैया ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के वकील अभिषेक मनु सिंघवी उच्च न्यायालय में उनके मामले में पैरवी करेंगे. मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, 'मुझे अदालत से राहत मिलने का पूरा भरोसा है, क्योंकि मैंने कोई गलत काम नहीं किया है.' मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि वह पहली बार 40 साल पहले 17 अगस्त 1984 को मंत्री बने थे और उनके राजनीतिक जीवन में 'एक भी काला धब्बा' नहीं है. कांग्रेस नेता ने कहा, 'मेरा राजनीतिक जीवन एक खुली किताब है. मैंने कोई गलत काम नहीं किया है, न ही कोई गलत काम करूंगा.'

प्रदर्शन किए. मुख्यमंत्री ने कहा है, 'मेरे खिलाफ कोई मामला नहीं है और राज्यपाल का फैसला असंवैधानिक है.' सिद्धरमैया ने आरोप लगाया कि राज्यपाल केंद्र सरकार के हाथों की कठपुतली बन गए हैं और उनके खिलाफ जांच की मंजूरी देना एक निर्वाचित सरकार को अस्थिर करने की एक भयावह साजिश के अलावा कुछ नहीं है.

गहलोत ने एमयूडीए भूमि आवंटन 'घोटाले' के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की शनिवार को मंजूरी दे दी थी.आरोप है कि सिद्धरमैया की पत्नी पार्वती को मैसूरु में प्रतिपूरक भूखंड आवंटित किया गया था, जिसका संपत्ति मूल्य उनकी उस भूमि की तुलना में अधिक था, जिसे एमयूडीए ने 'अधिगृहीत' किया था.

भाजपा नेता ने सेना के एक सेवानिवृत अधिकारी के हवाले से दिया था विवादित बयान

30 साल बाद गृह युद्ध होगा, कांग्रेस ने की मांग-माफी मांगें विजयवर्गीय

एजेंसी। इंदौर

देश में 30 साल बाद गृहयुद्ध की आशंका से जुड़े भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर कांग्रेस ने कहा है कि उन्हें माफी मांगनी चाहिए. उनका बयान गैर जिम्मेदाराना है. कैलाश विजयवर्गीय अभी मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री हैं और भाजपा के राष्ट्रीय महसचिव रह चुके हैं. गृहयुद्ध संबंधित बयान की वजह से वह कांग्रेसी नेताओं के निशाने पर आ गए हैं.

जानकारी के मुताबिक रविवार को इंदौर में रक्षाबंधन से जुड़े एक कार्यक्रम में कहा था कि आज के समय में सामाजिक समरसता बहुत जरूरी है. उन्होंने सेना के एक सेवानिवृत अधिकारी के हवाले से

कहा था कि 30 साल बाद देश के भीतर गृहयुद्ध शुरू हो जायेगा. जिस प्रकार देश के भीतर जनसंख्या में बदलाव आ रहा है, 30 साल बाद देश में ऐसी स्थिति बन जायेगी कि आप रह नहीं पाएंगे. उन्होंने आगे कहा कि हमें इस बात पर विचार और चिंतन करना है. हमें ऐसे काम करना चाहिए, जिससे हिंदू शब्द मजबूत हो. कुछ लोग अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति के तहत सिर्फ कुर्सी पाने के लिए हिंदू समुदाय को जाति के आधार पर बांटना चाहते हैं.

देश में अस्थिरता और भय का माहौल पैदा करने वाला बयान

विजयवर्गीय के बयान पर कांग्रेस के प्रवक्ता नीलाभ शुक्ला ने कहा है कि उनका बयान गैर जिम्मेदाराना है. देश में अस्थिरता और भय का माहौल पैदा करने वाला है. साथ ही अमन-चैन और भाईचारे पर सवाल खड़ा करने वाला बयान है. उन्हें इसके लिए सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए. विजयवर्गीय को यह स्पष्ट करना चाहिए कि सेना के किस सेवानिवृत्त अफसर ने देश में 30 साल बाद गृहयुद्ध शुरू होने की आशंका जताई है और इस आशंका का क्या आधार है?

महायुति गठबंधन चुनाव से पहले टूट जाएगा : राकांपा

पुणे। राकांपार्टी (एसपी) ने सोमवार को दावा किया कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन शिवसेना, भाजपा और अजित पवार नीत राकांपा के बीच आंतरिक फूट के कारण महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले टूट जाएगा. वहीं शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के भाषण पर सोमवार को कटाक्ष किया, जिसमें मोदी ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का समर्थन किया था. पवार ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी सभी चुनाव एक साथ कराने पर जोर दे रहे थे, लेकिन अगले ही दिन तीन अलग-अलग राज्यों के लिए तीन अलग-अलग चुनाव तिथियों की घोषणा कर दी गई.

तस्कर का बीएसएफ जवान पर खंजर से हमला, 6 किलो सोना छोड़कर भागा

एजेंसी। नादिया

भारत-बांग्लादेश सीमा पर सोमवार को तस्करी का छह किलोग्राम सोना लेकर आए एक व्यक्ति ने भारतीय सीमा सुरक्षा बल के जवान ने उसे रोक लिया लेकिन तस्कर ने सुरक्षाकर्मी पर 'दाह' (बड़े चाकू) से हमला कर दिया और भाग गया. उन्होंने बताया कि जवान की वर्दी कंधे के पास फटी हुई थी. बल की 32वीं बटालियन के जवान ने अपनी राइफल से गोली चलाई, लेकिन तस्कर भाग निकला. सूत्रों ने बताया कि पास में ही खेतों पर कार्य कर रहे किसानों को देखते हुए जवान ने और गोलियां नहीं चलाईं.

हरियाणा में भाजपा की विस चुनाव घोषणापत्र समिति किया गया गठन

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हरियाणा इकाई ने राज्य में एक अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को वरिष्ठ नेता ओ पी धनखड़ के नेतृत्व में एक घोषणापत्र समिति का गठन किया. पार्टी के एक बयान के अनुसार, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने समिति के गठन की घोषणा की, जिसकी अगुवाई भाजपा के राष्ट्रीय सचिव और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पी धनखड़ करेंगे. समिति में 14 अन्य सदस्य होंगे. समिति के सदस्यों में वरिष्ठ पार्टी नेता अभिमन्यु, रणबीर गंगवा, विपुल गोयल, किरण चौधरी, भव्य बिश्नोई और सुनीता दुग्गल शामिल हैं. निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की कि हरियाणा में विधानसभा चुनाव एक अक्टूबर को एक चरण में संपन्न होगा और चुनाव परिणाम चार अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे.

थाईलैंड की नयी प्रधानमंत्री भारत के साथ मिलकर करेंगी काम

- पैतोंगतार्न शिनावात्रा ने प्रधानमंत्री मोदी से द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की बात कही

एजेंसी। सिंगापुर

थाईलैंड की नयी प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वह मौजूदा संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए साथ मिलकर काम करने की आशा करती हैं. पूर्व राष्ट्रपति थाकसिन शिनावात्रा की बेटी पैतोंगतार्न शिनावात्रा (37) रविवार को शाही समर्थन पत्र मिलने के बाद देश की सबसे युवा प्रधानमंत्री बन गईं.

शिनावात्रा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारे द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रूप से व्यापार और निवेश, संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में तथा दोनों देशों के बीच हवाई यात्रा बढ़ाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने की मैं आशा करती हूं.' उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उन्हें बधाई देने वाले पोस्ट के जवाब में कहा, 'मुझे विश्वास है कि हम अपने मौजूदा संबंधों को और मजबूत कर सकते हैं तथा दोनों देशों के लिए और भी अधिक अवसर पैदा करने के लिए नयी संभावनाएं तलाश सकते हैं.' इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, 'थाईलैंड की प्रधानमंत्री चुने जाने पर पैतोंगतार्न शिनावात्रा को बधाई. एक बहुत ही सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं.'

आंध्र प्रदेश में मिलावटी खाना खाने के कारण 4 अनाथ बच्चों की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में दो दिन पहले मिलावटी खाना खाने से चार अनाथ बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण मौत हो गई. मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया. यह घटना कोटौराटला मंडल के अनकापल्ली जिले के कैलाश गांव में घटी. एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, "जोशुआ, भवानी, श्रद्धा और नित्या उन लोगों में शामिल हैं जो दो दिन पहले (शनिवार) मिलावटी खाना खाने के कारण इलाज के दौरान बीमार हो गए." मुख्यमंत्री ने अनकापल्ली के जिलाधिकारी विजय कृष्णन को अन्य प्रभावित बच्चों के लिए बेहतर उपचार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, जिनका वर्तमान में विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है. उन्होंने जिलाधिकारी से घटना पर एक विस्तृत रिपोर्ट भी देने को कहा.

राहुल ने की उबर की सवारी, गिग वर्कर्स के लिए न्याय का आह्वान

- कहा-कांग्रेस की राज्य सरकारें गिग वर्कर्स के लिए ठोस नीतियां बनाएंगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस की राज्य सरकारें गिग वर्कर्स के लिए ठोस नीतियां बनाकर न्याय सुनिश्चित करेंगी तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) संघर्ष के साथ इन नीतियों का देशव्यापी विस्तार सुनिश्चित करेगा.

'गिग वर्कर्स' उन श्रमिकों को कहा जाता है जिनका काम अस्थायी होता है. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उबर कैब की सवारी का एक वीडियो सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया जिसमें वह वाहन चालक सुनील उपाध्याय से उनके अनुभव एवं परेशानियों के बारे में जानकारी लेते देखे जा सकते हैं. राहुल गांधी ने कहा, 'आमदनी कम और महंगाई से निकलता दम - यह है भारत के गिग वर्कर्स की व्यथा. सुनील उपाध्याय जी के साथ एक उबर

यात्रा के दौरान चर्चा में और फिर उनके परिवार से मिल कर देश के कैब ड्राइवर और डिलेवरी एजेंट जैसे गिग वर्कर्स की समस्याओं का जायज़ा लिया.' उन्होंने कहा कि 'हैंड टू माउथ इनकम' (किसी तरह गुज़ारे लायक आमदनी) में इनका गुज़ारा तंगी से चल रहा है तथा न कोई बचत होती है और न ही परिवार के भविष्य का कोई आधार है. कांग्रेस नेता ने कहा, 'इनकी समस्या के समाधान के लिए कांग्रेस की राज्य सरकारें ठोस नीतियां बना कर न्याय करेंगी और 'इंडिया' गठबंधन पूरे संघर्ष के साथ इन नीतियों का देशव्यापी विस्तार सुनिश्चित करेगा.'

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा — रूस को सीमा पार और हमले करने से रोकना हमारा मकसद

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में 'बफर जोन' बनाना चाहता है यूक्रेन

एजेंसी। कीव

यूक्रेन की सेना ने कुर्स्क क्षेत्र में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से रूस पर सबसे बड़ा हमला कर मॉस्को सहित पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है. राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि यूक्रेनी सैनिकों के रूसी क्षेत्र में दाखिल होने का मकसद वहां एक 'बफर जोन' बनाना है, ताकि रूस को सीमा पार और हमले करने से रोका जा सके. जेलेंस्की ने कुर्स्क क्षेत्र में छह अगस्त को शुरू किए गए इस साहसिक अभियान की मंशा पहली बार स्पष्ट रूप से जाहिर की है, जिसमें कई गांवों व सैकड़ों कैदियों को यूक्रेन ने अपने कब्जे में ले लिया था. पहले उन्होंने कहा था कि अभियान का मकसद सीमावर्ती सुमी क्षेत्र में लोगों को रूस की ओर से लगातार जारी गोलाबारी से बचाना है.

जेलेंस्की ने कहा, 'कुल मिलाकर अब रक्षात्मक अभियानों में हमारी प्राथमिकता जितना

यूक्रेन के अधिकारियों ने लोगों से पोक्रोवस्क शहर छोड़ने को कहा

कीव। यूक्रेन के स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को पूर्वी शहर पोक्रोवस्क के लोगों के लिए अनिवार्य निकासी का आदेश जारी किया. इस शहर में वर्तमान में करीब 53,000 लोग रहते हैं. अधिकारियों ने कहा है कि रूसी सेना इतनी तेजी से आगे बढ़ रही है कि संभावित हमलों के मद्देनजर पोक्रोवस्क और आस-पास के दूसरे शहरों से लोगों की निकासी जरूरी हो गई है. रूसी सेना कई महीनों से पोक्रोवस्क की ओर कूच कर रही है लेकिन हालिया समय में वह तेजी से आगे बढ़ रही है.

संभव हो, रूस की युद्ध क्षमता को नष्ट करना और अधिकतम जवाबी कार्रवाई करना है. इसमें कुर्स्क क्षेत्र में हमारा अभियान शामिल है, जिसका उद्देश्य आक्रमणकारी के क्षेत्र में एक 'बफर जोन' बनाना है.'' अधिकारियों के मुताबिक, यूक्रेन ने छह अगस्त को शुरू किए गए अभियान के तहत सीमा पार आक्रमण तेज करते हुए पिछले सप्ताहांत कुर्स्क क्षेत्र में एक प्रमुख पुल को ध्वस्त कर दिया था और उसके निकटवर्ती पुल पर हमला किया था, जिससे रूस को होने वाली आपूर्ति बाधित हुई थी. सैन्य मामलों के रूस समर्थक ब्लॉगर ने माना कि ग्लुशकोवो शहर के पास सीम नदी पर एक पुल के नष्ट होने से यूक्रेन के आक्रमण से निपटने के लिए रूसी सेना की आपूर्ति बाधित हुई थी, हालांकि रूस अब भी 'पंटून' और छोटे पुलों का उपयोग कर सकता है. यूक्रेन के वायु सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मायकोला ओलेशचुक ने शुक्रवार को एक हवाई हमले का वीडियो जारी किया था, जिसमें पुल दो टुकडों में बिखरा हुआ दिखाई दे रहा था. दो दिन से भी कम समय में यूक्रेनी सैनिकों ने रूस में एक दूसरे पुल पर हमला किया.

पश्चिमी हथियारों के इस्तेमाल पर लगे प्रतिबंधों को हटाने की मांग : जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेनी सेना ने "अच्छे और बहुत जरूरी परिणाम हासिल कर लिए हैं." जेलेंस्की पश्चिमी देशों से रूसी क्षेत्र में और गहराई में स्थित लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति देने की मांग कर रहे हैं. उन्होंने शनिवार को कीव के सहयोगियों से कुर्स्क सहित अन्य क्षेत्र में स्थित लक्ष्यों पर हमले के लिए पश्चिमी हथियारों के इस्तेमाल पर लगे बाकी प्रतिबंधों को हटाने का आग्रह किया था.

ढाका के 32 पुलिस थानों के प्रमुखों का तबादला

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के हटने के बाद पुलिस विभाग में बड़े पैमाने पर फेरबदल करते हुए, 18 प्रभारी अधिकारियों के तबादले के कुछ दिनों बाद ढाका के 32 पुलिस थानों के प्रमुखों का तबादला कर दिया गया है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तबादले का आदेश रविवार आधी रात को आया. नवीनतम तबादले के साथ ही, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अंतर्गत आने वाले सभी 50 पुलिस थानों के प्रमुखों का तबादला कर दिया गया है. अन्य 18 प्रभारी अधिकारियों का तबादला 13 अगस्त को किया गया था. स्थानांतरित किए गए लोगों के पास अब वह अधिकार नहीं होंगे, जो उनके पास प्रमुख के रूप में थे. इन अधिकारियों को देश भर के प्रशिक्षण केंद्रों में भेजा गया है, जहां उन्हें पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित करने का काम सौंपा गया है.

कोरोना महामारी के बाद अब एमपॉक्स की दस्तक से दहशत

एजेंसी। इस्लामाबाद

कोरोना महामारी के बाद अब एमपॉक्स वायरस की दस्तक ने एक बार फिर दुनिया को चिंता में डाल दिया है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वायरस के नए प्रकार की पहचान के बाद गत सप्ताह इस बीमारी के हालिया प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय रूप से चिंताजनक तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात (पब्लिक हेल्थ इमरजेन्सी) घोषित किया है. एमपॉक्स (जिसे पहले मंकीपॉक्स कहा जाता था) निकट संपर्क के माध्यम से फैल सकता है. इस बीच, पाकिस्तान सरकार ने घोषणा की है कि उसने एमपॉक्स वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए एक व्यापक नीति बनाई है और लोगों को इसके प्रसार को लेकर चिंता नहीं करनी चाहिए. प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य समन्वयक डॉ.

मुख्तार अहमद ने संवाददाताओं को बताया कि देश में केवल एक मामला सामने आया है, जबकि सभी हवाई अड्डों और प्रवेश बिंदुओं पर निगरानी और जांच तंत्र मौजूद हैं.

'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान' (एपीपी) 'न्यूजवायर' के अनुसार, अहमद ने यह भी कहा कि सभी प्रांतों और संघीय राजधानी में निदान के लिए प्रयोगशालाओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है. अफ्रीका में मामले सामने आए हैं और अफ्रीका, अमेरिका और खाड़ी देशों से आने वाले यात्रियों की निगरानी की जाएगी.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)